भोपाल
रविवार, 17 मई 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष -1
वर्ष : 13, अंक : 45
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 42
न्यून. 29

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

फिन एलन की 'तूफानी' पारी

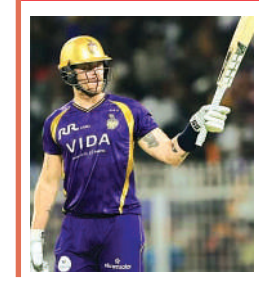

केकेआर ने 22 छक्के जड़कर बनाया सीजन का सबसे बड़ा स्कोर

कोलकाता। ईडन गार्डन्स पर खेले गए मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 247 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया है। यह आईपीएल 2026 में केकेआर का सबसे बड़ा और लीग इतिहास का तीसरा ▸▸ शेष पेज 6 पर

मप्र हाईकोर्ट ने लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए कोर्टरूम लाइव ऑडियो-विजुअल स्ट्रीमिंग सिस्टम क्लास व डिजिटल डेटा मैनेजमेंट सिस्टम 'प्रथम' किया लॉन्च

समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का बड़ा बयान

न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह 24X7 कार्य करना होगा

- न्याय व्यवस्था के डिजिटली सशक्त होने से आम नागरिकों को मिलेगा त्वरित न्याय: मुख्यमंत्री डॉ. यादव
- ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ जस्टिस की ओर तेजी से बढ़ रहा है मप्र: केंद्रीय राज्यमंत्री अर्जुन मेघवाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि नई तकनीक की धाराओं के माध्यम से कोर्ट, पुलिस, प्रिजन, फॉरेंसिक और मेडिको लीगल की शाखाएं यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म में एकाकार होते हुए न्याय पाने में आमजन के लिए सहायक सिद्ध होंगी। लोगों को त्वरित रूप से न्याय देने के लिए न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह 24X7 कार्य करना होगा। मप्र उच्च न्यायालय ने डिजिटल सेवाओं ▸▸ शेष पेज 6 पर

सीजेआई डिजिटल प्लेटफार्म का रिमोट से शुभारंभ करते हुए

तकनीक का समन्वय न्याय व्यवस्था को और अधिक विश्वसनीय बनाएगा

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि न्याय व्यवस्था के डिजिटली सशक्त होने से प्रक्रियाएं पारदर्शी होंगी, जिसका सीधा परिणाम आम नागरिक को त्वरित न्याय मिलने के रूप में सामने आएगा। तकनीक का यह समन्वय हमारी न्याय व्यवस्था को और अधिक विश्वसनीय बनाएगा। वर्तमान समय तकनीक और नवाचार का है। कानून राज्य मंत्री अर्जुन मेघवाल ने कहा कि देश की न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक दिन है। मप्र सिंहासन बत्तीसी की धरती है, सम्राट विक्रमादित्य का सिंहासन धरती में दबकर भी न्याय करता था। मप्र ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ जस्टिस की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मप्र सीसीटीएनएस और मूक-बधिरों के लिए एप्लीकेशन की शुरुआत करने वाला नवाचारी राज्य है। ▸▸ पढ़ें पेज 05 भी

प्लाट उपलब्ध है
भोपाल की सबसे ज्यादा विकासशील लोकेशन
अयोध्या बायपास
10 लेन रोड और 66 फीट मेन रोड महोली खेजड़ा की प्राईम लोकेशन में डायवर्शन, सर्वसुविधायुक्त, पीपुल्स मॉल, पीपुल्स हास्पीटल, मीनाल मॉल और मेन मार्केट के नजदीक
संपर्क-9755600569
8200502943, 7748022609

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
पीबीकेएस आरसीबी
दोपहर 3.30 बजे से
डीसी आरआर
शाम 7.30 बजे से

पीएम मोदी भारतीय समुदाय का अभिवादन करते हुए

'द हेग' में भारतीय प्रवासी समुदाय को किया संबोधित

पीएम मोदी ने चेताया- पहले कोरोना, फिर युद्ध, अब ऊर्जा संकट

ये आपदाओं का दशक, हालात अच्छे न हुए तो खत्म हो सकता 'सब कुछ'

एजेंसी ▸▸ हेग (नीदरलैंड)

द हेग में भारतीय प्रवासी समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र ने कहा कि दुनिया इस समय कई चुनौतियों का सामना कर रही है। पहले कोरोना आया, फिर युद्ध होने शुरू हो गए और अब ऊर्जा संकट है। ये दशक दुनिया के लिए आपदाओं का दशक बन रहा है। अगर यह स्थिति जल्द नहीं बदली, तो बीते दशकों की उपलब्धियां खत्म हो सकती है। दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा फिर से गरीबी के जाल में फंस सकता है। ऐसे दौर में भारत नवाचार, आर्थिक विकास और वैश्विक सहयोग की एक अहम ताकत बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा, भारत अवसरों की धरती है, जो तकनीक और मानवता दोनों से प्रेरित है। भारत और नीदरलैंड ऊर्जा सुरक्षा और जल सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा रहे हैं। दोनों देश ▸▸ शेष पेज 6 पर ▸▸ पढ़ें पेज 11 भी

पीएम ने कहा- जैसे भारत कमल के लिए प्रसिद्ध है, वैसे ही नीदरलैंड ट्यूलिप के लिए। दोनों ही हमें सिखाते हैं कि जड़ें चाहे पानी में हों या धरती में, सुंदरता और शक्ति दोनों ही प्राप्त होती हैं

ऐसे दौर में भारत नवाचार आर्थिक विकास और वैश्विक सहयोग की एक अहम ताकत बनकर उभर रहा

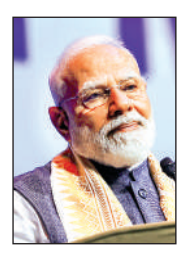

- भारत अवसरों की धरती है, जो तकनीक और मानवता दोनों से प्रेरित
- नीदरलैंड में लगभग दो लाख सूरीनामी-हिंदुस्तानी समुदाय के लोग रहते हैं

ये है भारत की ताकत

1. भारत ने धरती से चंद्रमा की दूरी जितनी है, उससे भी 11 गुना अधिक ऑप्टिकल फाइबर बिछाया
2. आज भारत दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल मैन्युफैक्चरर
3. आज का भारत इनोवेशन पावर, हमारे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की चर्चा पूरी दुनिया में

नीदरलैंड हो सकता है भारतीयों के लिए प्रवेश द्वार

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों पक्षों के संबंधों को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, नीदरलैंड उन भारतीय व्यवसायों के लिए एक स्वाभाविक प्रवेश द्वार बन सकता है जो यूरोप में विस्तार करना चाहते हैं।

विकसित भारत यात्रा में दें योगदान

मोदी ने प्रवासी भारतीयों से 'विकसित भारत 2047' के संकल्प में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। नीदरलैंड में बसे भारतीय मूल के लोग दोनों ▸▸ शेष पेज 6 पर

देवास पटाखा फैक्ट्री विस्फोट

सीएम ने लिया सख्त एक्शन

एसडीएम-नायब तहसीलदार एसडीओपी निलंबित किए गए

सीएम ने कहा हादसे के किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

फाइल फोटो

देवास जिले के पटाखा फैक्ट्री हादसे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सख्त एक्शन लिया है। उन्होंने एसडीएम संजीव सक्सेना, नायब तहसीलदार रवि शर्मा और एसडीओ (पुलिस) दीपा मांडवे को निलंबित कर दिया है। निलंबन की अवधि में सक्सेना और शर्मा को देवास कलेक्टर कार्यालय अटैच किया गया है। जबकि, दीपा को भोपाल स्थित ▸▸ शेष पेज 6 पर

न्यायिक जांच आयोग भी बनाया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों के लिए 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा भी की थी। राज्य शासन ने एकल सदस्य उच्च न्यायालय के मान सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा न्यायिक जांच आयोग के गठन की अधिसूचना जारी की है।

नीट पेपर लीक केस में बड़ी गिरफ्तारी

एनटीए की एक्सपर्ट टीचर ने ही लीक किया बायोलॉजी का पेपर

- सीबीआई ने लेक्चरर को किया गिरफ्तार
- प्रश्नपत्र बनाने वाली समिति की थी सदस्य

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

मनीषा मंडारे

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट-अंडरग्रेजुएट 2026 (नीटी-यूजी 2026) पेपर लीक मामले में सीबीआई के हाथ एक और बड़ी सफलता लगी है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने पुणे की सीनियर बॉटनी टीचर ▸▸ शेष पेज 6 पर

पॉक्सो मामले में बड़ी कार्रवाई

केंद्रीय मंत्री बंदी संजय का बेटा बंदी भगीरथ गिरफ्तार

मंत्री बोले- कानून के सामने सब बराबर
दावा: सरेंडर किया, पुलिस ने कहा-गिरफ्तारी की

एजेंसी ▸▸ हैदराबाद

साई भागीरथ और बंदी संजय

केंद्रीय राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी भगीरथ को साइबराबाद पुलिस ने पॉक्सो मामले में शनिवार रात 8:15 बजे गिरफ्तार कर लिया है। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार ने सोशल मीडिया ▸▸ शेष पेज 6 पर

यह है मामला

यह पूरा मामला एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की की मां द्वारा 8 मई को दर्ज कराई गई शिकायत से जुड़ा है। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि भगीरथ ने पीड़िता का यौन उत्पीड़न किया, जिसके ▸▸ शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

अप्रैल में बेरोजगारी दर छह महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली। देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की बेरोजगारी दर अप्रैल 2026 में बढ़कर 5.2 फीसदी पर पहुंच गई है, जो पिछले छह महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है। मार्च में यह आंकड़ा 5.1 फीसदी था। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के मुताबिक, जहां ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी 4.3% से बढ़कर 4.6% हो गई है।

बस में लगी आग, 4 साल का मासूम जिंदा जला

शाजापुर। इंदौर से ग्वालियर आ रही इंटरसिटी ट्रेवल्स की एसी स्लीपर वॉल्वो बस में नेशनल हाईवे-52 पर स्थित एक होटल के पास अचानक भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में 4 साल के मासूम अनय की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब बस चाय-नाश्ते के लिए रुकी थी। बस में 36 यात्री सवार थे।

चांदी आयात के लिए अब लाइसेंस जरूरी

नई दिल्ली। पहले व्यापारी विदेश से 99.9% शुद्धता वाली चांदी की ईंटें खरीदकर भारत ला सकता था अब सरकार ने इसे प्रतिबंधित कैटेगरी में डाल दिया है। मतलब विदेश से चांदी मंगाने के लिए सरकार से विशेष लाइसेंस या मंजूरी लेनी होगी। कोई भी अपनी मर्जी से जितना चाहे चांदी नहीं मंगा पाएगा। विदेश से सोना या चांदी खरीदने पर भुगतान डॉलर में करना पड़ता है जिसे बचाना है।

राजनीति का एक 'दिलचस्प संवाद'

दिग्विजय बोले- मैं 'घोर सनातनी' हूं, उषा: सनातनी हैं तो मानते क्यों नहीं?

भोजशाला पर पूर्व सीएम ने कहा-पूरे फैसले की गहराई से जांच जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ इंदौर

दिग्विजय सिंह व उषा ठाकुर

मैं घोषणा करता आया हूं और फिर कह रहा हूं कि मैं घोर सनातन धर्म का मानने वाला हूं। मेरे कहने के बाद ही आपने सनातन धर्म को स्वीकार किया, पहले आप लोग सिर्फ हिंदू-हिंदू धर्म करती थीं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार देर रात पूर्व मंत्री उषा ठाकुर से मुलाकात में यह बात कही। भोजशाला फैसले के बाद वे इंदौर पहुंचे थे। दिग्विजय सिंह ने कहा, मैं जितना सनातनी हूं... क्या तुमने कभी नर्मदा परिक्रमा की है? क्या तुम एकादशी का व्रत करती हो? इस पर ठाकुर ने कहा- आप व्यक्तिगत रूप से तो पक्के सनातनी हैं, लेकिन सार्वजनिक रूप से इसे स्वीकार नहीं करते। दिग्विजय सिंह ने कहा- मैं सार्वजनिक रूप से ही तो कह रहा हूं, अब और कैसे सार्वजनिक करूं? मैं सही सनातनी हूं। मैंने नर्मदा परिक्रमा की है।

एएसआई की रिपोर्ट में कई दावों का जिक्र नहीं

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने भोजशाला फैसले पर कहा था कि फैसले का अध्ययन किया जाएगा और देश के नियमों व प्रचलनों के अनुसार आगे कदम उठने चाहिए। जामिया मस्जिद, बनारस और अन्य तीन मामले पहले से सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। भोजशाला एएसआई प्रोटेक्टेड साइट है, इसलिए वहां पूजा-अनुष्ठान की अनुमति का अंतिम निर्णय सुप्रीम कोर्ट ही करेगा। दिग्विजय सिंह ने कहा कि एएसआई की रिपोर्ट में कई दावों का जिक्र नहीं है, इसलिए पूरे ▸▸ शेष पेज 6 पर

भोजशाला में गूंजे हनुमान चालीसा के स्वर

एएसआई का नया आदेश-अब बिना रोक-टोक के होगी 365 दिन पूजा

हाईकोर्ट के आदेश के बाद पहली बार पूजा

धार। मप्र हाईकोर्ट की इंदौर बेंच द्वारा धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर घोषित करने के बाद शनिवार को पहली बार वहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। सुबह भोज उत्सव समिति के पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या ▸▸ शेष पेज 6 पर

नौगांव में पारा 44.2 डिग्री, एक दर्जन जिलों में आंधी- बारिश, आज कुछ जिलों में चलेगी लू

26 से 30 मई के बीच केरल में होगा सक्रिय

15 जून के बाद कभी भी प्रदेश में मानसून की एंट्री, भोपाल में 20 से 22 जून तक आगमन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में भीषण गर्मी और लू के बीच राहत की खबर है। इस साल दक्षिण पश्चिम मानसून अपने निर्धारित समय से करीब 6 दिन पहले सक्रिय हो रहा है। 26 से 30 मई के बीच मानसून केरल में सक्रिय होगा। इसके करीब 15 दिन बाद प्रदेश में एंट्री होने की उम्मीद है।

आमतौर पर एक से दो जून के आसपास केरल में मानूसन सक्रिय होता है। इससे पूरी संभावना है कि 15 से 18 जून के बीच प्रदेश में मानसून की आमद होगी। वहीं, भोपाल में यह 20 से 22 जून के आसपास ▸▸ शेष पेज 6 पर

खंडवा व नौगांव 44 डिग्री पर

राजधानी स्थित भारत भवन, शाम 7:00 बजे का दृश्य

शनिवार को प्रदेश में सबसे गर्म रहे नौगांव में पारा 44.2 डिग्री रहा। खंडवा में 44.1 डिग्री दर्ज हुआ। भोपाल में दशमलव 4 डिग्री गिरकर 42.4 डिग्री रहा। यहां रात का पारा 2 डिग्री की कमी के साथ 27.8 डिग्री रहा है। अधिकांश जिलों में दिन का तापमान 42 से 43 डिग्री के बीच ▸▸ शेष पेज 6 पर

सुबह से शाम तक पड़ी बौछारें

शनिवार सुबह से शाम के बीच कुछ जिलों में आंधी- बारिश का दौर रहा। इनमें प्रमुख रूप से उमरिया, डिंडोरी, मंडला, सिवनी, रीवा, मऊगंज, सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना, सतना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, जबलपुर, कटनी और मैहर में कुछ जगह आंधी और कुछ जगह आंधी के साथ बारिश दर्ज की गई। ▸▸ शेष पेज 6 पर

खटलापुरा घाट पर वट सावित्री पूजन करतीं महिला श्रद्धालु।

वट सावित्री पर्व के उपलक्ष्य में महिला श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सदा सुहागन रहने का मांगा वरदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में विशेष संयोग में शनिवार को वट सावित्री का पर्व धूमधाम से मनाया गया। राजधानी के अलग अलग इलाको सहित शिवाजी नगर में बरगद के पेड़ पर सुहागिनों की भीड़ रही। महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर विधि-विधान से पूजन वंदन किया। पूजन कर महिलाओं ने पति की दीर्घायु के साथ ही परिवार में सुख-समृद्धि की कामना की। अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए सुबह से बरगद के पेड़ पर महिलाएं उमड़ी। पूजा के लिए शहर के सभी बरगद पेड़ों के समीप विशेष साफ-सफाई व सजावट की गई थी। ताकि किसी भी महिलाओं को परेशानी नहीं हो। पांच नगर स्थित विश्वनाथ मंदिर और गुफा मंदिर आदि धार्मिक स्थलों पर महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा कर पति के दीर्घायु की कामना की। महिलाओं ने व्रत रख भगवान विष्णु की विधिविधान से पूजा-अर्चना की और उनसे सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद मांगा।

घरों में बने स्वादिष्ट पकवान

महिलाएं सुबह से ही सज संवर कर घर में पकवान बनाने के बाद वट वृक्ष के नीचे पहुंची पूजा-अर्चना शुरू की। अक्षत रोली से तिलक करने के बाद महिलाओं ने पंचामृत से भगवान विष्णु का पूजन वंदन किया। वट वृक्ष में धागा लपेटते हुए महिलाओं ने अखंड सौभाग्य की कामना कर व्रत रखा। पूजन-अर्चन कर महिलाओं ने पति की दीघार्यु के साथ ही परिवार में सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा अर्चना के बाद महिलाओं ने विद्वानों से वट सावित्री की कथा सुनी। सुबह से ही वट वृक्ष के नीचे महिलाओं की भीड़ लगने लगी थी। महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर विधि-विधान से पूजन वंदन किया।

खबर संक्षेप

आधारभूत विषय सर्वांगीण विकास का आधार

भोपाल। विद्याभारती मध्य भारत प्रांत द्वारा प्रांतीय आचार्य सामान्य प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जा रहा है। वर्ग के सातवें दिन संवाद सत्र को विद्याभारती मध्य भारत प्रांत के संगठन मंत्री निखिलेश महेश्वरी ने संबोधित किया। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों से कहा कि विद्याभारती अपने लक्ष्य के अनुरूप विघार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करती है। विघार्थियों के शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास की बात कही गई है। जो हमारे पांच आधारभूत विषय शारीरिक शिक्षा, योग शिक्षा, संगीत शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा के माध्यम से संभव है। शारीरिक शिक्षा से बालक का शरीर स्वस्थ रहता है, इसके लिए विद्यालय विभिन्न गतिविधियां चलाई जाती है। शारीरिक शिक्षा से अन्नमय कोष का विकास होता है। संवाद सत्र में मुरलीधर धर्मवानी, उपाध्यक्ष ग्राम भारती पुरुषोत्तम जोशी क्षेत्रीय संयोजक (मध्य क्षेत्र) सेवा क्षेत्र की शिक्षा अंकित शुक्ला वर्ग संयोजक उपस्थित रहे। संगठन मंत्री निखिलेश महेश्वरी ने कहा व्यक्तित्व विकास की उच्चस्तरीय साधना का आधार योग है। योग की शक्ति से एकाग्रता आती है, योग शिक्षा से प्राणमय कोष का विकास होता है। संगीत शिक्षा से व्यक्तित्व विकास सम्भव है। संगीत मन का विषय है, इससे मनोमय कोष का विकास होता हैं। भारतीय साहित्य संस्कृत भाषा में है। संस्कृत से बालक के विज्ञानमय कोष का विकास होता है। नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा की सप्तपदी यात्रा के माध्यम से जीवन यात्रा सफल होती है, सेवा इसका माध्यम है। उन्होंने कहा कि पांचों आधारभूत विषयों के माध्यम से हमें ऐसे सक्षम बालक का निर्माण करना है।

बीटेक 8वें सेमेस्टर के परीक्षा आवेदन जारी

भोपाल। राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के आईटी विभाग में सत्र 2025-26 के लिए सभी बांच के लिए परीक्षा आवेदन की तारीखें जारी की गई हैं। जारी अधिसूचना के अनुसार विवि यांत्रिकी शिक्षण संस्थान बीयूआईटी में संचालित बीटेक 8वें सेमेस्टर (ऑल ब्रांच) सत्र 2025-26 के छात्रों के परीक्षा आवेदन पत्र ऑनलाईन के माध्यम से भरे जा रहे हैं। सामान्य शुल्क के साथ आवेदन 12 से 17 मई 2026 के बीच जमा होंगे। वहीं, लेट फीस 300 रूपए के साथ 18/05/2026 से 20/05/2026 तक जमा किए जा सकेंगे। विशेष विलंब शुल्क रु. 1000/-के साथ 21/05/2026 से परीक्षा शुरू होने से 03 दिवस पहले तक जमा होंगे।

इमरती सहित विभिन्न पकवानों का लगा भोग, शहर के सभी शनि मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

साढ़े साती, ढैया की वक्र दृष्टि से बचने शनिदेव का तिल और तेल से अभिषेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शनि पीड़ा से राहत के लिए विशेष शुभ माने जाने वाले शनि जयंती व ज्येष्ठ अमावस्या का पर्व शनिवार को श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने शनिदेव की आराधना की। श्रद्धालुओं ने शनि पीड़ा साढ़े साती, ढैया शनि से राहत के लिए शनिदेव से प्रार्थना की, साथ ही सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई। तो वहीं ज्येष्ठ अमावस्या के साथ वट सावित्री पर्व राजधानी में धूमधाम से मनाया गया। इस त्रिवेणी पर श्रद्धालुओं की मंदिरों में भीड़ रही।

राजधानी के मर्घटिया मंदिर शाहजहांनाबाद, नेहरू नगर स्थित प्राचीन नवग्रह शनि मंदिर, टीटी नगर स्थित श्री शिरडी शनि शिंग्नापुर धाम,बरखेड़ी स्थित प्राचीन शनि मंदिर में सुबह से भगवान शनि का अभिषेक किया गया। कमला पार्क स्थित शनि मंदिर, माता मंदिर, 1100 क्वार्टर स्थित हनुमान मंदिर, आनंद नगर स्थित दादा जी धाम मंदिर, विजय मार्केट स्थित राधा कृष्ण मंदिर परिसर में स्थित भगवान शनि की विशेष पूजा-अर्चना की गई। शनि जयंती शहर के शनि मंदिरों में बड़े स्तर पर धार्मिक अनुष्ठान, हवन पूजन के साथ भंडारों का आयोजन किया गया। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लाइन लगने लगी थी। जहां पर श्रद्धालुओं ने पहुंचकर चारों प्रहर शनिदेव का तेल से अभिषेक किया गया। मंदिरों में भी शनिदेव को भोग लगाया गया।

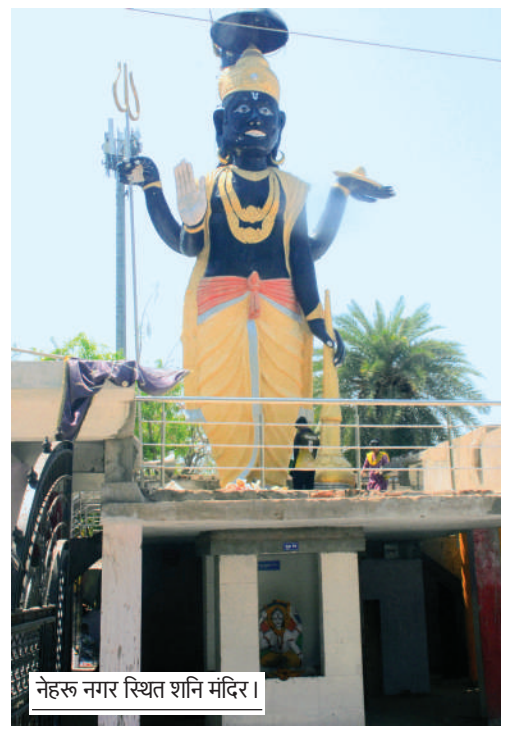
नेहरू नगर स्थित शनि मंदिर।

श्री शिरडी शनि शिंगणापुर धाम में बांटी अंगूठियां

न्यू मार्केट स्थित श्री शिरडी शनि शिंगणापुर धाम में श्रद्धालुओं को बड़ी संख्या में अभिमंत्रित अंगूठियां निःशुल्क बांटी गई। यहां सुबह 5 बजे से शिग्नापुर धाम में शनिदेव का अभिषेक शुरू किया गया। दूध, दही, घी, शहद, जल से अभिषेक किए जाने के बाद सवा क्विंटल तेल अर्पित किया गया।

नेहरू नगर में पूर्णाहूति हुई

शहर के नेहरू नगर नवग्रह मंदिर परिसर में 51 फीट के शनिदेव विराजमान है। यह शहर में शनिदेव की सबसे बड़ी प्रतिमा है। यहां इन दिनों शनि जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। शनि जयंती पर भी यहां विशेष आयोजन हुए। मंदिर के पं. गजेंद्र शास्त्री ने बताया कि ब्रह्म मुहूर्त से ही शनिदेव के अभिषेक, पूजा अर्चना का सिलसिला शुरू हो गया था, जो दोपहर तक चलता रहा। परिसर में विराजमान 51 फीट के शनिदेव की प्रतिमा का सवा क्विंटल तेल से तेलाभिषेक किया गया। इस पावन कार्यक्रम में वार्ड 27 की पार्षद वीनू सक्सेना मुख्य यजमान रहीं। उन्होंने सपरिवार एवं वार्डवासियों के साथ शनिदेव महाराज का दुग्ध, दही, शहद, गंगाजल एवं सरसों के तेल से भव्य जल अभिषेक किया। इसके बाद हवन-यज्ञ कर विश्व कल्याण, नगर की सुख-समृद्धि एवं समस्त भक्तजनों के कष्ट निवारण की कामना की।

पूजा-अर्चना कर विश्व शांति की प्रार्थना

शनि जयंती के अवसर पर मर्घटिया मंदिर शाहजहांनाबाद में सुबह बाल भोग लगाया गया। इस मौके पर विश्व शांति व देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई। तो वहीं सैकड़ों महात्माओं को छाता एवं चप्पल प्रदान किए गए।

शनिदेव को पूजा-अर्चना, श्रृंगार व आरती कर कचोरी का भोग लगाया

शनि जयंती के अवसर पर मर घटिया मंदिर शाहजहानाबाद स्थित शनि मंदिर में प्रातः काल शनि महाराज का पंचामृत एवं तेल से अभिषेक कर विशेष पूजन अर्चन तथा श्रृंगार किया गया। मंदिर में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को वाहन दुर्घटना नाशक यंत्र, शनि चालीसा बच्चों को छाता व चप्पल तथा हलवा, हींग की कचोरी और शरबत का प्रसाद वितरित किया गया।

कमला पार्क में भंडारा।

निगम का अतिक्रमण विरोधी अभियान

करोंद चौराहा क्षेत्र में सड़क पर पसरा अतिक्रमण हटाया

मेट्रो और टेनलेन प्रोजेक्ट के लिए रुकावट बने कब्जे हटाए, रहता था जाम

आए दिन हो रहे थे हादसे, अतिकमण हटने से लेफ्ट टर्न क्लीयर हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के सबसे व्यस्त और ट्रैफिक दबाव वाले करोंद चौराहे पर शुक्रवार को निगम प्रशासन का सख्त अतिक्रमण विरोधी अभियान चला। अतिक्रमण अमले ने कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे किए गए कब्जों को हटाया। कार्रवाई शुरू होते ही दुकानदारों और अतिक्रमण कारियों में हड़कंप मच गया। कई लोग आनन-फानन में अपना सामान हटाते नजर आए, जबकि अमले ने सख्ती दिखाते हुए सड़क और निर्माण क्षेत्र में फैले अस्थाई ढांचे हटाए। चौराहे के आसपास अस्थाई दुकानें, ठेले, गन्ने की चरखी, टीन शेड और अन्य अतिक्रमण के कारण सड़क की चौड़ाई लगातार कम हो रही थी। इसका सीधा असर यातायात व्यवस्था पर पड़ रहा था। दिनभर यहां जाम की स्थिति बनी रहती थी और पीक ऑवर्स में वाहन चालकों को लंबा इंतजार करना पड़ता था। कार्रवाई के दौरान अमले ने कई अस्थाई ढांचे हटाए और सड़क किनारे रखा सामान भी हटवाया। अधिकारियों ने हिदायत भी दी कि दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नरेला विधानसभा क्षेत्र के अतिक्रमण प्रभारी बलवीर मलिक ने बताया कि करोंद चौराहे पर शनिवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। यहां रोड के दोनों तरफ किए गए अतिक्रमण को सख्ती के साथ हटाया गया।

डेढ़ महीने में 70 करोड़ की सवा सौ एकड़ सरकारी जमीन से हटाया अतिक्रमण

राजधानी में राजस्व विभाग की जमीन से अतिक्रमण हटाने को लेकर कार्रवाई जारी है। जिसके तहत एक अप्रैल से 15 मई तक करीब 114 एकड़ सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया गया है। कब्जामुक्त कराई गई जमीन की कीमत 70 करोड़ 50 लाख रुपए आंकी जा रही है। 45 दिनों के दौरान हुजूर में 22.078, बैरसिया में 21.09, कोलार में 1.0001, एमपी नगर में 0.500, टीटी नगर में 0.478177, संत हिरदाराम नगर में 0.415, गोविंदपुरा में 0.330 और शहर वृत्त में 0.111 हेक्टेयर जमीन का अतिक्रमण हटाया गया है।

एम्स में चार दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

समय-समय पर बच्चों के वजन की निगरानी आवश्यकः डॉ. शिखा

एम्स में प्रशिक्षण कार्यक्रम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एम्स भोपाल के शिशु रोग विभाग द्वारा 11 से 14 मई 2026 तक 'गंभीर तीव्र कुपोषण का सुविधा-आधारित प्रबंधन' विषय पर चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पोषण पुनर्वास संसाधन एवं प्रशिक्षण के लिए क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र, शिशु रोग विभाग, एम्स भोपाल द्वारा किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से प्रतिभागियों ने सहभागिता की। डॉ. शिखा मलिक एवं डॉ. भावना ढींगरा ने कुपोषित बच्चों के प्रबंधन, पोषण पुनर्वास तथा चिकित्सीय देखभाल से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया। डॉ. शिखा मलिक ने कहा कि बच्चों के वजन की नियमित निगरानी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. इंद्रेश कुमार, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर द्वारा किया गया।

यात्री की जान बचाने वाले डॉक्टर की प्रशंसा

अटल बिहारी संस्थान आयुष एवं होम्योपैथी के प्रोत्साहन के लिए करेगा सकारात्मक कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के उपाध्यक्ष प्रोफेसर राजीव दीक्षित से आयुष एवं होम्योपैथिक चिकित्सा तथा अनुसंधान को प्रदेश में बढ़ावा देने के विषय पर सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा हुई। गौरतलब है कि प्रो. राजीव दीक्षित वर्तमान में मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख थिंक-टैंक अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

बैठक के दौरान प्रो. राजीव दीक्षित ने एथिकल कमिटी (सीसीआरएच) एवं साइंटिफिक एडवाइजरी कमिटी, नॉर्थ ईस्टर्न आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थान, शिलॉन्ग, मेघालय, आयुष मंत्रालय,

भारत सरकार के सदस्य सुप्रसिद्ध होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. एके द्विवेदी की उस मानवीय सेवा की सराहना की, जिसमें उन्होंने दुबई-मुंबई उड़ान के दौरान एक यात्री की अचानक बिगड़ी स्थिति में सीपीआर देकर उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस कार्य की संपूर्ण देश में व्यापक प्रशंसा हुई थी। इस अवसर पर शासकीय होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसके मिश्रा ने डॉ. एके द्विवेदी द्वारा चलाए जा रहे एनीमिया जागरुकता अभियान की जानकारी उपस्थितजनों को दी।

अंतिम दिन सबसे अधिक साथी रहे मौजूद, बने कुल 85 डैम

श्रमदान सप्ताह का समापन, अंतिम दिन बने रिकॉर्ड 30 चैक डैम, सराहनीय कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

श्रमदान सप्ताह के अंतिम दिन 16 मई को तीन दर्जन से अधिक साथी श्रमदान करने आए। नियमित श्रमदान के लिए आने वाले भोपाल के पूर्व अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक आजाद सिंह दबास, युवा फाउंडेशन के संस्थापक परीक्षित सिंह, ग्राम सेवा समिति के वरिष्ठ कार्यकर्ता हेमंत नागर, राम स्वरुप और राजकुमार एवं विदिशा से प्रोफेसर अरविंद द्विवेदी एवं रघुवीर धाकड़ आदि के अलावा वीएनएस कॉलेज के एनएसएस के 15 छात्र और नमन सेवा समिति बैतूल और विदिशा बेतवा बिरादरी के दो दल भी श्रमदान में शामिल हुए। अंतिम दिन रिकॉर्ड 30 चैक डैम बने। स्थानीय वन विभाग के डिप्टी रेंजर और वन रक्षक के साथ वन समितियों के सदस्यों ने भी श्रमदान में सहभागिता की। समापन अवसर पर श्रमदान के लिए मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से आए सभी समाजसेवियों का आभार व्यक्त करते हुए अभियान के संयोजक डॉ आरके पालीवाल, आईआरएस, पूर्व प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त मध्य

चैक डैम बनाता समूह।

प्रदेश ने बताया कि पिछले वर्ष 55 चैक डैम बने थे, इस वर्ष पुराने 55 चैक डैम की मरम्मत के साथ 85 नए चैक डैम का निर्माण हुआ और पहाड़ी के ऊपर स्थित पार्वती कुंड का पुनरुत्थान हुआ जो मलबे में विलुप्त हो गया था। उन्होंने राष्ट्रीय और स्थानीय मीडिया का भी विशेष आभार माना। अभियान के सह संयोजक डॉ सुरेश गर्ग ने कहा कि डॉ आरके पालीवाल मध्य भारत के गांधी हैं। वे जो रचनात्मक कार्य हाथ में लेते हैं उसे उनके सहयोगी दिन रात लगकर पूरा करके ही दम लेते हैं।

उर्जाधानी एक्सप्रेस देरी से पहुंची राजधानी, यात्रियों की कनेक्टिंग ट्रेन मालवा छूटी

रेलवे हेल्प लाइन नंबर पर पूछा ट्रेन लेट होने का कारण तो बताया गया 'जाम में फंसी है ट्रेन', दुरंतो 5 तो हमसफर 8 घंटे देरी से आई भोपाल

ट्रेनों का लेट होना अब आम बात, मुसाफिरों को रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अभी तक दो-पहिया,चार पहिया सहित सड़कों पर चलने वाले वाहनों की वजह से जाम फंसने की बात सामने आती थी। लेकिन अब ट्रेनें भी जाम में फंसने लगी है। यह बात हम नहीं कह रहे है। यह रेलवे के द्वारा कहा जा रहा है। दरअसल सिंगरौली-भोपाल ऊर्जाधानी एक्सप्रेस में ट्रेन में सफर करने यात्री ने ट्रेन लेट होने पर शिकायत की। इस पर रेलवे ने यहीं जवाब दिया। समर सीजन के बीच भोपाल स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों की लेटलतीफी अब यात्रियों के लिए सिरदर्द बन गई है। पिछले कई

दिनों से ट्रेनें घंटों की देरी से आ रही है। शनिवार को भी भोपाल से गुजरने वाली दर्जनों ट्रेनें अपने निर्धारित समय से देरी से चलीं। तो वहीं शुक्रवार-शनिवार दरम्यानी रात गाड़ी संख्या 22166 सिंगरौली-भोपाल ऊर्जाधानी एक्सप्रेस करीब ढ़ाई घंटे की देरी से पहुंची। यह ट्रेन जब सागर-बीना स्टेशन से गुजर रही थी। इस बीच इस ट्रेन के बी-4 कोच में सफर कर रहे यात्री सूरज कुमार ने रेलवे मदद पर शिकायत करते हुए। अपनी समस्या बताते हुए कहा कि ट्रेन लगातार लेट हो रही है, भोपाल स्टेशन से कनेक्टिंग ट्रेन मालवा एक्सप्रेस से इंदौर जाना था। इसके बाद रेलवे मदद से यात्री को जवाब देते हुए कहा कि ट्रेन 22166 यातायात जाम के कारण देरी का सामना कर रही है। हम इसके कारण होने वाली किसी भी असुविधा के लिए माफी मांगते हैं और आपको आश्वस्त करते हैं कि हम देरी को कम करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

सागर से विदिशा तक लेट होती रही यह ट्रेन

यह ट्रेन सागर से विदिशा तक लगातार लेट होती रही। हालांकि विदिशा के बाद ट्रेन की स्पीड बढ़ाने के साथ ट्रेन करीब दो घंटे 25 मिनट की देरी से 9:25 पर भोपाल पहुंची। इस दौरान यात्री की कनेक्टिंग ट्रेन मालवा एक्सप्रेस छूट गई। इससे यात्री को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्री ट्रेन के छूट की वजह से रेलवे से रिफंड की मांग की। लेकिन ट्रेन तीन घंटे से कम लेट हुई। जिसकी वजह से यात्री को रिफंड नहीं मिल सका। यह तो सिर्फ एक उदाहरण है। इन दिनों ट्रेनों की लेटलतीफी की वजह से रोजना कई यात्रियों को इस परेशानी से दो-चार होने पड़ रहा है।

ट्रेन लेट होने की वजह जांच का विषय

रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि ट्रेन किस वजह से क्यों लेट हुई। यह जांच का विषय है। ट्रेन तीन घंटे से अधिक लेट होती है। ऐसे में यात्री की कनेक्टिंग ट्रेन छूटने पर रिफंड दिया जाता है। अगर तीन घंटे से कम देरी पर ट्रेन छूट जाने पर यात्री स्टेशन मास्टर से मिलकर उसी टिकट पर उस रूट की दूसरी ट्रेनों में एंड्रॉस करा सफर कर सकता है।

- 09344 डॉ.अम्बेडकर नगर विशेष किराया स्पेशल 6:12 घंटे लेट आई
- 01026 दादर सेंट्रल विशेष किराया विशेष 2:37 घंटे लेट आई
- 22166 सिंगरौली-भोपाल ऊर्जाधानी एक्सप्रेस 2:25 घंटे लेट आई
- 11058 अमृतसर एक्सप्रेस 1:06 घंटे लेट आई
- 12191 श्रीधाम एक्सप्रेस 1:04 घंटे लेट आई
- 11078 झेलम एक्सप्रेस 0:58 मिनट लेट आई

20424 पातालकोट 0.51 मिनट लेट आई

इटारसी, आरकेएमपी, बीना पर ठहराव

पुणे-गोरखपुर-हड़पसर के मध्य प्रतिदिन समर स्पेशल ट्रेन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रेलवे द्वारा समर के दौरान विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर समर स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसी कड़ी में मध्य रेल से यात्रा मांग पर चल रही गाड़ी संख्या 01415/01416 पुणे-गोरखपुर-पुणे स्पेशल ट्रेन को विस्तारित करते हुए समर स्पेशल के अंतर्गत चलाने का निर्णय रेल लिया गया है।

यह ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, रानी कमलापति एवं बीना स्टेशनों से होकर गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 01415 पुणे से गोरखपुर समर स्पेशल ट्रेन 15 जुलाई तक प्रतिदिन पुणे स्टेशन से सुबह 6:50 बजे प्रस्थान कर इटारसी रात 21:10 बजे, रानी कमलापति 23:15 बजे, अगले दिन बीना मध्यरात्रि 1:25 बजे होते हुए सायं 16 बजे गोरखपुर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01416 गोरखपुर से हड़पसर (पुणे) ट्रेन 16 जुलाई तक प्रतिदिन गोरखपुर स्टेशन से शाम 17:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन बीना सुबह 8 बजे, रानी कमलापति 10:30 बजे, इटारसी दोपहर 12:10 बजे और तीसरे दिन 3:15 बजे हड़पसर (पुणे) स्टेशन पहुंचेगी।

4 फार्म हाउस के स्वीमिंग पूल में डूबा विधायक के बंगले का...

5 नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में कांग्रेस ने...

मांग के अनुरूप नहीं मिल रहा पंप संचालकों को डीजल-पेट्रोल

मांग और आपूर्ति का समन्वय गड़बड़ाया, पंप संचालकों ने कहा- तेल विपणन कंपनियों ने एक तरह से शुरू की राशनिंग

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

तेल विपणन कंपनियों की स्थापित रिफायनरियों में रिलायंस रिफायनरी देश की सबसे बड़ी रिफायनरी है जो वार्षिक रखरखाव लिए एक महीने से शटडाउन हो रही है। अतः आशंका जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में डीजल-पेट्रोल की आपूर्ति बाधित हो। पंप संचालकों के अनुसार हाल ही में डीजल-पेट्रोल के दाम में तीन-तीन रुपए की मूल्य वृद्धि थमी नही है। यह मूल्य वृद्धि अभी आगे जारी रहेंगी।

पंप संचालन से जुड़े लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन बचाओं की नसीहत के बाद विभिन्न तेल विपणन कंपनियों ने डिपो से होने वाले डीजल-पेट्रोल की सप्लाई में राशनिंग शुरू कर दी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की हालात खराब

एक हफ्ते तक ईंधन का इंतजार

भोपाल जिला सहित प्रदेशभर में पंप संचालकों को मांग के अनुरूप डीजल-पेट्रोल नहीं मिल रहा है। बताया जा रहा है कि शहरी क्षेत्रों को छोड़ दे तो सबसे ज्यादा हालात ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित पंपों के बिगड़े हुए है। स्थिति यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों के पंप संचालकों को ऑर्डर बुकिंग के पर डीजल-पेट्रोल की आपूर्ति की लिए दो-तीन दिन नहीं पूरे हफ्ते भर इंतजार करना पड़ा है। ऐसे स्थिति में पंप संचालक उपभोक्ता के मांग के अनुरूप उन्हें ईंधन उपलब्ध नहीं करा है जिसके चलते एक तरह से जहां तेल विपणन कंपनियों द्वारा डिपो पर पंप संचालकों द्वारा पेट्रोल पंप पर ईंधन की राशनिंग की जाने लगी है। पंप संचालकों के अनुसार मांग के अनुरूप डीजल न मिलने की समस्या मुख्य रूप से वैश्विक आपूर्ति में बाधा (जैसे होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना) और तेल कंपनियों द्वारा की गई आपूर्ति सीमा (कोटा) के कारण उत्पन्न हो रही है। इसके अलावा, भारी मांग और बढ़ती महंगाई के बीच कई डीलरों को पर्याप्त स्टॉक नहीं मिल पा रहा है।

रिलायंस रखरखाव के लिए अपनी रिफाइनरी इकाइयां बंद करेगी

रिलायंस इंडस्ट्रीज अपनी 660,000 बैरल प्रति दिन की रिफाइनरी की कई इकाइयों को निर्धारित रखरखाव के लिए तीन से चार सप्ताह तक बंद कर सकती है। सभी रिफाइनरियों का आवधिक वार्षिक रखरखाव किया जाता है, लेकिन सरकार यह सुनिश्चित करती है कि शटडाउन चरणबद्ध तरीके से हों। जानकारी के अनुसार शटडाउन नायरा एनर्जी द्वारा इस महीने के अंत में परिचालन फिर से शुरू करने के बाद शुरू होगा। नायरा की 400,000 बैरल प्रति दिन की क्षमता वाली वडीनार रिफाइनरी, जो अप्रैल 2026 की शुरुआत से बंद है, मई के मध्य तक फिर से चालू होने वाली है।

कई पेट्रोल टैंकों पर डीजल की भारी कमी

बताया जा रहा है कि तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल पंप संचालकों को उनकी मांग के अनुसार डीजल-पेट्रोल देना बंद कर दिया है, जिससे डीलर और ग्राहक दोनों परेशान हैं। राजधानी भोपाल सहित मध्यप्रदेश में इस समय डीजल संकट गहराया हुआ है। बीते कई दिनों से पेट्रोल टैंकों पर डीजल की भारी कमी देखी जा रही है। कई पेट्रोल पंपों की स्थिति तो यह है कि वहां डीजल पहुंच ही नहीं रहा है। जिसके कारण पेट्रोल पंप मालिक भी परेशानी का सामना कर रहे हैं। पंप मालिकों द्वारा ट्रैक्टर या अन्य कृषि उपकरणों के लिए एक बार में 20 लीटर से अधिक डीजल देने से इंकार किया जा रहा है।

खतरे की जद में शहर का कपड़ा मार्केट

ट्रांसफॉर्मरों पर लटकाए कपड़े-बैग, खुले तार और नाले के बीच चल रहा कारोबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पुराने शहर स्थित इब्राहिमपुरा कपड़ा मार्केट, चौक में बिजली व्यवस्था लोगों की जान के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है। बाजार में लगे ट्रांसफॉर्मरों और बिजली के खंभों पर दुकानदार खुलेआम कपड़े और बैग टांगकर बेच रहे हैं। वहीं चारों तरफ बिजली के तारों का जाल फैला हुआ है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। सबसे गंभीर बात यह है कि ट्रांसफार्मर के ठीक नीचे खुला नाला बह रहा है।

ऐसे में यदि शॉर्ट सर्किट या आग लगती है तो आग तेजी से फैल सकती है। बाजार में करीब 200 दुकानें हैं और एक दुकान में आग लगने पर पूरा मार्केट चपेट में आ सकता है।

इससे करोड़ों रुपए के नुकसान के साथ सैकड़ों लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है। मार्केट में ट्रांसफार्मरों के पास ही दुकानदारों और ग्राहकों के वाहन खड़े रहते हैं। खुले और नीचे लटकते बिजली तार लगातार हादसे का डर बढ़ा रहे हैं। सड़क किनारे जलभराव की स्थिति भी बनी रहती है। भीड़भाड़ वाले इस इलाके में फायर सेफ्टी का कोई इंतजाम तक नहीं हैं।

ट्रांसफार्मर से सटी 200 दुकानें शॉर्ट सर्किट से हादसे का खतरा

इब्राहिमपुरा कपड़ा मार्केट में ट्रांसफार्मर पर लटकाए गए बेग।

जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी: द्विवेदी

भोपाल के पुराने इलाकों (जैसे पुरानी हवेली, कबाड़खाना आदि) में ट्रांसफॉर्मर में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। शहर में बढ़ते तापमान और ओवरलोडिंग के कारण अक्सर ट्रांसफार्मर में आग लगने की समस्याएं हो जाती हैं। बिजली कंपनी के जनसंपर्क अधिकारी मनोज द्विवेदी ने कहा कि इसकी जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल की बाउंड्रीवॉल के पास लगे पांच ट्रांसफॉर्मर खतरा

मोती मस्जिद रोड और शासकीय जहांगीरिया स्कूल की बाउंड्रीवॉल के पास लगे पांच ट्रांसफॉर्मरों को लेकर भी लोगों में डर बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां पहले भी दो बार आग लग चुकी है। उस दौरान समय रहते स्कूल के बच्चों को बाहर निकाला गया था। इसके बावजूद अब तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। रोज हजारों लोगों की आवाजाही वाले इस बाजार में बिजली कंपनी और प्रशासन की लापरवाही साफ नजर आ रही है।

चौक में ट्रांसफॉर्मर के नीचे दुकान।

शहर में एक दिन में आग लगने की 17 घटनाएं

कोलार रोड पर एसयूवी धू-धू कर जली, लक्ष्मी टॉकीज के पास ठेलों में आग से टायरों में ब्लास्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर में शुक्रवार देर रात से शनिवार दोपहर तक अलग-अलग इलाकों में 17 जगह आगजनी की घटनाओं से दहशत फैल गई और स्थानीय लोगों की सूझबूझ से दोनों जगह बडे हादसे टल गए। रात करीब एक बजे पुराने शहर के लक्ष्मी टॉकीज इलाके में सराए में फल के ठेलों में आग लग गई, वहीं शुक्रवार को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे कोलार रोड स्थित गार्डन रेसिडेंस के पास सड़क किनारे खड़ी एक एसयूवी धू-धू कर जल उठी। दोनों घटनाओं में समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। नगर निगम के फायर अधिकारी सौरभ पटेल ने बताया कि शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात पुराने शहर के सराए में आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल रवाना की गई। इसी तरह कोलार में एसयूवी में शनिवार को दोपहर आग लगने की सूचना मिलने पर कोलार से दमकल पहुंची और आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

निगम के फायर कंट्रोल को दो दिन में आग लगने की मिलीं 31 सूचनाएं

स्थानीय लोगों की सूझबूझ से समय रहते आग पर पाया काबू, बड़ा हादसा टला

कोलार रोड स्थित गार्डन रेसिडेंस के पास सड़क किनारे जली हुई एसयूवी।

भीषण गर्मी के चलते शनिवार को आग लगने का आंकड़ा बढ़कर 17 पहुंच गया। सभी जगहों पर निगम की फायर दमकलें रवाना की गईं और आग पर काबू पाया।

सराए में फल के ठेलों में आग लगी

लक्ष्मी टॉकीज इलाके में सराए में फल के ठेलों में आग लग गई। कबाड़खाना स्थित मिनार तोल कांटे के पास ट्रांसफार्मर में आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। पास में ही दर्जनों वाहन खड़े थे। जबकि नजदीक में एक गोडाउन में रद्दी-पेपर भरा हुआ था। गनीमत रही कि तुरंत ही इलाके की बिजली सप्लाई बंद कर आग पर काबू पा लिया गया। इसी तरह खानूगांव विश्राम घाट के पास झाड़ियों में आग, खजूरी कलां लक्ष्मीपति कॉलेज के पास कैम्पस के जंगल, नई एक्सटेंशन पूरी के पास खंभे में आग, पुरानी जेल के पास झाड़ियों में, गोविंदपुरा विकास नगर स्थित एक घर में अचानक लगी आग, थाना खजूरी अंतर्गत कजलास गांव के एक खेत में, करोंद गल्ला मंडी के पास कचरा के ढेर में, खजूरी थाना के ही गांव लाखापुर में, एकतापुरी सेमरा की झाड़ियों में, जहांगीराबाद बोरबन स्कूल के पास बिजली डीपी में, कमलापति रेलवे स्टेशन स्थित आरपीएफ थाना के पास कचरे के ढेर और पेड़ में, 5 नंबर स्टॉप के पास, बावड़िया कलां इंडस गार्डन में लगे वायर पैनल में, करोंद मंडी कचरे के ढेर में, बड़वाई पोद्दार स्कूल के पास पेड़ में आग लगने की सूचना मिली।

ठेलों और टायरों में आग लगने से हड़कंप मच गया

वार्ड 82 के लोग दो दिन से परेशान

कोलार में केरवा लाइन में फॉल्ट कई इलाकों में नहीं आए नल

पाइपलाइन को दुरुस्त करता अमला।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कोलार क्षेत्र में केरवा डैम की पाइप लाइन में फॉल्ट आने से कई इलाकों में जल संकट गहरा गया। जोन-18 के अंतर्गत वार्ड-82 के दानिश नगर, राजहर्ष कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों में पिछले दो दिन से पानी की सप्लाई प्रभावित रही, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जल सप्लाई बंद होने के कारण कई रहवासी वैकल्पिक व्यवस्था करने को मजबूर नजर आए।

कुछ लोग कोलार की मुख्य पाइप लाइन पर लगे वॉल्व से पानी भरते दिखाई दिए। केरवा लाइन में तकनीकी खराबी आने से जल आपूर्ति बाधित हुई। शनिवार को नगर निगम के जल कार्य विभाग का अमला पूरे दिन मौके पर मरम्मत कार्य में जुटा रहा। पाइप लाइन की खुदाई कर फॉल्ट तलाशने और उसे दुरुस्त करने का काम देर शाम तक चलता रहा। अधिकारियों का कहना है कि कुछ प्रभावित इलाकों को छोड़कर बाकी क्षेत्रों में जल प्रदाय सामान्य रहा। देर रात तक फॉल्ट सुधारने का काम पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद प्रभावित क्षेत्रों में पानी की सप्लाई फिर से शुरू कर दी जाएगी।

दानिश, राजहर्ष सहित कई क्षेत्रों में लोग पानी के लिए हुए परेशान

रहवासियों का आरोप: बिना सहमति के बैंक खातों में आया मुआवजा

मेट्रो: जमीन की नपती पर विवाद पहले छह फिर 9, अब 15 मीटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सुभाष नगर से करोंद रूट के लिए चल रहा मेट्रो का काम तेज कर दिया गया है, जिसके तहत जिंसी से बरखेड़ी तक करीब चालीस से अधिक दुकान और मकान हटाए जाने हैं। जिसको लेकर अधिग्रहण और समझौता नीति के तहत जमीनें ली जा रही हैं।

एसडीएम ने आशंकाओं को किया दूर

पिछले दिनों यहां के चालीस से अधिक लोगों के बैंक खातों में मुआवजा की राशि पहुंची। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि बिना सहमति के राशि ट्रांसफर की गई है। पहले 6, बाद में 9 और अब 9 मीटर के हिसाब से नपती की गई है। जिसके बाद शहर एसडीएम दीपक पांडे ने आशंकाओं को दूर किया। जिंसी चौराहा स्थित संत रविदास मंदिर के कोषाध्यक्ष माधव सिंह अहिरवार ने बताया कि मंदिर की करीब ढाई हजार स्क्वायर फीट जमीन अधिग्रहण में आ रही है।

पुराने शहर में पहला एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन हो रहा तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पुराने शहर में करोंद मंडी के सामने ओरेंज लाइन का पहला एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन तैयार किया जा रहा है। यहां बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य चल रहा है और भारी-भरकम मशीनों की मदद से स्टेशन का स्ट्रक्चर खड़ा किया जा रहा है। इस रूट पर अधिकांश पिलर तैयार हो चुके हैं, जबकि अब गार्डर लॉन्चिंग का काम भी शुरू हो गया है। ओरेंज लाइन का करोंद से मंडी तक तैयार होने वाला यह पहला ट्रेक होगा, जिसकी करोंद से मंडी तक सीधी कनेक्टिविटी होगी।

ओरेंज लाइन के पहले एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन का चल रहा निर्माण।

शादी से पहले साउथ की फिल्मों में किरदार निभा चुकी थी ट्विशा

आत्महत्या से पहले मां से हुई थी मोबाइल पर बात

चौथे दिन भी परिजन ने अंतिम संस्कार के लिए ट्विशा का शव नहीं लिया, आरोपी पति की तलाश, एसआईटी गठित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित बागमुगलिया एक्सटेंशन में रिटायर्ड जिला जज की बहू द्वारा आत्महत्या के मामले में एसआईटी गठित कर दी गई है। एसआईटी का नेतृत्व एसीपी मिसरोद रजनीश कश्यप कर रहे हैं, जबकि एसआईटी में कटारा हिल्स थाना प्रभारी सुनील दुबे, बागसेवनिया थाना प्रभारी संजय सोनी और महिला सहित छह लोगों को शामिल किया गया है। पुलिस की एक अलग टीम ट्विशा के फरार पति समर्थ शर्मा की तलाश में जुटी है। इधर परिजन ने चौथे दिन भी ट्विशा का शव नहीं लिया। परिजन का कहना है कि उन्हें पुलिस की कार्रवाई पर विश्वास नहीं है। मध्य प्रदेश के बाहर की पुलिस उक्त मामले में जांच करें।

मृतका ट्विशा

आत्महत्या से पहले परेशान थी ट्विशा

ट्विशा के परिजन ने पुलिस को बताया कि शादी से पहले साउथ की मूवियों में ट्विशा किरदार निभा चुकी थी। ससुराल जाने से पहले वह एक निजी कंपनी में नौकरी कर रही थी। उसका वर्क फ्राम होम चल रहा था। परिजनों ने बताया कि आत्महत्या से पहले वह परेशान थी। उसकी मां से मोबाइल पर बातचीत हुई थी। मां से बातचीत के बाद कॉल डिस्कनेक्ट हो गया।

सुसाइड से पहले पार्लर से लौटी थी ट्विशा

ट्विशा 12 मई की शाम पार्लर से तैयार होकर घर लौटी थी। उसने कुछ देर टीवी देखी फिर मां का कॉल आ गया। कॉल पर बातचीत करते हुए वह छत पर पहुंची। इसके बाद कॉल डिस्कनेक्ट हो गया। रात करीब साढ़े दस बजे के आसपास ट्विशा ने फांसी लगाई है। पीएम रिपोर्ट में फांसी लगाने की पुष्टि हुई है।

आरोपी पक्ष के वकील की दलील, गर्भधारण के बाद ट्विशा के व्यवहार में आया बदलाव

कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी पक्ष के वकील ने तर्क दिए कि ट्विशा गर्भवती थी। गर्भधारण करने के बाद से उसका व्यवहार ससुराल पक्ष के लिए बदल गया था। वकील ने यह भी तर्क दिया कि ससुराल पक्ष गर्भवती होने पर उसका इलाज करा रहे थे। पति उसे घटना के दिन ही ब्यूटी पार्लर लेकर पहुंचा था। वहां से तैयार होने के बाद ट्विशा घर पहुंची। उसने कुछ देर टीवी देखी फिर मां का कॉल आ गया। उल्लेखनीय है कि ट्विशा (34) की शादी छह महीने पहले 9 दिसंबर 2025 को उसकी शादी बागमुगलिया एक्सटेंशन, लहारपुर निवासी एडवोकेट सामर्थ शर्मा से हुई थी।

शराब पीकर गाली-गलौज कर रहे युवक को रोका तो सास-बहू पर कुल्हाड़ी से किया जानलेवा हमला

- कनपटी के पास कुल्हाड़ी लगने से बहू की हालत नाजुक, सास के माथे पर आई चोट, हमीदिया में चल रहा इलाज
- नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित गांव बागसी में हुई वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित गांव बागसी में शुक्रवार शाम शराब पीकर गदर कर रहे युवक को रोकना सास बहू को महंगा पड़ गया। इससे नाराज बदमाश ने झूमाझटकी की और घर से कुल्हाड़ी निकालकर ले आया। नशे और गुस्से में उसने कुल्हाड़ी से सास-बहू पर हमला बोल दिया। बहू को कनपटी के पास कुल्हाड़ी लगी है, जबकि सास के माथे पर कुल्हाड़ी की चोट है। दोनों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, वहां बहू की हालत नाजुक देखते हुए दोनों को हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

दोपहर से लगातार कर रहा था गाली-गलौज

पुलिस के अनुसार ग्राम रुनाहा से छह किलोमीटर अंदर गांव बागसी है। यहां भागवती बाई (50) और उसकी बहू राधाबाई (22) परिवार के साथ रहती हैं। उनके पड़ोस में रंगलाल अहिरवार रहता है। रंगलाल शराब पीने का आदी है और प्रतिदिन शराब पीकर आकर आता। शराब के नशे में वह गदर करता है। शुक्रवार दोपहर से ही रंगलाल ने शराब पी ली थी। वह गाली-गलौज कर रहा था। दोपहर से शाम हो गई, लेकिन उसकी गाली-गलौज बंद नहीं हुई। परेशान होकर भागवती बाई ने उसे समझाने का प्रयास किया। इस पर वह भागवती बाई से झूमाझटकी करने लगा। सास से झूमाझटकी होते देख बहू बीच बचाव करने पहुंची। इस पर आरोपी दौड़कर अपने घर पहुंच गया। वहां से कुल्हाड़ी ले आया। सास-बहू कुछ समझ पाती इससे पहले आरोपी ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कुल्हाड़ी की चोट राधाबाई को बांए तरफ कनपटी में लगी है। घांव गहरा होने के कारण उसकी हालात नाजुक बनी है, जबकि कुल्हाड़ी का हमला भागवती बाई के माथे के पास हुआ था। कुल्हाड़ी माथे से छूती हुई निकल गई और उन्हें भी चोट आई है। घटना के बाद आसपास के लोग राधाबाई और भागवती बाई को लेकर अस्पताल पहुंचे, वहां हालत गंभीर देखते हुए हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी दुर्जन सिंह बरकड़े ने बताया कि आरोपी रंगलाल अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दामाद ने बहन सास पर किया चाकू से जानलेवा हमला

पत्नी से विवाद के बाद बहन सास ने लगाई थी फटकार, कहा था कि आज तो दामाद को मारूंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित करारिया फार्म में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात दामाद ने विधवा बहन सास पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। घायल महिला का अस्पताल में इलजा चल रहा है। उसकी हालत नाजुक बनी है। घटना का कारण आरोपी का अपनी पत्नी से होने वाला विवाद बताया जा रहा है। घायल महिला ने अक्सर झगड़ा करने पर आरोपी दामाद को फटकार लगाई थी। इससे नाराज होकर आरोपी ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी फरार है।

पुलिस ने हत्या का प्रयास की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मूलरूप से जिला कटनी निवासी राजकुमारी नागवंशी पत्नी स्व. बच्चू नागवंशी (35) अपने दो बच्चों के साथ करारिया फार्म में किराए के मकान में रहती हैं। करीब नौ माह पूर्व वह मंडीदीप से रहने यहां आई हैं और प्राइवेट काम कर अपने परिवार का गुजारा करती हैं। उनके साथ उनकी छोटी बहन और उसका पति राजा उर्फ दशरथ नागवंशी भी अपने एक बच्चे के साथ रहता है। दशरथ अक्सर शराब के नशे में अपनी पत्नी से झगड़ा करता था। शुक्रवार रात भी उसका पत्नी से झगड़ा हुआ था। पत्नी से मारपीट करने के बाद वह बाहर चला गया। छोटी बहन ने यह बात अपनी बड़ी बहन राजकुमारी को बताई।

पेट में चाकू लगने से राजकुमारी की हालत गंभीर, चल रहा इलाज

राजकुमारी ने कहा कि आने दो उसको, मैं उसकी पिटाई लगाऊंगी। कुछ देर बाद दशरथ नागवंशी लौटा तो राजकुमारी ने उसे फटकार लगा दी। बताया जा रहा है कि इससे नाराज होकर दशरथ उर्फ राजा अपनी पत्नी व बेटे को लेकर घर से निकल गया। वह पत्नी-बच्चे को नादरा बस स्टैंड पर छोड़कर आया और करारिया फार्म पर आकर अपनी बहन सास राजकुमारी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। थाना प्रभारी शिल्पा कौरव का कहना है कि पेट में चाकू लगने से राजकुमारी की हालत गंभीर बनी हुई है। कई ठिकानों पर दबिश देने के बाद भी आरोपी राजा उर्फ दशरथ फिलहाल पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया है।

खबर संक्षेप

वार्ड 11 और 12 में खुलेआम हो रही अवैध शराब की बिक्री

औबेदुल्लागंज। वार्ड 11 और 12 में अवैध जहरीली कच्ची शराब की बिक्री जोरों पर की जा रही है, जिसके कारण रहवासी परेशान हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में तीन स्थानों पर अवैध शराब बनाई और बेची जा रही है। आबकारी विभाग के अनुसार विक्रम, लाखन और गोलू के खिलाफ पहले भी कई बार कार्रवाई की जा चुकी है और अवैध शराब जब्त की गई है। इसके बावजूद आरोप है कि ये लोग फिर से गुपचुप तरीके से जहरीली कच्ची शराब बनाकर क्षेत्र में सप्लाई कर रहे हैं। रहवासियों ने बताया कि रहटी रोड ओवरब्रिज के पास से गुजरना मुश्किल हो गया है। यहां से निकलने पर शराब निर्माण की तेज और बदबूदार गंध आती है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

पड़ोसी के कुत्ते ने 11 साल के बच्चे को काटा, मालिक पर दर्ज कराया मामला

भोपाल। कजलीखेड़ा गांव में शुक्रवार दोपहर पड़ोसी के कुत्ते ने 11 साल के बच्चे को हाथ में काट लिया। बच्चे के पिता ने कुत्ते के मालिक को इलाज कराने का कहा तो वह भड़क गया। उसने इलाज कराने से साफ इंकार कर दिया। लिहाजा बच्चे के पिता ने पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कुत्ते के मालिक पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार रामदीन वाल्मीकि कजलीखेड़ा गांव में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके पड़ोस में मनोज रहता है। मनोज ने घर में कुत्ता पाल रखा है। कुत्ता खूंखार है और आने-जाने वालों पर भौंकता और लपकता है। रामदीन वाल्मीकि ने बताया कि उनका 11 साल का बेटा शुक्रवार दोपहर घर के बाहर खेल रहा था, तभी मनोज का कुत्ता उस पर लपक गया और काट लिया।

भाजपा नेता संतोष यादव को मातृ शोक

भोपाल। भाजपा नेता संतोष यादव की माताजी गीता देवी का 16 मई को हृदयघात की वजह से उनके निज निवास गदाई पुरा में आकस्मिक निधन हो गया। उनकी अंत्येष्टि चार शहर का नाका मुक्ति धाम में संपन्न हुई। इस अवसर पर भाजपा नेता डॉ. नितेश शर्मा, डॉ. अरविंद राय, ओमप्रकाश शेखावत, दारा सिंह सेंगर, रवि भारद्वाज, राजू सेंगर, अखिलेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र सिकरवार एवं योगेंद्र तोमर, कमल सक्सेना सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शुभांक

कल्याण:	5027		
दिन:	368	78	279
रात:	247	39	360
तारा:			
दिन:	334	00	578
रात:	699	41	344

अपने साथियों के साथ पार्टी मनाने गया था कजलीखेड़ा स्थित केके फार्म हाउस

फार्म हाउस के स्वीमिंग पूल में डूबा विधायक के बंगले का कर्मचारी, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित केके फार्म हाउस पर शुक्रवार शाम स्वीमिंग पूल में डूबने से युवक की मौत हो गई।

कुनाल महावर (मृतक)

विधायक के बंगले पर पर काम करने वाला युवक अपने दोस्तों के साथ पार्टी करने गया था, तभी उसके साथ हादसा हो गया। पुलिस ने शनिवार को शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद जिम्मेदार फार्म हाउस के संचालक पर कार्रवाई हो सकती है।

पुलिस के अनुसार कुनाल महावर पिता बलवीर महावर (22) बरखेड़ी, जहांगीराबाद में रहता था और विधायक भगवानदास सबनानी के बंगले पर काम करता था। शुक्रवार दोपहर वह अनिकेत शाक्य सहित तीन दोस्तों के साथ पार्टी मनाने डी-मार्ट के पीछे केके फार्म हाउस गया था। शाम करीब चार बजे चारों दोस्त पूल में नहाने उतरे। उस समय पूल में 10-15 अन्य युवक भी मौजूद थे। कुछ देर नहाते-नहाते कुनाल अचानक लापता हो गया। दोस्तों को लगा कि वह बाहर निकलकर चला गया है। दोस्तों ने उसे कॉल भी किया, पर उसका कॉल रिसीव नहीं हुआ। यहां वहां करीब पंद्रह बीस मिनट तक दोस्त उसकी तलाश करते रहे। बाद में स्वीमिंग पूल लौट आए। इस दौरान कुनाल पानी में डूबा नजर आया। दोस्त उसे पानी से बाहर निकालकर पास के निजी अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया।

जिस पूल में यूवक डूबा था, वहां पहुंचकर जांच करती पुलिस।

कुनाल पर थी घर की जिम्मेदारी

केके स्वीमिंग पूल के अंदर जाने का रास्ता।

कुनाल महावर के पिता दुकान पर काम करते हैं। मां का मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ है, जबकि कुनाल का छोटा भाई मानसिक विक्षिप्त है। कुनाल कमाकर घर का गुजारा करता था। उसने अभी शादी भी नहीं की थी।

टीआई पहुंची फार्म हाउस किया निरीक्षण

शनिवार सुबह थाना प्रभारी पल्लवी पांडे स्टाफ के साथ सेमरी कला स्थित केके फार्म हाउस पहुंची थी तो पता चला कि फार्म हाउस को रिसोर्ट का रूप दिया है। वहां और भी लोग नहाने और पार्टी मनाने पहुंचे थे। पूल में करीब 10-15 युवक और भी नहा रहे थे। पूल में पानी की गहराई 10 से 15 फीट है। इतनी अधिक गहराई और बड़ी संख्या में नहाने वाले पूल में होने के बावजूद वहां सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं थे। साथ ही कोई ट्रेनर भी वहां नहीं था। घटना को लेकर स्वीमिंग पूल संचालक की लापरवाही सामने आ रही है। जांच के बाद संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जा सकता है।

भाजपा का दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान शुरू

सांसद शर्मा ने कार्यकर्ताओं को वैचारिक एवं संगठनात्मक विकास के दिए टिप्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर ने बताया कि भाजपा का दो दिवसीय पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 का शनिवार को शुभारंभ हुआ। इसके द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता भोपाल संसदीय क्षेत्र से संसाद आलोक शर्मा ने कार्यकर्ताओं के वैचारिक एवं संगठनात्मक विकास के लिए मार्गदर्शन दिए। इस दौरान विधायक सुरेंद्र पटवा ने बताया कि संगठन की विचारधारा, राष्ट्रहित, जनसेवा एवं कार्यकर्ताओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक मजबूती, नेतृत्व क्षमता एवं जनसंपर्क के प्रति जागरूक करते हुए समाज और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारियों को और अधिक सशक्त बनाना रहा।

औबेदुल्लागंज मंडल से मंडल अध्यक्ष डॉ भूपेन्द्र नागर, महामंत्री माधव यादव, शिवराज उईके, अनुसूचित जनजाति जिला अध्यक्ष सरदार सिंह बरकरे, नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे, प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट नमिता अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकरी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण महाअभियान में पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता, इनसेट में सांसद शर्मा व पटवा।

संगठन की विचारधारा पर आधारित प्रदर्शनी लगाई

भाजपा पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान में भाजपा के संस्थापक सदस्यों व शीर्ष नेतृत्व के जीवन और संगठन की विचारधारा पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में संगठन की विचारधारा, सेवा, सुशासन एवं राष्ट्र निर्माण के विभिन्न आयामों को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया गया। इस दौरान मध्य प्रदेश शासन के मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, विधायक सुरेंद्र पटवा, विधायक व प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष डॉ. प्रभु राम चौधरी, जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा आदि के साथ भाजपा के वरिष्ठ लोगों ने अवलोकन किया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन करते मंत्री पटेल, विधायक पटवा व अन्य।

उच्च शिक्षा विभाग ने सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को जारी किए निर्देश

प्रत्येक यूजी कोर्स में शहीदों की विधवाओं और संतानों के लिए एक सीट होगी रिजर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शहीदों की विधवाओं और संतानों के लिए अब सीट रिजर्व की गई हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी कॉलेजों और और विश्वविद्यालयों को निर्देश भी जारी कर दिए गए है। जिसके अनुसार, प्रत्येक यूजी कोर्स में शहीदों की विधवाओं और संतानों के लिए एक कॉलेज-विश्वविद्यालयों में सीट रिजर्व रहेगी। इस आरक्षण का लाभ केवल पात्र अभ्यर्थियों को सक्षम प्राधिकारी (गृह विभाग अथवा संबंधित विभाग) द्वारा जारी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर मिलेगा। पात्र अभ्यर्थियों को ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल पर पृथक श्रेणी के अंतर्गत आवेदन करना होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की घोषणा के परिपालन में जारी किए निर्देश

दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के परिपालन में उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में पुलिस, होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा में शहीद होने वाले कर्मियों की विधवाओं तथा आश्रित बच्चों के लिए एक अतिरिक्त सीट आरक्षित की है। आयुक्त उच्च शिक्षा द्वारा इस संबंध में सभी विवि और महाविद्यालयों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। विभागीय निर्देशानुसार प्रत्येक स्नातक पाठ्यक्रम में स्वीकृत सीटों के अतिरिक्त एक सुपरन्यूमेरेरी (अतिरिक्त) सीट निर्धारित की गई है, इससे नियमित सीटों की संख्या प्रभावित नहीं होगी। इस आरक्षण का लाभ केवल पात्र अभ्यर्थियों को सक्षम प्राधिकारी (गृह विभाग अथवा संबंधित विभाग) द्वारा जारी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर मिलेगा। पात्र अभ्यर्थियों को ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल पर पृथक श्रेणी के अंतर्गत आवेदन करना होगा।

औबेदुल्लागंज प्रीमियर लीग का फाइनल मॉर्निंग किंग ने जीता

विजयी ट्राफी के साथ मॉर्निंग किंग के खिलाड़ी और अतिथि।

औबेदुल्लागंज। औबेदुल्लागंज प्रीमियर लीग (ओपीएल) 2026 नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच में भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेन्द्र नागर ने एकांश 11 मॉर्निंग किंग एवं शिवा एसके 11 के खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर टॉस करवा कर मैच शुरू किया। युवाओं में खेल के प्रति उत्साह, अनुशासन एवं टीम भावना देखने लायक थी। फाइनल मैच में मार्निंग किंग विजेता एवं शिवा 11 उपविजेता को ट्राफी एवं नगद राशि से पुरस्कृत किया। इस अवसर पर भाजपा नेता जेपी शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेन्द्र नागर, पार्षद राजेश खटीक, पार्षद मनोज चौरसिया, पार्षद सुनील शेरिया, पार्षद गुड्डू साहू, अशोक जायसवाल, दुर्गेश यादव, पंकज जैन, पुरुषोत्तम शर्मा, जीतू नेमा, राकेश कहार आदि उपस्थित रहे।

दहेज हत्या के प्रकरण में दोषी पति को 7 वर्ष का कारावास

कोर्ट ने 2000 रुपए के अर्थदण्ड से दंडित भी किया

विधिक संवाददाता ▶▶ भोपाल

दहेज प्रताड़ना से तंग आकर विवाहिता द्वारा आत्महत्या करने के प्रकरण में विशेष न्यायाधीश के न्यायालय द्वारा मृतका के पति साबर उर्फ साबू को भादंस की धारा 304 बीए 498 ए तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा-4 के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 7 वर्ष के सश्रम कारावास तथा 2000 रूपए के अर्थदण्ड से दंडित किया गया है। प्रकरण में अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह द्वारा पैरवी की गई थी।

अभियोजन के अनुसार अफरोज खान का विवाह 1 अप्रैल 2017 को आरोपी साबर उर्फ साबू खान के साथ हुआ था। विवाह में मायके पक्ष द्वारा सामर्थ्य अनुसार दान-दहेज दिया गया था। विवाह के कुछ समय के बाद ही आरोपी पति द्वारा दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित किया जाने लगा था। आरोपी की लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर अफरोज ने 19 जुलाई 2020 को रात 10:10 बजे नई बस्ती गांधी नगर भोपाल स्थित अपनी ससुराल में जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया था। पड़ोसियों द्वारा अफरोज खान को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। 22 जुलाई 2020 को शाम 7:51 बजे अफरोज खान की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका के मायके पक्ष की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध भादंसं की धारा-304 बीए 498 ए तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा -4 के अंतर्गत केस दर्ज किया था।

प्रधानमंत्री मोदी के ईंधन बचाने के आह्वान पर बस शटल सेवा शुरू की

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय की एक और मिसाल, 102 कर्मचारियों की प्रतिमाह 860 लीटर पेट्रोल की हुई बचत

- शटल बस से महीने के 25 दिनों में कुल 160 लीटर डीजल ही खर्च हुआ
- अलग-अलग स्कूटर पर आने से 1020 लीटर पेट्रोल खर्च कर देते थे
- प्रतिदिन 102 कर्मचारियों को 4 फेरों में सेवा सदन अस्पताल लेकर आती और छोड़ने जाती है बस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ईंधन बचाने के आह्वान का पालन शुरू कर दिया है। सेवा सदन का नया अस्पताल भवन गांधीनगर के पास एयरपोर्ट रोड पर बनाया गया है, जबकि चिकित्सीय और लिपिकिय संवर्गों के अल्प वेतन भोगी अधिकांश कर्मचारी संतनगर के रहने वाले हैं। इन कर्मचारियों को प्रतिदिन नए अस्पताल आने और जाने के लिए दो पहिया वाहन से 15 किमी दूर कर सफर तय करना पड़ता है। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय प्रबंधन ने प्रधानमंत्री के ईंधन बचाने के आह्वान पर एक 22 सीटर ट्रेवलर मिनी बस शटल सेवा शुरू कर दी है। यह प्रतिदिन 102 कर्मचारियों को 4 फेरों में सेवा सदन अस्पताल लेकर आती है और डयूटी समाप्त होने पर संध्याकाल में संतनगर के बस स्टैण्ड पर छोड़ देती है।

बस से आने-जाने में धूल, धुंआ और धूप से भी बचे

यह बस प्रतिदिन 60 किमी चलती है और इसका औसत डीजल खर्च नौ किमी प्रतिलीटर का है। इस शटल बस सेवा पर महीने के 25 दिनों में कुल 160 लीटर डीजल खर्च होता है, जबकि कर्मचारियों के अलग-अलग स्कूटर पर आने से 102 कर्मचारी प्रतिमाह 1020 लीटर पेट्रोल खर्च कर देते हैं। इस प्रकार पूल शटल बस से आने जाने पर प्रतिमाह कुल 860 लीटर पेट्रोल की बचत होती है। पूल वाहन का उपयोग करने वाली एक महिला कर्मचारी मोहिनी वीधानी ने कहा कि शटल बस सेवा से न केवल उनकी पैट्रोल खर्च की बचत होती है, बल्कि कव्हर्ड गाड़ी में डयूटी पर आने-जाने से वे धूल, धुंआ और धूप से भी बच जाती हैं।

निर्धारित समय पर पहुंच रहे अस्पताल

मोहिनी ने बताया कि कर्मचारियों के समूह के साथ आने से शटल बस में गपशप भी हो जाती है और इस प्रकार उनकी दिनभर की थकावट खत्म हो जाती है। एक अन्य कर्मचारी हेमंत नंदवानी ने कहा कि शटल बस सेवा के माध्यम से सभी कर्मचारी निर्धारित समय पर अस्पताल पहुंच जाते हैं तथा ड्यूटी समाप्त होने के बाद ही घर के लिए प्रस्थान करते हैं। दो पहिया वाहन की तुलना में बस से यात्रा ज्यादा सुरक्षित रहती है तथा आंधी-तूफान और वर्षा से बचाती है।

रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर शुरू

दूसरों को स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करना खुद को निरोगी बनाना है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

आरोग्य केन्द्र द्वारा दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का शुभारंभ सिद्ध भाऊ की पावन उपस्थिति में शनिवार को हुआ। शिविर की गतिविधियों पर डा. गुलाब राय टेवानी ने बताया कि यह 171वां शिविर है। शिविर में अलग-अलग स्थानों से संत हिरदाराम नगर में पधारे साधकगणों ने सस्ती सुलभ व सरल प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति द्वारा अपनी दिनचर्या में परिवर्तन कर लाभ लिया। इसमें मध्यप्रदेश से 31, दिल्ली से 4, उत्तरप्रदेश से 11, राजस्थान से 6, छत्तीसगढ़ से 4, बिहार से 4, गुजरात से 8, महाराष्ट्र से 10, झारखंड से 2, पंजाब से 2, कुल 82 साधकगणों ने भाग लिया।

शिविर में विभिन्न प्रकार की बीमारियों का उपचार किया जाता हैं जैसे- हायपोथायरायडिज्म, कब्ज, डायबिटीज, ऑस्टियोआर्थराइट्रिस, हाइपरटेंषन, मोटापा, पॉजीटिव प्रमोशन इन हेल्थ, गैस्ट्राइटिस, इनसोमनिया, माइग्रेन, हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया, अस्थमा, लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका, फ्रोजन शोल्डर आदि। आरोग्य केन्द्र में शिविर में निम्नलिखित गतिविधिया कराई जाती है।

खबर संक्षेप

प्रशिक्षण अभियान में ई-रिक्शे से पहुंचीं महापौर

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण की अपील को आगे बढ़ाते हुए भोपाल की महापौर मालती राय ने शनिवार को अपना वाहन छोड़ ई-रिक्शा से सफर किया। वे अपने निवास से सीहोर रोड स्थित सन स्काई गार्डन में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 में शामिल होने ई-रिक्शा से पहुंचीं और लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया साथ ही पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत पब्लिक ट्रांसपोर्ट का अधिक से अधिक उपयोग करने का आव्हान भी किया। महापौर राय ने इस अवसर पर प्रदूषण मुक्त भोपाल और पर्यावरण-अनुकूल यातायात साधनों को बढ़ावा देने को सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणादायी अपील को आत्मसात करते हुए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का अधिक से अधिक उपयोग करें और अपने शहर, प्रदेश, देश को प्रदूषण मुक्त बनाने में सहयोग दें।

कार्यभारित कर्मियों के हितों पर ध्यान दे राज्य सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी कांग्रेस ने प्रदेश के दो लाख से अधिक कार्यभारित और स्थाई कर्मियों की सेवाएं नियमित कर उन्हें नियमित कर्मचारियों की भांति सुविधाएं देने की मांग राज्य शासन से की है। मप्र कर्मचारी आयोग के पूर्व सदस्य वीरेंद्र खोंगल, प्रांताध्यक्ष सुरेंद्र निगम, महासचिव आरके नामदेव, थान सिंह रघुवंशी ने मुख्यमंत्री को सयुक्त हस्ताक्षरीत प्रेषित ज्ञापन में अवगत कराया कि शासन द्वारा गठित अग्रवाल वेतन आयोग द्वारा इन कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों की भांति नियमित वेतनमान देने तथा सेवानिवृत्त पर तीन सौ दिवस के अवकाश के नगरीकरण की अनुशंसा की थी।

हजारों नामांतरण का ऑनलाइन रिकॉर्ड अटका

भोपाल। करोड़ों रुपए की प्रॉपर्टी खरीद चुके करीब तीन हजार से ज्यादा लोगों को अब ठगी की चिंता सताने लगी है। इनमें से अधिकतर ने जमीन की रजिस्ट्री करा ली है पर इनके नाम पर जमीन नामांतरण का (अमल) नहीं हो पा रहा है। इसलिए इनमें डर है कि कहीं ऐसा न हो कि जमीन का पुराना मालिक इसकी बिक्री किसी और को न कर दे। इनमें से कई नामांतरण ऐसे भी हैं, जिनका बंटान दर्ज नहीं किया गया है। जिससे इन जमीनों के मामले में फर्जीवाड़ा होने की संभावना बढ़ गई है। राजस्व विभाग ने जमीनों का रिकार्ड ऑनलाइन कर दिया है, जिसके तहत जमीन और प्लॉट की रजिस्ट्री होने के बाद तहसील दफ्तर में नामांतरण कराया जाता है। नामांतरण को ऑनलाइन भी अपडेट करना पड़ता है। जिसके तहत बंटान भी नक्शे में दर्ज किया जाता है।

डिजिटल तकनीक के माध्यम से नागरिकों को त्वरित, किफायती, भेदभाव रहित न्याय सुलभ कराने में मदद मिलेगी

अब कोर्ट के आदेश की सर्टिफाइड कॉपी पाने के लिए किसी भी व्यक्ति को मीलों का सफर नहीं करना पड़ेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह ने कहा कि फाउंटेन पेन से लिखा गया हमारा संविधान अब एआई के दौर में पहुंच चुका है। किसी कैदी की रिहाई का आदेश पहुंचने में देरी कोई तकनीकी गड़बड़ी नहीं है। लेकिन इस देरी से रिहा हुए व्यक्ति को एक और रात जेल में गुजारनी पड़ती है। एक मिसिंग फॉरेंसिक रिपोर्ट किसी फरियादी के लिए न्याय प्रक्रिया में देरी का कारण बन जाती है। अब कोर्ट के आदेश की सर्टिफाइड कॉपी पाने के लिए किसी को मीलों का सफर नहीं करना पड़ेगा।

जस्टिस कोटेश्वर सिंह जबलपुर में आयोजित फ्रेगमेंटेशन ऑफ फ्यूजनः एम्पावरिंग जस्टिस वाया-यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफार्म इंटीग्रेशन कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मप्र हाईकोर्ट की यह नवाचारी पहल अभियोजन पक्ष, पुलिस और नागरिकों के लिए न्याय प्रक्रिया के नए द्वार खोल रही है। डिजिटल तकनीक के उपयोग से देश की न्याय व्यवस्था में बड़ा बदलाव आ रहा है। नवाचारी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से हमारी न्यायपालिक नागरिक अधिकारों के प्रति अधिक जिम्मेदार होगी। हम सभी को मिलकर न्यायिक व्यवस्था की चुनौतियों को समाप्त करने की दिशा में प्रयास करने होंगे।

मप्र हाईकोर्ट का नया पोर्टल लोकार्पित

मुख्यमंत्री ने फ्रेगमेंटेशन ऑफ फ्यूजन: एम्पावरिंग जस्टिस वाया-यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफार्म इंटीग्रेशन कार्यक्रम का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री मेघवाल, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया न्यायमूर्ति सूर्यकान्त और अन्य अतिथियों ने जबलपुर के समारोह में एनुअल रिपोर्ट : 2025 का विमोचन किया।

हाईकोर्ट का डिजिटल प्लेटफॉर्म नागरिकों के जीवन को बनाएगा आसान

मप्र उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा ने कहा कि मप्र उच्च न्यायालय आज एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च कर रहा है। अब फरियादियों को न्यायालय के फैसलों की कॉपी के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत के मार्गदर्शन में तैयार हुआ हाईकोर्ट का यह डिजिटल प्लेटफॉर्म नागरिकों के जीवन को आसान बनाएगा। आज हम 'फ्रेगमेंटेशन ऑफ फ्यूजन/" के माध्यम से ऐसी प्रक्रिया की ओर बढ़ रहे हैं, जहां सूचनाओं का प्रवाह तेजी और पारदर्शिता के साथ होगा। मप्र लीगल अथॉरिटी ने सबके लिए न्याय प्रक्रिया को आसान बनाने का दायित्व उठाया है। अब आम लोगों के साथ पुलिस को भी ई-समन जारी करना आसान हुआ है, जमानत के आवेदनों का निपटारा करने में भी तेजी आई है। अब रियल टाइम में जानकारियां साझा की जा सकेंगी। हाईकोर्ट के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जमानत और केस से जुड़े फैसलों की ई-कॉपी उपलब्ध होगी।

सुशासन की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र सुशासन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने टेक्नोलॉजी को सुशासन के मूल मंत्र के साथ जोड़ा है। प्रदेश में सायबर तहसीलों की स्थापना हो चुकी है। पेपरलेस प्रक्रियाओं की ओर अग्रसर होते हुए कैबिनेट की कार्रवाई डिजिटल की जा चुकी है। प्रदेश में सीएम हेल्पलाइन नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रही है। डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से आम आदमी के जीवन को सरल बनाने की दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्यरत है। मप्र उच्च न्यायालय ने अपने नवाचारों के माध्यम से व्यवस्थाओं को आसान बनाया है। प्रदेश में मूक-बधिरों के लिए मोबाइल एप्लीकेशन से न्याय, फाइलों के त्वरित निराकरण, कोर्ट ऑडर्स का डिजिटल सर्टिफिकेशन करते हुए बेहतर प्रबंधन इन नवाचारों के उदाहरण है।

सरलीकरण की दिशा में नया अध्याय किया शुरू

सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस आलोक अराधे ने कहा कि आज मप्र हाईकोर्ट ने न्यायिक प्रक्रियाओं के सरलीकरण की दिशा में नया अध्याय शुरू किया है। न्याय प्रक्रिया में विलंब, संवैधानिक चिंता का विषय रहा है। न्यायपालिका- कोर्ट, पुलिस, प्रिजन, फॉरेंसिक और मेडिको लीगल सर्विसेस के साथ आने से यह चिंता समाप्त होगी। मप्र हाईकोर्ट के एडमिनिस्ट्रेटिव जज जस्टिस विवेक रूसिया ने समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सांसदआशीष दुबे, जबलपुर के महापौर जगत बहादुर अन्नू, महाधिवक्ताप्रशांत सिंह, न्यायाधीशगण, न्यायिक प्राधिकरण से जुड़े प्रशिक्षु, पुलिस अधिकारी और बड़ी संख्या में वकील उपस्थित थे।

डिजिटल परिवर्तन, पेपरलेस न्याय व्यवस्था भारतीय न्यायपालिका के भविष्य के लिए जरूरी: मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि डिजिटल परिवर्तन और पेपरलेस न्याय व्यवस्था भारतीय न्यायपालिका के भविष्य का सबसे महत्वपूर्ण और आवश्यक विषय है। उन्होंने कहा कि अदालतों की पहचान अब लाल कपड़ों में बंधी भारी-भरकम फाइलों से नहीं, बल्कि स्मार्ट तकनीक से होगी। कोविड-19 महामारी के दौर को एक ऐतिहासिक मोड़ बताते हुए उन्होंने कहा कि उस संकटकाल में वर्चुअल हियरिंग और ई-फाइलिंग से न्याय प्रणाली को नई दिशा मिली। उन्होंने यह बात जबलपुर में महाधिवक्ता कार्यालय की ओर से आयोजित "डिजिटल ट्रांसमिशनः एडवांसिंग पेपरलेस लीगल सिस्टम" विषय पर आयोजित विधिक व्याख्यान कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अब 'मिसलेनियस डेट्स' पर पूरी तरह वर्चुअल हियरिंग का निर्णय लिया है, जिससे वकीलों को घर बैठे दलीलें रखने की सुविधा मिलेगी। अपने 37 वर्ष की आयु में महाधिवक्ता बनने के दौर को याद करते हुए बताया कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. अरुण जेटली के सहयोग से उन्होंने देश का पहला पूर्णतः कंप्यूटरीकृत महाधिवक्ता कार्यालय तैयार कराया था। अब लाइव स्ट्रीमिंग और नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड ने न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते सीएम डॉ. मोहन यादव।

डिजिटल समावेशन और पर्यावरण संरक्षण पर जोर

न्यायमूर्त सूर्यकांत ने विशेष रूप से कहा कि सिक्किम की तरह मप्र भी पूर्णतः पेपरलेस बनने की दिशा में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ आगे बढ़ रहा है। इससे पर्यावरण संरक्षण को भारी संबल मिलेगा। देश के ग्रामीण व वरिष्ठजनों को ध्यान में रखते हुए तकनीक को 'बाधा' नहीं बल्कि 'पुल' बनना होगा। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट की एआई कमेटी, न्याय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने पर लगातार काम कर रही है।

जब अदालतें ऐसे युगांतरकारी फैसले देती हैं, तो लोकतंत्र सशक्त होता है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश स्वर्णिम युग की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने अयोध्या मामले में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय और शाहबानो प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि जब अदालतें ऐसे युगांतरकारी फैसले देती हैं, तो लोकतंत्र सशक्त होता है। आज का समय न्याय व्यवस्था, लोकतंत्र और भारतीय मूल्यों के पुनर्जागरण का काल है।

अदालतों में लैपटॉप प्रतिबंध हुआ करता था

मप्र हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा ने अपने पुराने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि वर्ष 2008-09 के दौर में अदालतों में लैपटॉप ले जाने पर प्रतिबंध हुआ करता था। आज तकनीक ने पूरी व्यवस्था बदल दी है। उन्होंने बताया कि महाधिवक्ता कार्यालय की सुविधा के लिए अब उन सभी मामलों की डिजिटल पहुंच उपलब्ध करा दी गई है, जिनमें सरकार पक्षकार है। अब नोटिसों का डिजिटल ट्रांसमिशन होने से जवाब तेजी से आ रहे हैं और प्रतिदिन स्टेटस रिपोर्ट अपलोड हो रही है।

'पेपरलेस व्यवस्था' आज की आवश्यकता

केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्रीअर्जुनराम मेघवाल ने आयोजन को न्यायपालिका, सरकार और तकनीक का एक शानदार संगम बताया। उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि पहले बजट सत्रों में भारी-भरकम दस्तावेज ले जाने पड़ते थे, लेकिन आज संसद पूरी तरह पेपरलेस हो चुकी है और बजट मोबाइल पर उपलब्ध है।

सीएम ने मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत से भेंट की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मप्र प्रवास पर आए सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने शनिवार को जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम में पधारे मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्त सूर्यकांत को पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया।

बिल का भुगतान बिजली कंपनी के अधिकृत कैश काउंटर पर ही करें

बिजली उपभोक्ता साइबर जालसाजों से रहें सावधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नगद भुगतान कंपनी के जोन, वितरण केन्द्र कार्यालय, पीओएस मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एमपी ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर पर ही करें।

उपभोक्ताओं को बिजली बिलों के केशलेस भुगतान के लिये कंपनी के पोर्टल (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम ऐप, व्हाट्सएप पे एवं उपाय मोबाइल ऐप के माध्यम से भी बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा है कि उपभोक्ता को असमय विद्युत विच्छेदन से बचने के लिए किसी निजी मोबाईल नंबर से कॉल कर भुगतान करने के लिये कोई एसएमएस, व्हाट्सएप जारी नहीं किया जाता है। कंपनी की ओर से एसएमएस केवल निर्धारित सेंडर आईडी से ही भेजे जाते हैं। उपभोक्ता किसी अन्य सेंडर आईडी अथवा निजी नंबर से आए भ्रामक मेसेज से सतर्क रहें। कंपनी अंतर्गत विद्युत देयकों के भुगतान के लिए उपभोक्ता पहचान नंबर यानी आईवीआरएस नंबर की जरूरत होती है। आईवीआरएस नंबर के आधार पर ही जोन, वितरण केन्द्रों या अन्य गेटवे एमपी ऑनलाइन, पेटीएम, फोन पे, गूगल पे. अमेजन पे, व्हाट्सएप पे आदि पर बिजली बिलों का भुगतान होता है।

उपभोक्ता किसी भी सूरत में कभी भी साथ साझा न करें अपना पिन नंबर

उपभोक्ता किसी भी अनजान मोबाइल नंबर से आए फोन या व्हाट्सएप मैसेज के आधार पर किसी भी मोबाइल नंबर पर देयकों की राशि अंतरित न करें। साथ ही अपना पिन नंबर भी किसी के साथ साझा न करें। कंपनी के संज्ञान में आया है कि सायबर जालसाजों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज अथवा आई.व्ही.आर. तकनीक से फोन कॉल पर नंबर दबाने के लिये कहा जाता है, जिसमें बिल भुगतान कराने के लिए भय बनाकर कि आपकी बिजली कुछ घंटों बाद काट दी जाएगी, इसके लिए बिल भुगतान करने के लिये विशेष नंबर दबाएं, मोबाइल नंबर विशेष अथवा अनजान लिंक, ऐप पर क्लिक कर या संपर्क कर बकाया राशि जमा कराएं।

महिला अभ्यर्थी की धूप में बिगड़ी तबीयत

शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने किया प्रदर्शन, दिया अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पदवृद्धि और जल्द जॉइनिंग की मांग को लेकर शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन जारी है। शिक्षक भर्ती परीक्षा-2025 के अभ्यर्थियों द्वारा शनिवार को लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) के सामने प्रदर्शन किया गया। भीषण गर्मी में प्रदर्शन कर रही एक महिला अभ्यर्थी की तबीयत बिगड़ गई।

मौके पर एंबुलेंस भी पहुंची, लेकिन युवती ने अस्पताल जाने से इनकार करते हुए आंदोलन जारी रखा। दरअसल, प्रदेशभर से बड़ी संख्या में वर्ग 2 और वर्ग 3 के अभ्यर्थी लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) पहुंचे थे। दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुए प्रदर्शन में अभ्यर्थी तेज धूप के बीच डीपीआई परिसर के बाहर धरने पर बैठ गए। पद वृद्धि और दूसरी काउंसलिंग की मांग को लेकर लगातार नारेबाजी होती रही। इसी दौरान गर्मी की वजह से एक महिला अभ्यर्थी की तबीयत बिगड़ गई। साथी अभ्यर्थियों ने मौके पर ही उन्हें पानी, एनर्जी ड्रिंक और दवाइयां दीं, जिसके बाद उनकी हालत सामान्य हुई। अभ्यर्थियों ने साफ कहा है कि यदि सरकार ने जल्द सकारात्मक फैसला नहीं लिया तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज किया जाएगा। पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच हुई बहस प्रदर्शन के दौरान मौके पर पुलिस बल भी तैनात था। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को पुलिस ने परिसर खाली करने की समझाइश दी।

जनसभा में समाजवादी नेता ने किया आह्वान

जहां अन्याय होगा, वहां हमें हर हाल में लड़ना होगाः रघु ठाकुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के संस्थापक और सुप्रसिद्ध समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर ने कहा है कि जहां अन्याय हो वहां हमें लड़ना पड़ेगा। सामने कौन है भूलना पड़ेगा। अन्याय चाहे देश में हो, समाज में, या फिर परिवार में, हमें उसके खिलाफ लड़ना चाहिए।

क्वारी नदी के बीहड़ों में प्रसिद्ध शिक्षाविद प्रोफ़ेसर रामसिंह तोमर ने जो वनखंडेश्वर विद्यापीठ की स्थापना की थी उसकी चिंता अगर समाज के लोग करें तो इस अंचल की तस्वीर बदलेगी। रघु ठाकुर अम्बाह तहसील में पुरावस कलां पंचायत के रामचरन का पुरा में लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी द्वारा

उद्बोधन देते ठाकुर।

आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। सभा का आयोजन लोसपा कार्यकर्ता चिम्मन सिंह, राजेन्द्र बघेल आदि ने किया था। इस अवसर पर ब्रजकिशोर सिंह, कंचन सिंह व रामविलास बघेल को सामाजिक क्षेत्र में योगदान के लिए रघु ठाकुर के हाथों विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस आयोजन में रघु ठाकुर के साथ लोसपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्यामसुंदर यादव व पदाधिकारी संजीव राणा भी मंच पर उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यकर्ता, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने प्रदर्शन में लिया हिस्सा

नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में कांग्रेस ने मशाल जुलूस निकालकर केंद्र के खिलाफ किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण एवं लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल शहर द्वारा आज एक विशाल मशाल जुलूस आयोजित किया गया। यह मशाल जुलूस टीन शेड से प्रारंभ होकर टॉप एन टाउन न्यू मार्केट से होते हुए जवाहर भवन रोशनपुरा चौराहा तक निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों ने भाग लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी, संगठन उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे, विधायक महेश परमार, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, सेवादल प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव, भोपाल लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव, भोपाल शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, भोपाल ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनोखी पटेल, प्रदेश महासचिव संजीव सक्सेना, अमित शर्मा, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष साबिस्ता जकी, महिला कांग्रेस की पूर्व जिला अध्यक्ष संतोष सिंह कंसाना सहित कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि नीट परीक्षा पेपर लीक ने देश के लाखों विद्यार्थियों के सपनों और भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। जब तक इस मामले की निष्पक्ष जांच नहीं होती, तब तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा।

प्रदर्शन करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी व कांग्रेस कार्यकर्ता।

देश में हर तरफ निराशा का माहौल

भाजपा सरकार की नीतियों और लापरवाही के कारण देश का युवा आज असुरक्षा और निराशा का सामना कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार शिक्षा व्यवस्था को बचाने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। और लगातार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश की आम जनता को अभूतपूर्व पीड़ा दी है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का रुपया लगातार कमजोर हुआ, युवाओं को रोजगार नहीं मिला और आम नागरिकों पर आर्थिक बोझ बढ़ता गया। श्री पटवारी ने कहा कि आज देश का युवा जवाब मांग रहा है।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में महिला कांग्रेस ने निकाला 'धक्का मार्च'

महिला कांग्रेस स्कूटी को धक्का लगाकर पहुंची पेट्रोल पंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में शनिवार को महिला कांग्रेस ने अनोखा 'धक्का मार्च' निकाला। महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी के नेतृत्व में कार्यकर्ता स्कूटी को धक्का देते हुए न्यू मार्केट स्थित नानके पेट्रोल पंप पहुंची। महिला कांग्रेस ने प्रर्दशन के दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से 'धक्का मार्च' निकालकर पेट्रोल भरवाया और ईंधन कीमतों में राहत की मांग की। महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रीना बोरासी ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की मार सिर्फ मुझ पर नहीं, पूरे देश की आम जनता पर है।

इसका सीधा असर घर के बजट पर पड़ता है। रसोई से लेकर सब्जी तक हर चीज महंगी हो जाती है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी संकट आता है, सरकार जनता से सहयोग मांगती है, लेकिन महंगाई कम करने की ठोस रणनीति नजर नहीं आती। रीना बोरासी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान भी कांग्रेस की सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती से संभाला था, लेकिन वर्तमान में मोदी सरकार केवल जुमलेबाजी कर रही है और महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। महिला कांग्रेस ने मांग की कि पेट्रोल-डीजल के दामों में तत्काल राहत दी जाए और बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण के लिए सरकार ठोस कदम उठाए।

विरोध-प्रदर्शन करतीं महिला कांग्रेस कार्यकर्ता।

चुनाव खत्म होते ही बढ़ गए दामः कंसाना

प्रदर्शन के दौरान पूर्व जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष संतोष कंसाना ने कहा कि पेट्रोल 100 रुपए के पार और डीजल की बढ़ती कीमतों ने मध्यमवर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी है। चुनाव खत्म होने ही सरकार ने पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ा दिए। सरकार सिर्फ चुनाव में ही जनता की हितैशी बनती है चुनाव खत्म होने के न सिलेंडर 400 रुपए हुआ न ही लाड़ली बहनों तीन हजार मिले।

पेज एक का शेष....

केकेआर ने 22 ...

सर्वोच्च स्कोर है। सलामी बल्लेबाज फिन एलन ने महज 35 गेंदों में 10 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 93 रनों की आतिशी पारी खेली, हालांकि वे अपने ही सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ने से चूक गए। इसके साथ ही केकेआर एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

न्यायपालिका को ...

का विकास कर न्याय प्रक्रिया को तेज और सरल बनाया है। अब उच्च न्यायालय के डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए समय पर बंदियों को मुक्त करने, अर्जेंट हियरिंग, कोर्ट ऑर्डर के डिजिटलीकरण जैसी अनेक सुविधाएं मिलेंगी। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मप्र उच्च न्यायालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था देश के सभी न्यायालयों में लागू की जाए। वे शनिवार को जबलपुर में आयोजित 'फ्रेगमेंटेशन ऑफ फ्यूजनः एम्पावरिंग जस्टिस वाया-यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफार्म इंटीग्रेशन' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मप्र उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, मुख्य सचिव अनुराग जैन, कानूनविद एवं न्यायविद मौजूद थे।

वार्ड स्तर पर स्थापित संकेत समाधान मध्यस्थता केंद्रों का शुभारंभः कार्यक्रम में हाईकोर्ट के डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की लॉन्चिंग की गई। मप्र हाईकोर्ट ने लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए अपना नया क्लास (कोर्टरूम लाइव ऑडियो-विजुअल स्ट्रीमिंग सिस्टम) लॉन्च किया। यह एक ओटीटी स्टाइल में तैयार किया गया डिजिटल सिस्टम है, जिससे थर्ड पार्टी सिस्टम पर निर्भरता खत्म होगी और लाइव स्ट्रीमिंग का पूरा कंट्रोल हाईकोर्ट अथॉरिटी के पास होगा। मप्र हाईकोर्ट का नया पोर्टल भी लॉन्च किया गया। यहां जज, वकील और फरियादियों के लिए कोर्ट के ऑर्डर, बेल एप्लिकेशन सहित अन्य जरूरी दस्तावेज आसानी से उपलब्ध होंगे। यह फ्यूचर रेडी ज्यूडिशियल सिस्टम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मप्र हाईकोर्ट ने डिजिटल डेटा मैनेजमेंट सिस्टम 'प्रथम' भी लॉन्च किया है।

ये आपदाओं का...

वैश्विक स्तर पर और अधिक करीब से काम कर सकते हैं और बड़े अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स हासिल करने के लिए मिलकर सहयोग कर सकते हैं। पीएम ने कहा कि जैसे भारत कमल के लिए प्रसिद्ध है, वैसे ही नीदरलैंड ट्यूलिप के लिए। दोनों ही हमें सिखाते हैं कि जड़ें चाहे पानी में हों या धरती में, सुंदरता और शक्ति दोनों ही प्राप्त होती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि द हेग अब भारत-नीदरलैंड दोस्ती का जीवंत प्रतीक बन चुका। उल्लेखनीय है कि नीदरलैंड मुख्यभूमि यूरोप में भारतीय मूल के लोगों की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। यहां लगभग दो लाख सूरीनामी-हिंदुस्तानी समुदाय के लोग रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान सूरीनामी-हिंदुस्तानी समुदाय के लिए ओसीआई पात्रता को चौथी पीढ़ी से बढ़ाकर छठी पीढ़ी तक किए जाने का भी उल्लेख किया।

क्या झालमुड़ी यहां भी पहुंच गई ? मोदी ने पूछा कि क्या झालमुड़ी नीदरलैंड भी पहुंच गई है? प्रधानमंत्री की बात सुन वहां पर मौजूद लोग हंस पड़े। उन्होंने कहा कि भारत में हर साल रिकॉर्ड तोड़ मतदान हो रहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि 64 करोड़ से अधिक लोगों ने अपने वोट डाले, यह यूरोपीय संघ की जनसंख्या से भी अधिक है। 16 मई का दिन एक और वजह से बहुत विशेष है। 2014 में आज के ही दिन दशकों बाद भारत में स्थिर और पूर्ण बहुमत वाली सरकार का बनना पक्का हुआ था। एक वो दिन था और एक आज का दिन है। कोटि-कोटि भारतवासियों का विश्वास मुझे न रुकने देता है और न थकने देता है। आप सब मेरे परिवार बन गए। मैंने 'मैं' से 'हम' का मार्ग चुना।

विकसित भारत यात्रा ...

देशों के बीच मित्रता के जीवंत सेतु के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने डच समाज में भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना की।

एसडीएम-नायब ...

पुलिस मुख्यालय भेजा गया है। शासन की ओर से इनके निलंबन के आदेश भी जारी हो गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्पष्ट कहना है कि इस हादसे के किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। संभागायुक्त के आदेश के मुताबिक एसडीएम संजीव सक्सेना और टप्पा चिडावद, तहसील टोंकखुर्द के नायब तहसीलदार रवि शर्मा द्वारा अपने कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही, उदासीनता और अनियमितता बरती गई। एसडीओ (पुलिस) दीपा मांडवे ने समय-समय पर शासन स्तर से जारी निर्देशों के आधार पर उक्त फैक्ट्री के संचालन का निरीक्षण नहीं किया।

एनटीए की एक्सपर्ट ....

मनीषा गुरुनाथ मंडारे को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। मनीषा को नीट-यूजी 2026 के बायोलॉजी पेपर लीक की कथित मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। मनीषा मंडारे पुणे के शिवाजीनगर में स्थित मॉडर्न कॉलेज ऑफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स में बॉटनी की लेक्चरर हैं। मनीषा पिछले छह वर्षों से एनटीए के लिए नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया में योगदान दे रही थीं। सीबीआई के मुताबिक, मनीषा को एनटीए ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा प्रक्रिया में बतौर एक्सपर्ट नियुक्त किया था और बॉटनी व जूलॉजी के प्रश्नपत्रों तक उनकी पूरी पहुंच थी। जांच में सामने आया है कि अप्रैल 2026 के दौरान मनीषा मंडारे ने पुणे की मनीषा वाघमारे के जरिए कुछ नीट अभ्यर्थियों को अपने पुणे स्थित घर पर जुटाया और एक स्पेशल कोचिंग क्लास चलाई। इस क्लास में उन्होंने छात्रों को बॉटनी और जूलॉजी के कई सवाल समझाए, उन्हें नोटबुक में लिखवाया और किताबों में मार्क करवाया। सीबीआई का दावा है कि इनमें से अधिकांश सवाल 3 मई 2026 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा के वास्तविक प्रश्नपत्र से मेल खाते थे। सीबीआई ने पिछले 24 घंटों में देशभर में 6 ठिकानों पर छापेमारी भी की है। अब तक इस मामले में दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहिल्यानगर से कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से 5 आरोपियों को अदालत में पेश कर 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

एएसआई की रिपोर्ट ...

फैसले की गहराई से जांच जरूरी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द के संकट के समय सिर्फ एक समुदाय को निशाना बनाना उचित नहीं। कानून और संविधान के दायरे में रहकर ही सभी निर्णय होना चाहिए। अंतिम निर्णय सर्वोच्च न्यायालय का होगा।

हाईकोर्ट के आदेश....

में श्रद्धालु भोजशाला परिसर पहुंचे और पूरे धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ आराधना की। इस दौरान परिसर हनुमान चालीसा के पाठ और जयकारों के स्वरों से गूंज उठा। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। एएसआई द्वारा एक नया प्रशासनिक आदेश जारी किया गया है। नई व्यवस्था के तहत एएसआई ने पहली बार इस ऐतिहासिक स्थल को प्रशासनिक तौर पर राजा भोज द्वारा स्थापित भोजशाला एवं संस्कृत पाठशाला के रूप में संबोधित किया है। इससे पहले इस परिसर के साथ प्रयुक्त होने वाले कमाल मौला मस्जिद संबंधी उल्लेख को स्वीकार नहीं किया गया था। एएसआई द्वारा जारी नए आदेश में हिंदू समाज को वर्ष के सभी 365 दिनों तक बिना किसी रोक-टोक के पूजा-अर्चना करने का अधिकार प्रदान किया गया है। इसके साथ ही, पूर्व में लागू शुक्रवार की नमाज संबंधी व्यवस्था को निरस्त किए जाने की बात भी सामने आई है।

केंद्रीय मंत्री बंदी....

प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया कि उनके बेटे ने कानून का सम्मान करते हुए वकीलों के माध्यम से पुलिस के सामने आत्मसमर्पण (सरेंडर) कर दिया है। दूसरी तरफ, साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने आत्मसमर्पण की बात को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि यह आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि गिरफ्तारी है। पुलिस के मुताबिक, भगीरथ को हैदराबाद के बाहरी इलाके से गिरफ्तार किया गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए पुलिस स्टेशन ले जाया गया है। इससे पहले, तेलंगाना हाईकोर्ट ने भगीरथ को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने उसके विदेश भागने की आशंका के चलते लुक-आउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया था और उसकी तलाश में दिल्ली तथा करीमनगर सहित कई जगहों पर छापेमारी की जा रही थी। केंद्रीय मंत्री ने बेटे की पेशी में देरी की वजह बताते हुए कहा कि भगीरथ वकीलों के सामने अपने पक्ष के सबूत पेश कर रहा था, जिसके कारण समय लगा। उन्होंने यह भी कहा कि कानून के सामने सभी समान हैं और उन्हें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है, हालांकि उन्होंने अपने परिवार को जानबूझकर निशाना बनाए जाने का आरोप भी लगाया।

यह है मामला....

बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पॉक्सो अधिनियम की सख्त धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

15 जून के ...

सक्रिय हो सकता है। मौसम केंद्र के अनुसार मानसून केरल में 26 मई से 4 दिन पहले अथवा बाद में सक्रिय हो सकता है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार भोपाल में मानसून ऑनसेट से पहले ही तेज बारिश, आंधी और बीच- बीच में ओले का दौर भी चलेगा।

खंडवा व नौगांव ...

रहने से कहीं भी लू का असर नहीं रहा, लेकिन भीषण गर्मी और लपट का अहसास रहा है।

सुबह से शाम....

रविवार को डिंडोरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा आदि जिलों में आंधी बारिश का दौर रहेगा। विदिशा, रायसेन, राजगढ़, हरदा, बुरहानपुर, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, आगर, गुना, अशोकनगर, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी में तेज गर्मी और कुछ जगह लू का असर रह सकता है।

जाहिर सूचना

फ्लैट नं0 जी-01, भूतल, आर.बी.एस. एक्स., ग्राम गेंहूखेड़ा, वार्ड नं. 81, तह0 कोलार, जिला भोपाल

मेरे पक्षकार हिन्दुजा हाऊसिंग फाईनेंस लि., शाखा जोन-2, एम.पी. नगर, भोपाल, की ओर से सर्वसाधारण को सूचित हो कि सुशील कुमार धुर्वे आ. श्री वी.पी. धुर्वे ने संपत्ति जो कि फ्लैट नं. जी-01, भूतल, स्थित आर.बी.एस. एक्स., प्लॉट नं. 09 पर निर्मित, आबादी खसरा नं. 143, ग्राम गेंहूखेड़ा, वार्ड नं. 81, तह० कोलार, जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है, को मेरे पक्षकार बैंक के पास बंधक रखकर ऋण प्राप्त करने हेतु अनुबंध किया है। उक्त संपत्ति की कुल नाप 600 वर्गफिट होकर चतुर्सीमायें पूरब सड़क, पश्चिम- विक्रेता की भूमि, उत्तर- प्लॉट नं. 08 व दक्षिण में प्लॉट नं. 01 है। उक्त संपत्ति जिस भूखण्ड पर निर्मित है, को विक्रेता परमिंदर पाल सिंह द्वारा पंजीकृत दान-पत्र के माध्यम से प्राप्त हुआ था जिसका इन्द्राज उप-पंजीयक, भोपाल में दि. 11/11/13 को ग्रंथ क्र. 495, दस्ता. क्र. 1600 (1) को निष्पादित किया गया था, को पंजीकृत है। तत्पश्चात् उक्त भूखण्ड पर आरबीएस एक्सटेंशन निमिर्त किया गया। संपत्ति से संबंधित सभी लिंक दस्तावेज, पावती इत्यादि मेरे पक्षकार बैंक के पास सुरक्षित रखे गए हैं। यदि उक्त सम्पति में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, सोसायटी इत्यादि का किसी भी प्रकार का ऋण, भार, दान, बंधक या कोई हित हो या उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अनुबंध हो तो, वह व्यक्ति, इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर लिखित में मय दस्तावेजी प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। यदि उक्त समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो मेरा पक्षकार उक्त संपत्ति को बंधक रखकर ऋण प्रदान कर देंगे तथा अवधि पश्चात् प्राप्त होने वाली कोई भी आपत्ति या विवाद न तो मेरे पक्षकार पर बंधनकारी होगा एवं न ही मान्य होगा।

अभिषेक पंसारी अधिवक्ता
कार्यालय - दुकान संख्या 02, जिला बार कैंटीन, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
मो. 9993186085

BHOPAL DEGREE COLLEGE OF LAW
Affiliated to Barkatullah University Bhopal & Approved by BCI New Delhi
Application are invited for following posts of the LLB,BALLB & LLM Departments for appointment under Code 28 of the University.

S.No.	Post	No. of Posts	Subject Specialization
1.	Principal (Law)	01	a) LL.M with 55% Marks b) Ph.D in Relevant Subject c) 15 years of Teaching Experience
2.	Asstt. Professor (Law)	04	LLM With 55% marks or 5 Years Teaching experience (UGC NET Qualified/Ph.D in relevant Subject preferred
3.	Asstt. Professor	07	LLM With 55% marks or 5 years Teaching experience in Sociology / Political Science/ Economic English, Hindi

Qualification:-as per UGC & BCI norms: Candidates may send their resume photograph and one set of complete documents on Email:bhopaldegreecollegeoflaw@gmail.com
Office Add:.393,Ashok Vihar,(Ashoka Garden),Bhopal.M.P.-462023

कार्यालय कलेक्टर (जिला योजना एवं सांख्यिकी) जिला अशोकनगर (म.प्र.)
dpoash@mp.gov.in Phone no. 07543-223150

क्रमांक / 569 / जनगणना/26-27 अशोकनगर दिनांक 14/05/2026

-// ई-निविदा आमंत्रण सूचना //-

कलेक्टर कार्यालय जिला अशोकनगर (म.प्र.) के द्वारा जिला जनगणना कार्यालय एवं जनगणना चार्ज अधिकारी कार्यालयों के लिए लैपटॉप, प्रिंटर, UPS, All in one PC क्रय किये जाने हेतु निम्नानुसार निविदा पोर्टल के माध्यम से जारी की गयी है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक / BID NUMBER	वस्तु श्रेणी/ ITEM CATEGORY	अंतिम तिथि / BID End Date/Time	अनुमानित बिड मूल्य / Estimated Bid Value
1	GEM/2026/B/7505805	High End Laptop Notebook (Q2)	दिनांक 04/06/2026 समय 17:00 बजे	1200000 (बारह लाख)
2	GEM/2026/B/7515417	All In One PC (V2) (Q2), Computer Printer (V2) (Q2), Line Interactive UPS with AVR (V2) (Q2)	दिनांक 04/06/2026 समय 17:00 बजे	350000 (तीन लाख पचास हजार)

उपरोक्त ई निविदा (Bid) से संबंधित सम्पूर्ण विवरण कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है एवं GeM Portal पर उपलब्ध है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधनों आदि का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट (https://gem.gov.in/) पर ही किया जायेंगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जायेगा।

अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी जिला अशोकनगर (म.प्र.)

जी - 12946/26 स्वच्छता ही सेवा

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330
R- 31/03/26 to 17/05/26 not 03,14/04/26, 01/05/26

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644 9977912473

CHANGE OF NAME

Prahlad Singh Unit-71 INF DOU, S/o Mr. Badriprasad (Father) and Kitab Shri (Mother) Permanent resident of Village & Post - Amaha, Tahsil - Lahar, District - Bhind MP 477447 That, I have changed my Wife name from Vandana to Vandana Pal and his date of birth 14/11/1989 due to my Wife name and his date of birth has been erroneously and wrongly mentioned in my Army service record, this is true and correct.
That both names Vandna Pal to Vandana pertain to one and the same person

CHANGE OF NAME

Prahlad Singh Unit- 71 INF DOU, S/o Mr. Badriprasad (Father) and Kitab Shri (Mother) Permanent resident of Village & Post - Amaha, Tahsil - Lahar, District - Bhind MP 477447 That, I have changed my Son name from Devesh Singh to Devesh and his date of birth 02/10/2020 due to my Son name and his date of birth has been erroneously and wrongly mentioned in my Army service record, this is true and correct. That both names Devesh to Devesh Singh pertain to one and the same person

हरिभूमि
रनिंग क्लासीफाइड उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आमसूचना आम/कोर्ट नोटिस

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी **भोपाल बाजार**
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो.9977912473

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईटः- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

आवश्यकता
भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन रू 700 तक गारंटीड कमाई बिना कमीशन और रू 2000 तक जॉइनिंग बोनस पाएं। कॉल करें - 8929449955
D-17/5/26

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

प्लाट उपलब्ध है
भोपाल की सबसे ज्यादा विकासशील लोकेशन
9755600569, 8200502943, 7748022609

अयोध्या बायपास
10 लेन रोड और 66 फीट मेन रोड महोली खेजड़ा की प्राईम लोकेशन में डायवर्शन, सर्वसुविधायुक्त,
पीपुल्स मॉल, पीपुल्स हास्पीटल, मीनाल मॉल और मेन मार्केट के नजदीक

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग
सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

राशिफल

मेष मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

शब्द पहेली - 6228

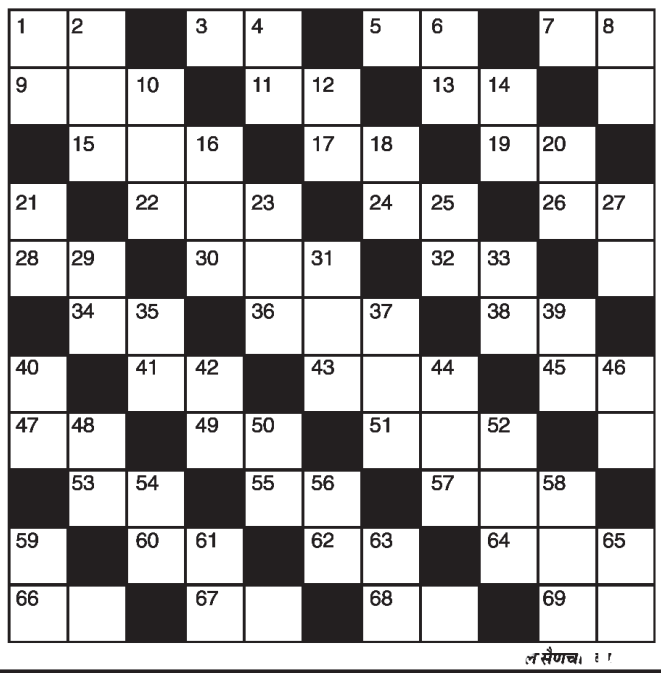

बाएँ से दाएँ
1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली- 6227 का हल

	ल	ज्ज	त	दा	र		क	र	त	ब
म	त		क		ज	टि	ल		वा	र
न		क	रा	मा	त		म	य		ग
भा	गी	दा	र		प	ल		म	द	द
व		चा		अ	ट	ल			रा	
न	ज	र	बं	द		का	न	भ	र	ना
	मी			र	न	र		इ		म
अ	न	ल		क	र		अ	क	ब	र
म		ता	क		क	त	र	ना		ख
रू	ह		ह	ल	वा		दा		आ	ना
द	म	दा	र		स	न	स	ना	ना	

सूडोकु नवताल- 6238

✱✱✱✱✲ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6237 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

बिना काम किए हर महीने आएगी नियमित इनकम

एसआईपी के अलावा और भी हैं निवेश के बेहतर तरीके

बिना बिजनेस किए भी बन सकती है पैसिव इनकम

कम जोखिम में स्थिर आय चाहते हैं तो ये विकल्प खास

एफडी, बॉन्ड्स व आरईआईटीएस से हर माह हो सकती है कमाई

बाजार जोखिम के बावजूद निवेशकों में बढ़ा डिविडेंड स्टॉक्स का क्रेज

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी कमाई का एक हिस्सा ऐसी जगह निवेश हो, जहां से भविष्य सुरक्षित होने के साथ-साथ नियमित मासिक आय भी मिलती रहे। बढ़ती महंगाई, नौकरी की अनिश्चितता और रिटायरमेंट की चिंता के बीच लोग अब केवल बचत नहीं, बल्कि स्मार्ट निवेश की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। आमतौर पर लोग एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान को निवेश का सबसे लोकप्रिय तरीका मानते हैं, लेकिन इसके अलावा भी कई ऐसे विकल्प मौजूद हैं जो हर महीने नियमित कमाई देने में मदद कर सकते हैं। सही योजना और जोखिम क्षमता को ध्यान में रखकर निवेश किया जाए तो हर महीने अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है। ऐसे में जानिए एसआईपी के अलावा कई ऐसे स्मार्ट विकल्पों के बारे में, जो लंबे समय में संपत्ति बढ़ाने के साथ नियमित इनकम का मजबूत जरिया बन सकते हैं।

म्यूचुअल फंड एसडब्ल्यूपी

एसडब्ल्यूपी यानी सिस्टेमैटिक विदड्रॉल प्लान उन निवेशकों के लिए बेहतरीन विकल्प माना जाता है, जो अपने निवेश से हर महीने निश्चित रकम निकालना चाहते हैं। इसमें निवेशक पहले किसी म्यूचुअल फंड में एकमुश्त राशि निवेश करता है और फिर हर महीने तय रकम निकाल सकता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि बाकी बचा पैसा फंड में निवेशित रहता है और उस पर रिटर्न मिलता रहता है। हालांकि, इसमें बाजार जोखिम जुड़ा होता है, इसलिए निवेश से पहले फंड का प्रदर्शन और जोखिम स्तर समझना जरूरी है।

पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम

जो लोग जोखिम से बचना चाहते हैं, उनके लिए पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम काफी भरोसेमंद विकल्प है। यह केंद्र सरकार समर्थित योजना है, इसलिए इसमें जमा राशि सुरक्षित मानी जाती है। इस योजना में निवेश करने पर हर महीने निश्चित ब्याज सीधे खाते में जमा होता है। ग्रामीण और छोटे शहरों में आज भी बड़ी संख्या में लोग इसे सुरक्षित आय का साधन मानते हैं। इसमें एक निश्चित अवधि के लिए निवेश किया जाता है और ब्याज दर सरकार समय-समय पर तय करती है। यह योजना उन लोगों के लिए अधिक फायदेमंद है जो स्थिर और गारंटीड आय चाहते हैं।

डिविडेंड स्टॉक्स

शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों के बीच डिविडेंड स्टॉक्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। डिविडेंड स्टॉक्स वे कंपनियां होती हैं जो अपने मुनाफे का एक हिस्सा नियमित रूप से शेयरधारकों को देती हैं। आमतौर पर मजबूत और स्थिर कंपनियां नियमित डिविडेंड देती हैं। ऐसे में निवेशकों को दोहरा फायदा मिलता है एक तरफ शेयर की कीमत बढ़ने की संभावना रहती है और दूसरी ओर नियमित डिविडेंड आय भी प्राप्त होती है। हालांकि, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहता है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अच्छा विकल्प साबित हो सकता है।

कॉर्पोरेट बॉन्ड्स

कॉर्पोरेट बॉन्ड्स उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प माने जाते हैं जो बैंक एफडी से अधिक रिटर्न चाहते हैं। इसमें निवेशक किसी निजी कंपनी को निश्चित समय के लिए पैसा उधार देता है और बदले में कंपनी तय ब्याज का भुगतान करती है। अच्छी रेटिंग वाली कंपनियों के बॉन्ड अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाते हैं और इनमें बैंक एफडी की तुलना में अधिक ब्याज मिल सकता है। कई कंपनियां मासिक, तिमाही या वार्षिक आधार पर ब्याज भुगतान करती हैं।

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम खासतौर पर बुजुर्गों के लिए तैयार की गई सुरक्षित निवेश योजना है। इसमें निवेश पर तिमाही आधार पर ब्याज मिलता है और ब्याज दर सामान्य बचत योजनाओं की तुलना में अधिक होती है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें सरकार की गारंटी रहती है, जिससे निवेश पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। साथ ही आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है।

रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स

आरईआईटीएस यानी रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो बिना प्रॉपर्टी खरीदे रियल एस्टेट से कमाई करना चाहते हैं। इसमें निवेशक बड़े मॉल, ऑफिस स्पेस, कमर्शियल बिल्डिंग और अन्य प्रॉपर्टी प्रोजेक्ट्स में अप्रत्यक्ष रूप से निवेश करते हैं। इन प्रॉपर्टी से मिलने वाला किराया निवेशकों के बीच बांटा जाता है। इसका फायदा यह है कि कम राशि में भी रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश संभव हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, आरईआईटीएस लंबी अवधि में स्थिर आय और पूंजी वृद्धि दोनों का अवसर प्रदान करते हैं।

मासिक ब्याज एफडी

मासिक ब्याज एफडी उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प है जो अपनी जमा पूंजी पर हर महीने निश्चित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक बैंक या एनबीएफसी में फिक्स्ड डिपॉजिट कराते हैं और 'मंथली पेआउट' विकल्प चुनते हैं। इससे हर महीने ब्याज सीधे खाते में आता रहता है, जिसे पेंशन की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। वर्तमान समय में कई बैंक और वित्तीय संस्थान आकर्षक ब्याज दरें दे रहे हैं। यह विकल्प कम जोखिम वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त माना जाता है। हालांकि, ब्याज दरें समय-समय पर बदलती रहती हैं, इसलिए निवेश से पहले विभिन्न बैंकों की दरों की तुलना करना जरूरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी निवेश विकल्प को चुनने से पहले अपनी आय, खर्च, जोखिम क्षमता और वित्तीय लक्ष्य को समझना जरूरी है।

एसआईपी की भीड़ में छुपा निवेश का सबसे 'स्मार्ट प्लान' एफएमपी

सुझाव
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में निवेश की बात हो और एसआईपी का नाम न आए, ऐसा कम ही होता है। हर दूसरा निवेशक एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा फंड बनाने की बात करता है। लेकिन निवेश की दुनिया केवल शेयर बाजार और इक्विटी फंड्स तक सीमित नहीं है। ऐसे निवेशकों के लिए भी कई विकल्प मौजूद हैं, जो कम जोखिम के साथ स्थिर और अनुमानित रिटर्न चाहते हैं। इन्हीं विकल्पों में एक नाम है एफएमपी यानी फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान?। यह उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है जो बैंक एफडी जैसी सुरक्षा चाहते हैं, लेकिन उससे थोड़ा ज्यादा रिटर्न और टैक्स में राहत भी पाना चाहते हैं। यही वजह है कि इसे "म्यूचुअल फंड वाली एफडी " भी कहा जाता है।

क्या होता है एफएमपी?

एफएमपी यानी फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान एक क्लोज-एंडेड डेट म्यूचुअल फंड होता है। "क्लोज-एंडेड" का मतलब यह है कि इसमें निवेश केवल एक तय समय तक ही किया जा सकता है। जब स्कीम लॉन्च होती है, तभी निवेशक इसमें पैसा लगाते हैं। उसके बाद स्कीम बंद हो जाती है और नए निवेश की अनुमति नहीं रहती।

इसकी सबसे खास बात यह है कि इसकी मैच्योरिटी पहले से तय होती है। यानी फंड हाउस पहले ही बता देता है कि यह योजना 1 साल, 3 साल या 5 साल की होगी। निवेशक को उसी अवधि तक पैसा निवेशित रखना पड़ता है।

कहां निवेश होता है पैसा?

एफएमपी एक डेट फंड है। इसका मतलब है कि इसमें निवेशकों का पैसा शेयर बाजार में नहीं लगाया जाता, बल्कि सरकारी बॉन्ड्स, कॉरपोरेट

बॉन्ड्स, डिबेंचर्स और अन्य फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश किया जाता है। इन साधनों से निश्चित ब्याज मिलता है, इसलिए इसमें जोखिम इक्विटी फंड्स के मुकाबले काफी कम माना जाता है। यही कारण है कि बाजार में भारी गिरावट आने पर भी एफएमपी निवेशकों पर ज्यादा असर नहीं पड़ता।

कैसे काम करता है एफएमपी

एफएमपी का काम करने का तरीका काफी सरल है। मान लीजिए किसी स्कीम की अवधि 3 साल है, तो फंड मैनेजर उन्हीं बॉन्ड्स में निवेश करेगा जिनकी मैच्योरिटी भी लगभग 3 साल बाद हो। इससे फायदा यह होता है कि ब्याज दरों में बीच-बीच में आने वाले उतार-चढ़ाव का असर सीमित हो जाता है। निवेशक को पहले से अंदाजा रहता है कि मैच्योरिटी पर लगभग कितना रिटर्न मिल सकता है।

एफडी से कैसे अलग

अक्सर लोग एफएमपी की तुलना बैंक एफडी से करते हैं। दोनों में ही पैसा एक तय अवधि के लिए निवेश होता है और रिटर्न भी अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। लेकिन एफएमपी की सबसे बड़ी ताकत टैक्स बचत मानी जाती है। बैंक एफडी पर मिलने वाले ब्याज पर निवेशक को अपनी टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स देना पड़ता है। वहीं एफएमपी में लंबी अवधि के निवेश पर इंडेक्सेशन का लाभ मिल सकता है, जिससे टैक्स देनदारी कम हो जाती है। इंडेक्सेशन महंगाई को एडजस्ट करके निवेश की लागत बढ़ा देता है, जिससे टैक्स योग्य लाभ कम दिखता है। इसका फायदा यह होता है कि निवेशक के हाथ में एफडी के मुकाबले ज्यादा नेट रिटर्न बच सकता है।

बाजार की उथल-पुथल में राहत

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में रिटर्न बाजार की चाल पर निर्भर करता है। बाजार तेजी में हो तो मुनाफा अच्छा मिलता है, लेकिन गिरावट आने पर नुकसान भी हो सकता है। इसके विपरीत, एफएमपी में निवेश बॉन्ड्स और फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रूमेंट्स में होता है। इसलिए शेयर बाजार में भारी गिरावट आने पर भी इसमें उतार-चढ़ाव सीमित रहता है।

एफएमपी के जोखिम भी समझना जरूरी

एफएमपी को अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जाता है, लेकिन इसमें भी कुछ जोखिम मौजूद रहते हैं। सबसे बड़ा जोखिम इसकी कम लिक्विडिटी है। अगर निवेशक को बीच में पैसों की जरूरत पड़ जाए, तो वह एफडी की तरह आसानी से पैसा नहीं निकाल सकता। इसलिए इसमें वही पैसा लगाना चाहिए जिसकी जरूरत मैच्योरिटी से पहले न हो। दूसरा जोखिम क्रेडिट रिस्क का होता है। अगर जिस कंपनी के बॉन्ड में निवेश किया गया है, वह कंपनी भुगतान करने में असफल हो जाए, तो नुकसान हो सकता है।

क्या चुनें?

अगर कोई निवेशक हर महीने छोटी रकम निवेश करना चाहता है और लंबे समय तक जोखिम लेने को तैयार है, तो एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकता है। लेकिन जिन लोगों के पास एकमुश्त राशि है जैसे बोनस, रिटायरमेंट फंड या बचत और वे उसे 1 से 3 साल के लिए सुरक्षित रखना चाहते हैं, उनके लिए एफएमपी बेहतर साबित हो सकता है।

समझदारी से लें फैसला

निवेश का सही विकल्प हमेशा व्यक्ति की जरूरत, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। एफएमपी उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प है जो स्थिरता, अनुमानित रिटर्न और टैक्स में राहत चाहते हैं।एसआईपी और इक्विटी फंड्स जहां लंबी अवधि में अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, वहीं एफएमपी पोर्टफोलियो में संतुलन और सुरक्षा देने का काम करता है। इसलिए निवेश करते समय केवल भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय जरूरतों के हिसाब से फैसला लेना ज्यादा जरूरी है।

अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने वाले विकल्पों में करें निवेश

पीएम मोदी की अपील के बाद बदल रही निवेश की सोच

बचत मंत्र
बिजनेस डेस्क

भारत में सोने को हमेशा सुरक्षित निवेश और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना गया है। शादी-ब्याह से लेकर बचत तक, हर घर में सोना एक अहम हिस्सा रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मंचों से यह अपील की है कि लोग भौतिक सोने की खरीद कम करें और ऐसे निवेश विकल्प अपनाएं जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर निवेशक सोने में पैसा फंसाने के बजाय भारतीय कंपनियों, सरकारी योजनाओं और उत्पादक क्षेत्रों में निवेश करते हैं, तो इससे न केवल उन्हें बेहतर रिटर्न मिल सकता है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। ऐसे में अगर निवेशक वैकल्पिक साधनों की ओर बढ़ते हैं, तो इससे विदेशी मुद्रा बचाने और घरेलू निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।

इक्विटी म्यूचुअल फंडः छोटी रकम से बड़ी भागीदारी

आज के समय में इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश का सबसे लोकप्रिय विकल्प बन चुके हैं। इसमें निवेशकों का पैसा भारतीय कंपनियों के शेयरों में लगाया जाता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक केवल 500 महीने की एसआईपी से भी शुरुआत कर सकते हैं। लंबे समय में इक्विटी फंड महंगाई को मात देने और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब लोग इक्विटी फंड में निवेश करते हैं, तो उनका पैसा सीधे भारतीय उद्योगों और कारोबार को मजबूत करने में लगता है।

एसजीबी : सोने जैसा भरोसा, बिना स्टोरेज की चिंता

जो लोग सोने में निवेश करना चाहते हैं, उनके लिए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड यानी एसजीबी बेहतर विकल्प माना जाता है। यह भारत सरकार द्वारा जारी किया जाता है और इसमें निवेशक को सोने की कीमत बढ़ने का फायदा भी मिलता है। सबसे खास बात यह है कि इसमें भौतिक सोना खरीदने जैसी चोरी, शुद्धता और स्टोरेज की चिंता नहीं रहती। इसके अलावा निवेशक को तय ब्याज भी मिलता है। व

रियल एस्टेटः लंबी अवधि का मजबूत विकल्प

रियल एस्टेट हमेशा से भारतीय निवेशकों की पसंद रहा है। खासतौर पर ऐसे क्षेत्रों में जहां सड़क, मेट्रो, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर या नई इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं विकसित हो रही हों, वहां जमीन और संपत्ति के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं। हालांकि रियल एस्टेट में निवेश के लिए बड़ी पूंजी की जरूरत होती है, लेकिन लंबी अवधि में यह अच्छा रिटर्न और संपत्ति निर्माण का माध्यम बन सकता है।

पीपीएफ और एनएससी : सुरक्षित निवेश का विकल्प

जो निवेशक जोखिम नहीं लेना चाहते, उनके लिए सरकार समर्थित बचत योजनाएं बेहतर विकल्प मानी जाती हैं।पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी) जैसी योजनाएं सुरक्षित और स्थिर रिटर्न देती हैं। पीपीएफ में लंबी अवधि का टैक्स-फ्री रिटर्न मिलता है, जबकि एनएससी निश्चित ब्याज के साथ सुरक्षित निवेश का विकल्प देता है।

कॉरपोरेट एफडी : बैंक एफडी से ज्यादा रिटर्न

कई निवेशक बैंक एफडीसे बेहतर रिटर्न के लिए कंपनी फिक्स्ड डिपॉजिट यानी कॉरपोरेट एफडी की ओर भी रुख कर रहे हैं। कॉरपोरेट एफडी में ब्याज दरें सामान्य बैंक एफडी से अधिक हो सकती हैं।

गोल्ड ईटीएफ और ईजीआर भी बन रहे विकल्प

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कोई निवेशक सोने में निवेश करना ही चाहता है, तो फिजिकल गोल्ड खरीदने के बजाय गोल्ड ईटीएफ या इलेक्ट्रोनिक गोल्ड रिसिप्ट (ईजीआर) जैसे विकल्प बेहतर हो सकते हैं।इससे गोल्ड इम्पोर्ट पर दबाव कम करने में मदद मिलती है।

संतुलित पोर्टफोलियो जरूरी

वित्तीय विशेषज्ञ हमेशा संतुलित निवेश रणनीति अपनाने की सलाह देते हैं। केवल एक ही साधन में पैसा लगाने के बजाय निवेश को इक्विटी, गोल्ड, डेट और सुरक्षित योजनाओं के बीच बांटना बेहतर माना जाता है। इससे जोखिम कम होता है और अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में पोर्टफोलियो स्थिर बना रहता है।

डायरेक्ट फंड्स चुनें या रेगुलर?

म्यूचुअल फंड में सही तरीके से ही लें निवेश का फैसला

सावधानी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले ज्यादातर लोगों के सामने एक सवाल जरूर आता है—डायरेक्ट फंड चुनें या रेगुलर फंड पहली नजर में दोनों लगभग एक जैसे दिखाई देते हैं। एक ही फंड मैनेजर, एक जैसी निवेश रणनीति और एक जैसा पोर्टफोलियो। लेकिन इन दोनों के बीच का छोटा-सा फर्क लंबे समय में आपकी कमाई पर बड़ा असर डाल सकता है। निवेश शुरू करने से पहले यह समझना जरूरी है कि आखिर डायरेक्ट और रेगुलर फंड में अंतर क्या है और आपके लिए कौन-सा विकल्प ज्यादा बेहतर हो सकता है।

क्या होता है डायरेक्ट और रेगुलर फंड?

डायरेक्ट फंड वह होता है जिसमें निवेशक सीधे म्यूचुअल फंड कंपनी के जरिए निवेश करता है। इसमें कोई एजेंट, डिस्ट्रीब्यूटर या बिचौलिया शामिल नहीं होता। वहीं रेगुलर फंड में निवेश किसी एडवाइजर, बैंक, एजेंट या डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से किया जाता है। इसके बदले फंड हाउस उन्हें कमीशन देता है, जिसकी लागत निवेशक से वसूली जाती है। यही वजह है कि दोनों फंड्स के रिटर्न में अंतर देखने को मिलता है।

एक्सपेंस रेशियो का खेल समझिए

डायरेक्ट फंड का सबसे बड़ा फायदा इसका कम एक्सपेंस रेशियो होता है। क्योंकि इसमें किसी डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन नहीं दिया जाता, इसलिए निवेशक की लागत कम रहती है। दूसरी तरफ रेगुलर फंड में कमीशन जुड़ने से एक्सपेंस रेशियो थोड़ा ज्यादा हो जाता है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन लंबे समय में यह आपकी कुल कमाई पर बड़ा असर डालता है। उदाहरण के तौर पर, अगर दो फंड एक जैसा रिटर्न दे रहे हों और उनमें केवल 1% लागत का फर्क हो, तो 10-15 साल में यह अंतर लाखों रुपये तक पहुंच सकता है। डायरेक्ट फंड में रिटर्न ज्यादा क्यों दिखता है? डायरेक्ट फंड में रिटर्न ज्यादा होने का कारण कोई अलग निवेश रणनीति नहीं है। असल वजह यह है कि इसमें फीस कम कटती है। कम लागत का सीधा फायदा निवेशक को मिलता है और लंबी अवधि में कंपाउंडिंग के जरिए यह अंतर और बढ़ जाता है। यही कारण है कि जो निवेशक खुद रिसर्च कर सकते हैं और बाजार को समझते हैं, वे अक्सर डायरेक्ट फंड को प्राथमिकता देते हैं।

फिर लोग रेगुलर फंड क्यों चुनते हैं?

अगर डायरेक्ट फंड सस्ते और ज्यादा रिटर्न देने वाले हैं, तो सवाल उठता है कि लोग रेगुलर फंड क्यों चुनते हैं?

असल में रेगुलर फंड केवल निवेश नहीं, बल्कि गाइडेंस भी देते हैं। एक अच्छा वित्तीय सलाहकार निवेशक की आय, लक्ष्य, जोखिम क्षमता और जरूरतों के हिसाब से सही फंड चुनने में मदद करता है। इसके अलावा बाजार में गिरावट आने पर कई निवेशक घबरा जाते हैं और गलत समय पर पैसा निकाल लेते हैं। ऐसे समय में एडवाइजर निवेशक को शांत रखने और सही रणनीति पर टिके रहने में मदद करता है। यानी रेगुलर फंड की अतिरिक्त लागत केवल कमीशन नहीं, बल्कि सलाह और सपोर्ट की फीस भी होती है।

आपके लिए कौन-सा विकल्प सही?

अगर आप निवेश की बेसिक समझ रखते हैं, खुद रिसर्च कर सकते हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव में भावनात्मक फैसले नहीं लेते, तो डायरेक्ट फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं। लेकिन अगर आप नए निवेशक हैं, फंड चुनने में कन्फ्यूज रहते हैं या बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं, तो रेगुलर फंड ज्यादा सुरक्षित विकल्प साबित हो सकते हैं। कई बार गलत फैसले जैसे बाजार गिरते ही निवेश रोक देना या बार-बार फंड बदलना निवेशक को उस फीस से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचा देते हैं जो वह रेगुलर फंड में देता है। म्यूचुअल फंड में सफलता केवल सही फंड चुनने से नहीं मिलती, बल्कि सही व्यवहार भी उतना ही जरूरी होता है। हाल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड के पीछे भागना। बाजार गिरते ही निवेश रोक देना। बार-बार पोर्टफोलियो बदलना। छोटी अवधि में बड़े रिटर्न की उम्मीद करना। ये गलतियां निवेश की पूरी रणनीति खराब कर सकती हैं।

लंबी अवधि में अनुशासन ही असली फायदा

डायरेक्ट फंड हो या रेगुलर, दोनों में सबसे ज्यादा जरूरी है अनुशासन और धैर्य। अगर निवेशक लंबे समय तक लगातार निवेश बनाए रखता है, तो कंपाउंडिंग का फायदा धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार करता है। इसलिए निवेश का फैसला केवल कम फीस या ज्यादा रिटर्न देखकर नहीं, बल्कि अपनी समझ, अनुभव और व्यवहार को ध्यान में रखकर लेना चाहिए।

समझदारी से चुनें निवेश का रास्ता

डायरेक्ट और रेगुलर फंड दोनों के अपने फायदे हैं। डायरेक्ट फंड कम लागत और ज्यादा संभावित रिटर्न देते हैं, जबकि रेगुलर फंड सलाह और निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद करते हैं। आखिर में सही विकल्प वही है जो आपकी जरूरत, निवेश ज्ञान और मानसिक आराम के हिसाब से फिट बैठे। क्योंकि सफल निवेश केवल सही फंड चुनने से नहीं, बल्कि लंबे समय तक सही रणनीति पर टिके रहने से बनता है।

सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ करें निवेश

एसआईपी के बेस्ट टिप्स, लंबे समय में बना देंगे बड़ा फंड

- समय पर शुरू की गई एसआईपी देती है बड़ा फायदा
- लंबी अवधि का निवेश ही दिलाता है असली रिटर्न

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में हर व्यक्ति चाहता है कि उसका भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित हो। बेहतर घर, बच्चों की पढ़ाई, रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन और अचानक आने वाली जरूरतों के लिए बड़ा फंड तैयार करना अब लोगों की प्राथमिकता बन चुका है, लेकिन जब निवेश की बात आती है तो अधिकतर लोग शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से डर जाते हैं। ऐसे में म्यूचुअल फंड की एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान एक आसान और भरोसेमंद विकल्प बनकर सामने आती है। एसआईपी केवल हर महीने कुछ रुपये जमा करने का तरीका नहीं है, बल्कि यह एक अनुशासित निवेश रणनीति है। छोटी रकम से शुरू होकर यह लंबे समय में बड़ा फंड तैयार करने की क्षमता रखती है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि सही प्लानिंग और धैर्य के साथ एसआईपी करोड़ों रुपये का कॉर्पस तैयार कर सकती है।

अनुशासन जरूरी

कई लोग बाजार गिरने पर घबराकर अपनी एसआईपी बंद कर देते हैं, जबकि यही सबसे बड़ी गलती होती है। एसआईपी का असली फायदा तभी मिलता है जब निवेशक लगातार निवेश करता रहे। बाजार में गिरावट आने पर कम कीमत पर ज्यादा यूनिट्स खरीदने का मौका मिलता है। इसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग (आरसीए)कहा जाता है। लंबे समय में यही रणनीति औसत लागत को कम करती है और बेहतर रिटर्न देने में मदद करती है। इसलिए बाजार की हलचल देखकर निवेश रोकने के बजाय अनुशासन बनाए रखना जरूरी है।

लंबी अवधि का नजरिया रखें

एसआईपी उन लोगों के लिए नहीं है जो एक-दो साल में पैसा दोगुना करना चाहते हैं। म्यूचुअल फंड में असली संपत्ति लंबे समय में बनती है। विशेषज्ञ कम से कम 5 से 10 साल का नजरिया रखने की सलाह देते हैं। शुरुआती वर्षों में निवेश की रफ्तार सामान्य लग सकती है, लेकिन जैसे-जैसे समय बढ़ता है, कंपाउंडिंग का असर तेजी से दिखाई देने लगता है। कई निवेशकों का अनुभव है कि 10-15 साल तक नियमित एसआईपी करने पर बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

लक्ष्य तय करके करें निवेश

बिना लक्ष्य के निवेश करना अक्सर भ्रम पैदा करता है। इसलिए एसआईपी शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि निवेश किस उद्देश्य के लिए किया जा रहा है। जैसे घर खरीदना, बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, रिटायरमेंट या इमरजेंसी फंड। जब निवेश किसी खास लक्ष्य से जुड़ा होता है तो बाजार की गिरावट में भी निवेशक भावनात्मक रूप से मजबूत बना रहता है।

जोखिम क्षमता को समझें

हर निवेशक की आर्थिक स्थिति और जोखिम लेने की क्षमता अलग होती है। इसलिए दूसरों को देखकर निवेश करना नुकसानदायक हो सकता है। यदि कोई निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहता तो उसे लार्ज कैप या इंडेक्स फंड से शुरुआत करनी चाहिए। वहीं, लंबे समय तक निवेश करने वाले और ज्यादा जोखिम लेने वाले निवेशक मिड कैप या स्मॉल कैप फंड का विकल्प चुन सकते हैं। सही फंड का चयन उम्र, आय और वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

ज्यादा रिटर्न देख फंड न चुनें

कई लोग पिछले एक साल का शानदार रिटर्न देखकर किसी फंड में निवेश कर देते हैं, जबकि यह तरीका सही नहीं माना जाता। फंड चुनते समय उसके पिछले 5 से 10 साल के प्रदर्शन को देखना जरूरी है। यह भी देखना चाहिए कि बाजार गिरने पर फंड का प्रदर्शन कैसा रहा, फंड मैनेजर का अनुभव कितना है और फंड लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है या नहीं। जैसे-जैसे आय बढ़ती है, निवेश की रकम भी बढ़ानी चाहिए। इसे स्टेपअप एसआईपी कहा जाता है। यदि कोई व्यक्ति हर साल अपनी एसआईपी में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है तो लंबे समय में उसका फंड कई गुना तेजी से बढ़ सकता है। उदाहरण के तौर पर 5 हजार रुपये मासिक एसआईपी शुरू करने वाला निवेशक यदि हर साल इसमें थोड़ी वृद्धि करता रहे, तो भविष्य में करोड़ों रुपये का कॉर्पस तैयार करना आसान हो सकता है।

बाजार की गिरावट को समझें

जब बाजार में भारी गिरावट आती है तो अधिकतर निवेशक डर जाते हैं, लेकिन अनुभवी निवेशक इसे अवसर मानते हैं। गिरावट के दौरान कम कीमत पर खरीदी गई यूनिट्स भविष्य में ज्यादा रिटर्न देने की संभावना रखती हैं। इसीलिए बाजार में उतार-चढ़ाव को लेकर घबराने के बजाय निवेशकों को अपनी रणनीति पर टिके रहना चाहिए। एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत यही है कि यह बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश जारी रखती है।

धैर्य ही सबसे बड़ी पूंजी

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि धैर्य से भी मिलती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है। जो निवेशक हर गिरावट में घबराकर फैसले बदलता है, उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं, जो निवेशक लंबे समय तक अपनी रणनीति पर कायम रहता है, वही अंत में बड़ा लाभ कमाने में सफल होता है। एसआईपी में धैर्य रखने वाले निवेशकों को ही कंपाउंडिंग का असली फायदा मिलता है।

केंद्र की सरकार को बनाने और गिराने की ताकत रखने वाले कुछ प्रमुख क्षेत्रीय दल आज अपने ही गढ़ों में बेहद सीमित होकर रह गए हैं। हाल ही में हुए बिहार, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे कई राज्यों में चुनाव परिणाम इसी ओर इशारा कर रहे हैं। मतदाता अब जागरूक हो गए हैं। वे केवल क्षेत्रीय पहचान, भाषायी अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के आधार पर वोट नहीं कर रहे, बल्कि विकास, स्थिर नेतृत्व और राष्ट्रीय दृष्टि को भी प्राथमिकता देने लगे हैं। कह सकते हैं कि लंबे समय तक सत्ता में बने रहने वाले क्षेत्रीय दलों के सामने अब नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। भारतीय राजनीति में निर्णायक बदलाव 2014 के बाद देखने को मिला। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की और उसके बाद राष्ट्रीय राजनीति का चरित्र तेजी से बदलने लगा। इससे पहले केंद्र में बनने वाली सरकारें क्षेत्रीय दलों के समर्थन पर निर्भर रहती थीं। क्षेत्रीय दलों के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने की है। बदलते राजनीतिक दौर में यदि क्षेत्रीय दलों को अपना अस्तित्व बचाना है, तो उन्हें अपनी एकाधिकार वाली सोच को बदलना होगा। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि क्षेत्रीय दल नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल पाते हैं या नहीं। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...।*

खत्म हो रहा क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व !

विश्लेषण

अनिरुद्ध प्रताप सिंह
स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय राजनीति, लंबे समय तक, क्षेत्रीय दलों की शक्ति और प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमती रही है। साल 1989 के बाद का दौर ऐसा था, जब केंद्र की सत्ता में कोई भी राष्ट्रीय दल अपने दम पर स्थिर बहुमत हासिल नहीं कर पा रहा था। उस समय क्षेत्रीय दल न केवल राज्यों की राजनीति नियंत्रित करते थे, बल्कि दिल्ली की सत्ता के गठन और संचालन में भी निर्णायक भूमिका निभाते थे। राष्ट्रीय परिदृश्य यह संकेत देता है कि मतदाताओं का झुकाव धीरे-धीरे राष्ट्रीय दलों की ओर बढ़ रहा है। विपक्षी दल लगातार संघीय ढांचे, राज्यों के अधिकारों और केंद्र सरकार की नीतियों को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

भारतीय राजनीति एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर जा पहुंची है, जहां दशकों तक सत्ता और समीकरण तय करने वाले क्षेत्रीय दलों का प्रभाव घटता दिखाई दे रहा है। कभी केंद्र की सरकारों को बनाने और गिराने की ताकत रखने वाले ये दल आज अपने ही गढ़ों में बेहद सीमित होकर रह गए हैं। पश्चिम बंगाल से तमिलनाडु और ओडिशा तक हालिया चुनाव परिणामों में देखा जा सकता है कि मतदाता अब केवल क्षेत्रीय पहचान, भाषाई अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के आधार पर वोट नहीं कर रहे, बल्कि विकास, स्थिर नेतृत्व और राष्ट्रीय दृष्टि को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। भारतीय राजनीति, लंबे समय तक, क्षेत्रीय दलों की शक्ति और प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमती रही है। साल 1989 के बाद का दौर ऐसा था, जब केंद्र की सत्ता में कोई भी राष्ट्रीय दल अपने दम पर स्थिर बहुमत हासिल नहीं कर पा रहा था। उस समय क्षेत्रीय दल न केवल राज्यों की राजनीति नियंत्रित करते थे, बल्कि दिल्ली की सत्ता के गठन और संचालन में भी निर्णायक भूमिका निभाते थे। लेकिन हाल के विधानसभा चुनावों ने एक नई बहस को जन्म दिया है।

क्षेत्रीय दलों का रहा स्वर्णकाल

क्या भारत में क्षेत्रीय दलों का स्वर्णकाल समाप्ति की ओर बढ़ रहा है? पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में डीएमके जैसी मजबूत क्षेत्रीय पार्टियों को हालिया चुनावों में उम्मीद से कहीं अधिक नुकसान हुआ है। बंगाल में भाजपा का अभूतपूर्व प्रदर्शन और तमिलनाडु में डीएमके की हार ने यह संकेत दिया है कि मतदाता अब केवल क्षेत्रीय पहचान की राजनीति से प्रभावित नहीं हो रहे। यह बदलाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव का संकेत भी माना जा रहा है। तमिलनाडु की राजनीति इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आई है। दशकों तक द्रविड़ राजनीति और तमिल अस्मिता के मुद्दों पर चुनाव जीतने वाली डीएमके को इस बार जनता ने सत्ता से बाहर कर दिया। यहां तक कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन स्वयं अपनी सीट नहीं बचा सके। यह केवल एक नेता की हार नहीं, बल्कि उस राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती है, जो लंबे समय तक तमिल पहचान के आधार पर मजबूत बना रहा। हाल के चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट किया है कि मतदाता अब बदलाव और प्रशासनिक प्रदर्शन को अधिक महत्व देने लगे हैं।

राज्यों में सत्ता विरोधी लहर

क्षेत्रीय अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के साथ-साथ अब विकास, स्थिरता और मजबूत नेतृत्व जैसे मुद्दे निर्णायक बनते जा रहे हैं। तमिलनाडु में डीएमके के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर ने उसके पारंपरिक वोट बैंक को प्रभावित किया। दिल्ली और पंजाब तक सीमित रह गई आम आदमी पार्टी का कमजोर होता प्रभाव भी इसी बदलाव का हिस्सा माना जा सकता है। तकनीकी रूप से राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त होने के बावजूद उसका प्रभाव सीमित रहा और हाल के समय में उसे राजनीतिक झटके झेलने पड़े। इसी तरह वामपंथ की सबसे बड़ी पार्टी सीपीआई (एम) भी अब केरल तक सिमटती दिखाई दे रही है। ओडिशा में नवीन पटनायक की बीजू जनता दल की हार ने भी इस प्रवृत्ति को मजबूत किया। करीब 24 वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद बीजेडी का सत्ता से बाहर होना यह दर्शाता है कि लंबे समय तक सत्ता में बने रहने वाले क्षेत्रीय दलों के सामने अब नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। भाजपा ने वहां केवल चुनाव नहीं जीता, बल्कि क्षेत्रीय राजनीति के सबसे मजबूत गढ़ों में सेंध लगाने का संदेश दिया। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि सभी क्षेत्रीय दल समाप्ति की ओर बढ़ रहे हैं।

झारखंड व जेके में पकड़ कायम

झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा अभी भी मजबूत स्थिति में है। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की राजनीतिक पकड़ भी बनी हुई है। लेकिन इन राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां अलग हैं और वहां सामाजिक-सांस्कृतिक समीकरण राष्ट्रीय राजनीति से अलग रूप लेते हैं। इसके बावजूद व्यापक राष्ट्रीय परिदृश्य यह संकेत देता है कि मतदाताओं का झुकाव धीरे-धीरे राष्ट्रीय दलों की ओर बढ़ रहा है। विपक्षी दल लगातार संघीय ढांचे, राज्यों के अधिकारों और केंद्र सरकार की नीतियों को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। राज्यों को फंड आवंटन, केंद्रीय एजेंसियों के उपयोग और परिसीमन जैसे विषयों पर बहस तेज हुई है, लेकिन इन मुद्दों का चुनावी असर सीमित दिखाई दिया। समाजवादी पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में उल्लेखनीय प्रदर्शन जरूर किया, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की राजनीतिक पकड़ कमजोर नहीं हुई। भाजपा की सीटें कम होने के बावजूद उसका प्रभाव बरकरार रहा और उसके सहयोगी दल भी उसके साथ मजबूती से खड़े दिखाई दिए। इससे यह संकेत मिला कि राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा अभी भी केंद्रीय शक्ति बनी हुई है। भारतीय राजनीति में निर्णायक बदलाव 2014 के बाद देखने को मिला। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की और उसके बाद राष्ट्रीय राजनीति का चरित्र तेजी से बदलने लगा। इससे पहले केंद्र में बनने वाली सरकारें क्षेत्रीय दलों के समर्थन पर निर्भर रहती थीं। भाजपा की मजबूत पकड़ ने समाजवादी पार्टी, बसपा, आरजेडी, शिवसेना और एनसीपी जैसे दलों को कमजोर कर दिया। कई क्षेत्रीय दलों में विभाजन हुआ और उनके गुट राष्ट्रीय गठबंधनों का हिस्सा बन गए। बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) ने लंबे समय तक राजनीतिक संतुलन बनाए रखा, लेकिन वहां भी भाजपा का प्रभाव लगातार बढ़ा।

राजनीतिक प्रासंगिकता का सवाल

तेलंगाना में बीआरएस जैसी पार्टी, जिसने राज्य निर्माण की राजनीति के आधार पर अपनी पहचान बनाई थी, उसे कांग्रेस ने सत्ता से बाहर कर दिया। यह दर्शाता है कि केवल क्षेत्रीय पहचान अब चुनावी सफलता की गारंटी नहीं रह गई है। क्षेत्रीय दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने की है। तमिलनाडु, तेलंगाना और केरल जैसे राज्यों में राष्ट्रीय दलों की बढ़ती सक्रियता आने वाले समय में राजनीति की दिशा बदल सकती है। फिर भी भारतीय लोकतंत्र की विविधता को देखते हुए क्षेत्रीय दलों की भूमिका पूरी तरह समाप्त होती नहीं दिखाई देती। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि क्षेत्रीय दल नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल पाते हैं या नहीं।

द्रविड़ राजनीति के नए अध्याय की शुरुआत

सियासत

भूपेन्द्र
वरिष्ठ पत्रकार

तमिलनाडु की राजनीति पांच दशकों से द्रविड़ दलों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। एम. करुणानिधि और जे. जयललिता जैसे नेताओं ने राज्य की राजनीति को ऐसी दिशा दी, जहां राष्ट्रीय दल हमेशा सीमित भूमिका में दिखाई दिए। लगभग छह दशकों में पहली बार ऐसा हुआ कि "द्रविड़" शब्द के बिना किसी पार्टी ने तमिलनाडु की सत्ता संभाली। हालांकि, टीवीके और विजय द्रविड़ विचारधारा से कितनी दूरी बनाए रखेंगे, यह अभी देखना बाकी है। क्योंकि सत्ता संभालने के तुरंत बाद ही विजय ने द्रविड़ आंदोलन के प्रमुख नेता पेरियार ई.वी. रामासामी को श्रद्धांजलि अर्पित की, लेकिन अब, अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलागा वेट्टरी कजगम (टीवीके) की ऐतिहासिक जीत और विजय के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति का युग समाप्त हो रहा है? इस प्रश्न का उत्तर इतना सीधा नहीं है। टीवीके की जीत निश्चित रूप से तमिल राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है, लेकिन इसे द्रविड़ राजनीति के अंत के रूप में देखना जल्दबाजी हो सकती है। तमिलनाडु में द्रविड़ आंदोलन केवल राजनीतिक विचारधारा नहीं रहा, बल्कि सामाजिक न्याय, क्षेत्रीय पहचान और हिंदी विरोध की भावना से जुड़ा एक सांस्कृतिक आंदोलन था। सीएन अन्नादुराई और पेरियार ई.वी. रामासामी ने जिस आंदोलन की शुरुआत की, उसने ब्राह्मणवादी वर्चस्व, जातीय असमानता और केंद्र के प्रभुत्व के खिलाफ एक नई राजनीतिक चेतना पैदा की। इसी कारण द्रमुक और अन्नाद्रमुक जैसी पार्टियां केवल चुनावी संगठन नहीं रहीं; वे तमिल पहचान का हिस्सा बन गईं।

एम.के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में बनी रही, लेकिन युवाओं के बीच राजनीति को लेकर एक नई बेचैनी भी उभरी। अन्नाद्रमुक लगातार आंतरिक संघर्ष से कमजोर होती गई। ऐसे माहौल में विजय ने खुद को "नई राजनीति" के प्रतीक के रूप में पेश किया।

मुफ्त योजनाएं, सामाजिक कल्याण, शिक्षा और क्षेत्रीय गौरव-इन सब ने द्रविड़ दलों को जनता के बीच मजबूत आधार दिया। तमिलनाडु में इस बदलाव के पीछे कई कारण रहे हैं। तमिलनाडु का राजनीतिक इतिहास राजनीतिक नाटकीयता का अभ्यस्त रहा है, जहां सिनेमा और सत्ता अक्सर एक ही धारा में घुल-मिल जाते हैं। एम. जी. रामचंद्रन और फिर जे. जयललिता के बाद से कुछ वर्षों में तमिलनाडु की राजनीति में नेतृत्व का संकट साफ दिखाई देने लगा था। एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में बनी रही, लेकिन युवाओं के बीच राजनीति को लेकर एक नई बेचैनी भी उभरी। अन्नाद्रमुक लगातार आंतरिक संघर्ष से कमजोर होती गई। ऐसे माहौल में विजय ने खुद को "नई राजनीति" के प्रतीक के रूप में पेश किया। फिल्मों में उनकी लोकप्रियता पहले से ही बहुत बड़ी थी, लेकिन उन्होंने केवल स्टारडम पर निर्भर रहने के बजाय बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक सुधार जैसे मुद्दों को उठाया। जो टीवीके की जीत के पीछे मुख्य बड़ा कारण रही। टीवीके की जीत के पीछे दूसरा सबसे बड़ा कारण है लंबे समय से द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच घूमती राजनीति से जनता का एक वर्ग थक चुका था, मुख्य रूप से युवा, इसलिए युवाओं का समर्थन विजय की पार्टी टीवीके को मिला और पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं ने पारंपरिक राजनीति से अलग विकल्प चुना। टीवीके की जीत तमिलनाडु की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ जरूर है, लेकिन इसे द्रविड़ राजनीति के अंत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

यह अधिक सही होगा कि इसे द्रविड़ राजनीति के "नए अध्याय" की शुरुआत कहा जाए। इस जीत के बाद विजय की सबसे बड़ी चुनौती अब चुनाव जीतना नहीं, बल्कि यह साबित करना होगी कि क्या वे वहां की जनता की उम्मीदों के अनुरूप शासन दे सकते हैं। आने वाले वर्षों में यह तय होगा कि टीवीके केवल एक करिश्माई लहर थी या तमिलनाडु की राजनीति का एक स्थायी भविष्य। विजय खुद भले नई राजनीति की बात करते हों, लेकिन उनकी राजनीति पूरी तरह द्रविड़ विचारधारा से अलग नहीं दिखती।

सामाजिक न्याय, तमिल पहचान और कल्याणकारी योजनाओं पर उनका जोर द्रविड़ राजनीति की ही विरासत को आगे बढ़ाता है। अंतर केवल शैली और नेतृत्व में है। टीवीके अधिक आधुनिक, युवा-केंद्रित राजनीति करती है। विजय की छवि पारंपरिक नेताओं से अलग, "सिस्टम बदलने वाले" नेता की बनाई गई है। इसलिए कहा जा सकता है कि तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति खत्म नहीं हुई है; बल्कि उसका नया संस्करण सामने आया है।

घटते-घटते इस बार वामदलों का पूरा सफाया

संकेत

डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार

केरल में 2026 विधानसभा चुनाव में एलडीएफ सरकार के सता से हटने के बाद, भारत के नक्शे पर एक भी राज्य ऐसा नहीं बचा, जहां वामपंथी दलों का सीधा शासन हो। 1967 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब वामपंथ के तीन गढ़ों- त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और केरल में से एक में भी वे सत्ता में नहीं हैं। यह चुनावी हार भारतीय राजनीति में लेफ्ट के खात्मे का संकेत है। केरल में लेफ्ट फ्रंट वैकल्पिक रूप से सत्ता में आता रहा है। 2021 में एलडीएफ ने 99 सीटें जीतकर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब वहां कोई गठबंधन लगातार दूसरी बार जीता, लेकिन 2024 लोकसभा चुनाव में एलडीएफ को 19 में से महज 1 सीट मिली जबकि यूडीएफ को 18 सीटें मिलीं। यह संकेत था कि 2026 विधानसभा में बदलाव होगा और ऐसा हुआ भी। केरल में एलडीएफ का वोट शेयर 2021 में 49% के मुकाबले गिरकर 2026 में 34% रह गया। जबकि यूडीएफ का वोट शेयर 38% से बढ़कर 48% हो गया यानी 10 प्रतिशत का उछाल।

भारत में वामपंथी दलों का राष्ट्रीय वोट शेयर बीते 35 वर्षों से लगातार गिर रहा है। 1989 लोकसभा चुनाव में लेफ्ट को 8.03 फीसदी वोट और 53 सीटें मिली थीं। 2014 लोकसभा में यह वोट शेयर घटकर 4.08 प्रतिशत और 10 सीटों तक सीमित हो गया। 2019 लोकसभा में लेफ्ट को महज 2.93 फीसदी वोट और 5 सीटें मिलीं। 2024 लोकसभा में यह घटकर 2.63 प्रतिशत और महज 7 सीटों तक सिमट गया। राष्ट्रीय परिदृश्य में वामपंथ के सिमटने के तीन मुख्य कारण हैं- पहला, क्षेत्रीय दलों का उदय। पश्चिम बंगाल में टीएमसी, त्रिपुरा में बीजेपी, केरल में कांग्रेस ने वामपंथी मतदाता को खींचा। वामपंथी वोटर अब विचारधारा से ज्यादा सत्ता-विरोध और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वोट करता है। दूसरा, आर्थिक मॉडल की चुनौती। केरल में 94% साक्षरता है लेकिन बेरोजगारी 12% है। वहीं बीजेपी और कांग्रेस ने "विकास+रोजगार" का नारा देकर युवाओं को आकर्षित किया। तीसरा, राष्ट्रीय राजनीति में 2014 के बाद वामपंथी दलों ने कांग्रेस से दूरी बना ली। राष्ट्रीय बहस में आर्थिक मुद्दों की जगह पहचान, राष्ट्रवाद ने ले ली, जहां वामपंथी नैरेटिव कमजोर पड़ता है। दक्षिण भारत के एक दूसरे राज्य तमिलनाडु की राजनीति भारत में सबसे अलग रही है। यहां न तो कांग्रेस का एकाधिकार कभी पूरी तरह बना और न ही बीजेपी का सीधा प्रवेश हुआ। इसका कारण है द्रविड़ आंदोलन और पेरियार ई. वी. रामासामी की विचारधारा जिसने बीते 80 वर्षों से राज्य की सत्ता को परिभाषित किया। तमिलनाडु की राजनीति की जड़ें 1920 के दशक में हैं। ई. वी. रामासामी 'पेरियार' ने 1925 में आत्मसम्मान आंदोलन शुरू किया। 1938 में हिंदी अनिवार्यता के खिलाफ आंदोलन में पेरियार की पत्नी नागम्माई और बहन मुथम्मल ने 1700 महिलाओं के साथ जेल भराव किया। इसी आंदोलन से सी. एन. अन्नादुराई निकले जिन्होंने 1949 में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) बनाई। 1967 में डीएमके ने पहली बार कांग्रेस को हराया। इस चुनाव में डीएमके को 138 सीटें, कांग्रेस को 50 सीटें मिलीं। यह दक्षिण भारत में कांग्रेस की पहली बड़ी हार थी। 1967 के बाद तमिलनाडु में राजनीति दो ध्रुवों में बंट गई। एक तरफ पेरियार के तर्कवाद, तमिल पहचान और सामाजिक न्याय पर जोर के साथ डीएमके थी तो दूसरी ओर 1972 में एम. जी. रामचंद्रन द्वारा बनाई गई यानी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम। एमजीआर ने डीएमके से अलग होकर फिल्मी लोकप्रियता और अम्मा छवि से राजनीति की।

भारत में वामपंथी दलों का राष्ट्रीय वोट शेयर बीते 35 वर्षों से लगातार गिर रहा है। 1989 लोकसभा चुनाव में लेफ्ट को 8.03 फीसदी वोट और 53 सीटें मिली थीं। 2024 चुनाव में यह वोट शेयर घटकर 2.63 प्रतिशत और महज 7 सीटों तक सिमट गया।

खास बात यह भी है कि तमिलनाडु में धर्म और राजनीति आपस में जुड़ी हैं। रजनीकांत की आध्यात्मिक राजनीति हिंदू वोट एवं तर्कवादी डीएमके वोट, दोनों को आकर्षित कर सकती है। स्टार पावर अकेले नहीं चलती, पार्टी संगठन की मजबूती बहुत जरूरी है। रजनीकांत के पास करिश्मा है पर संगठन और स्वास्थ्य बड़ी बाधा हैं। अगर वे आते भी हैं तो डीएमके-एआईएडीएमके के सियासी आधार और उनकी तुलना में युवा एक्टर विजय की टीवीके के बढ़ते प्रभुत्व को तोड़ना आसान नहीं होगा।

क्षेत्रीय राजनीति के ढहते किले और राष्ट्रीय विकल्प का उदय

मंथन

डॉ. चंद्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय राजनीति के समकालीन परिदृश्य में एक बड़ा और युगांतकारी बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। देश के भीतर प्रादेशिक क्षत्रपों और क्षेत्रीय दलों की जो प्रभुता कभी अजेय मानी जाती थी, उसका दायरा अब धीरे-धीरे सिमटने लगा है। आज चाहे कोई भी प्रदेश क्यों न हो, मतदाता अब लोकलुभावन और संकीर्ण क्षेत्रीय विमर्श से बाहर निकलकर राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, सुरक्षा और एक मजबूत केंद्रीय विकल्प की ओर कदम बढ़ा रहा है।

किसी भी राज्य में आने वाले चुनावी परिणाम केवल एक सत्ता परिवर्तन मात्र नहीं हैं, बल्कि वे इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि वैचारिक आधार के बिना केवल प्रादेशिक अस्मिता के भरोसे राजनीति के अभेद्य किले हमेशा के लिए सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। पश्चिम बंगाल के हालिया राजनीतिक घटनाक्रम को इसी बदलते राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जैसे ही वहां चुनावी नतीजे आने शुरू हुए, पंद्रह वर्षों से सत्ता के शिखर पर बैठी ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी का वजन घटने लगा। लगभग यह स्पष्ट हो गया कि ममता बनर्जी का जिसे अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला कहा जाता था, वह ढह चुका है। आज बड़े-बड़े राजनीतिक पंडितों के अनुमान, सर्वेक्षण और विश्लेषण धराशाई हो जाते हैं। बंगाल में भी वही हुआ। आज़ादी के इतिहास में पहली बार बीजेपी दो सौ का आंकड़ा पार कर बंगाल सत्ता के शीर्ष पर पहुंच गई। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मतदाता अब क्षेत्रीय दलों के एकाधिकार को चुनौती देने के लिए तैयार हो चुका है। 33 वर्षों के लेफ्ट के शासन को उखाड़ फेंकने वाली ममता बनर्जी आज स्वयं बहुत असहाय सी प्रतीत हो रही हैं। पहले कांग्रेस, फिर लेफ्ट और फिर ममता बनर्जी की टीएमसी उसी पैटर्न पर चलते हुए सत्ता के शिखर तक पहुंची थीं। पंद्रह वर्ष पूर्व ममता बनर्जी ने लेफ्ट के जिस रक्त-रंजित करने वाले कैडर को अपनी जुझारू छवि के बलबूते पर उखाड़ फेंका था, बाद में वही चरित्र वाला राजनीतिक कैडर टीएमसी का सिपहसालार बनकर अपने हित साधने लगा और बंगाल की राजनीति एक ऐसे अभेद्य किले के रूप में स्थापित हो गई, जिसे भेद पाना लगभग असंभव लगने लगा था। संदेशखाली और आर जी कर जैसी वीभत्स घटनाओं के बाद जिस तरह का एक कड़ा संदेश ममता बनर्जी को देना चाहिए था, वो नहीं दे पाईं। पूरे बंगाल में विरोध प्रदर्शन हुए और परिणाम यह हुआ कि मध्यम वर्ग का एक बड़ा तबका असुरक्षा की भावना के साथ उनके खिलाफ खड़ा हो गया। टीएमसी की सत्ता के विरुद्ध एक चिंगारी धीरे-धीरे सुलगने लगी और अंततः उस चिंगारी ने भीषण आग का रूप ले लिया। आज जबकि ममता बनर्जी सत्ता से बाहर हो चुकी हैं, तो बहुत सारे नए प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। अपने जुझारूपन के लिए प्रसिद्ध ममता बनर्जी क्या फिर से वापसी कर पाएंगी या वह प्रदेश की कमान किसी अन्य व्यक्ति को सौंप कर केंद्र की राजनीति करेंगी। यह चुनौती सिर्फ उनकी नहीं है, बल्कि देश के उन तमाम क्षेत्रीय दलों की है जो एक ही ढर्रे पर चल रहे हैं। ममता बनर्जी के लिए एक बड़ा प्रश्न पार्टी और परिवार में से किसी एक को चुनना भी है। पार्टी पर होल्ड अभिषेक बनर्जी का है, जिनकी छवि साफ-सुथरी नहीं है। इसके साथ ही कई कद्दावर और साफ छवि के नेता अपनी दावेदारी ठोक सकते हैं जिससे आंतरिक संघर्ष बढ़ेगा। यही क्षेत्रीय दलों की सबसे बड़ी कमजोरी रही है कि वे पारिवारिक नियंत्रण या एक व्यक्ति के दायरे से बाहर नहीं सोच पाते, जिसके कारण राष्ट्रीय लहर के सामने उनका बिखरना तय हो जाता है। अब इस चुनौती से ममता बनर्जी पार्टी को निकाल कर कैसे खड़ा करती हैं, यह देखना होगा। इस सब के अतिरिक्त एक बड़ी और गंभीर चुनौती है ममता बनर्जी और पार्टी पर मुस्लिम तुष्टिकरण का गंभीर आरोप। स्थिति यह है कि आसनसोल के बस्तीन बाजार का दुर्गा मंदिर, जो लेफ्ट के शासनकाल में बंद कर दिया गया था, पंद्रह वर्षों के टीएमसी के शासनकाल में भी नहीं खोला जा सका। पश्चिम बंगाल की राजनीति अब विकास, सुरक्षा, प्रशासन और न्याय व्यवस्था की परिधि से निकलकर धर्म और राष्ट्रीय अस्मिता की मुख्यधारा में आ चुकी है। बदलते राजनीतिक दौर में यदि क्षेत्रीय दलों को अपना अस्तित्व बचाना है, तो उन्हें अपनी एकाधिकार वाली सोच को बदलना होगा। बंगाल में विपक्ष के नाम पर भले ही टीएमसी के सिवाय कोई और विकल्प न हो, लेकिन यदि उन्होंने समय रहते नए सिरे से संघर्ष की जमीन तैयार नहीं की, तो राष्ट्रीय प्रवाह के इस नए युग में इस क्षेत्रीय दल की डगर आगे और भी कठिन होने वाली है।

विस चुनाव के बाद यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि ममता बनर्जी का जिसे अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला कहा जाता था, वह ढह चुका है।

उप्र : सपा को सोच में लाना होगा बुनियादी बदलाव

दृष्टिकोण

चरणजीत 'चरण'
स्वतंत्र स्तंभकार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी आज कुछ वैसी ही पटकथा लिखी जा रही है, जैसी कभी अन्य राज्यों के क्षेत्रीय दलों के अवसान के समय देखी गई थी। बिहार में जिस तरह भाजपा ने बिसात बिछाकर लालू प्रसाद यादव के राष्ट्रीय जनता दल को सत्ता के गलियारों से दूर धकेल दिया था, उसी तरह से बंगाल में ममता बनर्जी का अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला ढह गया है। आज का मतदाता खामोशी से सब देखता है और अंतिम समय तक इसकी भनक किसी को नहीं लगने देता कि इस बार ऊंट किस करवट बैठने जा रहा है।

इसी बदलते दौर में अब सबसे बड़ा सवाल उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव के सामने खड़ा है कि क्या वे क्षेत्रीय पार्टियों के इस ढहते सिलसिले के बीच खुद को बचा पाएंगे? यूपी के आगामी चुनावी समर को देखें तो सपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी पुरानी राजनीति के ढर्रे से बाहर निकलने की है। पार्टी दशकों तक मुस्लिम और यादव (एम-वाई) समीकरण के सहारे सत्ता के शिखर तक पहुंचती रही, लेकिन आज के दौर में यह सोशल इंजीनियरिंग पूरी तरह कुंद हो चुकी है। अखिलेश यादव ने इस कमजोरी को भांपते हुए पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को जोड़ने के लिए 'पीडीए' का नारा जरूर उछाला है, लेकिन केवल कागजों या चुनावी भाषणों में नारा देना एक बात है और उसे जमीन पर उतारना बिल्कुल दूसरी बात। असल संकट यह है कि भाजपा ने पिछले एक दशक में गैर-यादव ओबीसी और गैर-जाटव दलित जातियों के भीतर अपना एक ऐसा मजबूत और वफादार वोट बैंक तैयार कर लिया है, जिसे भेद पाना सपा के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है।

आम जनता के बीच यह धारणा गहरे तक बैठ चुकी है कि सपा के आते ही केवल एक विशेष जाति का दबदबा बढ़ जाता है। जब तक अखिलेश यादव इस धारणा को तोड़कर संगठन और टिकटों में इन अति-पिछड़ी जातियों को वास्तविक हिस्सेदारी नहीं देते, तब तक 'पीडीए' महज एक किताबी जुमला बनकर रह जाएगा। वहीं, सूबे की राजनीति पिछले कुछ वर्षों से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, बहुसंख्यक पहचान और हिंदुत्व के एक ऐसे मजबूत ताने-बाने में बंध चुकी है जिससे सीधे टकराना सपा के लिए हर बार आत्मघाती साबित हुआ है। सपा जब भी इस मोर्चे पर आक्रामक होती है, उस पर तुरंत 'मुस्लिम तुष्टिकरण' का ठप्पा लगा दिया जाता है। उत्तर प्रदेश का एक बड़ा मध्यम वर्ग और बहुसंख्यक आबादी का हिस्सा आज कानून-व्यवस्था, राष्ट्रवाद और धार्मिक गौरव के नाम पर मौजूदा सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है।

सूबे की राजनीति बहुसंख्यक पहचान और हिंदुत्व के एक ऐसे मजबूत ताने-बाने में बंध चुकी है जिससे सीधे टकराना सपा के लिए हर बार आत्मघाती साबित हुआ है

सपा के सामने धर्मसंकट यह है कि वह बिना अपनी धर्मनिरपेक्ष छवि को खोए, इस बहुसंख्यक समाज के दिल में अपनी जगह कैसे बनाए? एक और गंभीर चुनौती सपा के अंदरूनी सांगठनिक ढांचे की है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका पन्ना प्रमुख और बूथ स्तर का वह मुस्तैद कैडर है जो सारा साल जमीन पर सक्रिय रहता है। इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी आज भी काफी हद तक स्थानीय क्षत्रपों, रसूखदार नेताओं और कुछ खास परिवारों के भरोसे चुनाव लड़ती है।

क्षेत्रीय पार्टियों के बिखरने का एक बड़ा कारण यही रहा है कि वे संस्थागत रूप से मजबूत होने के बजाय किसी एक चेहरे या परिवार पर आश्रित हो जाती हैं। उसे अपनी पुरानी सामंती कार्यशैली को छोड़कर संगठन को बूथ स्तर तक बेहद पेशेवर और मुस्तैद चुनावी मशीनरी में बदलना होगा। गठबंधन की राजनीति के मोर्चे पर भी सपा के अनुभव बहुत सुखद नहीं रहे हैं। जब भी क्षेत्रीय दल किसी बड़े मोर्चे में शामिल होते हैं, तो सीटों के बंटवारे और नेतृत्व के अहंकार को लेकर खींचतान शुरू हो जाती है। सपा के लिए चुनौती यह है कि वह कांग्रेस और अन्य छोटे जातीय दलों को साथ लेकर तो चले, लेकिन अपनी खुद की राजनीतिक जमीन को उनके हाथों में न सौंप दे। अब चुनाव भारी-भरकम बजट, सोशल मीडिया के चौबीस घंटे चलने वाले नैरेटिव और डेटा के बारीक विश्लेषण के जरिए मतदाताओं के मोबाइल स्क्रीन पर लड़े जा रहे हैं।

अंततः, समाजवादी पार्टी समय रहते अपनी रणनीति, सोशल इंजीनियरिंग और सोच में बुनियादी बदलाव नहीं ला पाती, तो क्षेत्रीय दलों के पतन के इस दौर में उसके लिए भी अपनी राजनीतिक जमीन बचा पाना बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाएगा।

छत्तीसगढ़ का असर दिखा मध्य प्रदेश पर, सरहदी जिलों के पेट्रोल पंप सूखे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहडोल/ उमरिया/ अनूपपुर

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल संकट की खबरों के बीच मध्यप्रदेश में भी असर दिखाई दे रहा है। सरहदी जिलों के पेट्रोल पंपों में लंबी कतारें देखी जा रही हैं। शहडोल में इन दिनों पेट्रोल और डीजल की किल्लत को लेकर एक अजीब सा डर का माहौल देखा जा रहा है। लोग इस आशंका में गाड़ियों की टंकियां फुल करा रहे हैं और घरों में ईंधन स्टोर करने लगे हैं कि कहीं आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल मिलना बंद न हो जाए।

हालांकि, असलियत यह है कि जिले के किसी भी पेट्रोल पंप ने ईंधन देने से मना नहीं किया है और न ही आपूर्ति में कोई बड़ी दिक्कत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया बयानों और स्पष्टीकरण के बाद यह साफ है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर केवल 'ऊपर-ऊपर' एक कृत्रिम माहौल (पैनिक) बना दिया गया है।

प्रशासनिक मुस्तैदी के तहत केवल उन लोगों पर सख्ती की जा रही है जो बड़े टैंकों या ड्रमों में ईंधन भरकर उसका अवैध कारोबार करते थे, उन्हें सीमित मात्रा में तेल दिया जा रहा है। आम उपभोक्ताओं के लिए कोई पाबंदी नहीं है। डर के मारे पेट्रोलियम पदार्थों का यह अनावश्यक भंडारण ही आने वाले दिनों में असली किल्लत की वजह बन सकता है, जिससे जनता को बचने की जरूरत है। अनूपपुर जिले में पेट्रोल पंपों पर किसी भी प्रकार की अफरा-तफरी या पैनिक खरीदारी की स्थिति नहीं है। लोग सामान्य दिनों की तरह पेट्रोल-डीजल खरीद रहे हैं। सभी प्रमुख पेट्रोल पंपों पर ईंधन उपलब्ध है। पेट्रोल पंप संचालकों के अनुसार स्टॉक की ऑनलाइन मॉनिटरिंग होती है। डिपो से ईंधन की सप्लाई तब भेजी जाती है जब पंप का स्टॉक रिजर्व स्तर तक पहुंच जाता है। ऐसे में कभी-कभी कुछ पंपों पर थोड़े समय के लिए पेट्रोल या डीजल खत्म हो जाता है, लेकिन इसे संकट की स्थिति नहीं माना जा सकता।

उमरिया जिले में फिलहाल स्थिति सामान्य

उमरिया। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल संकट की खबरों के बीच मध्यप्रदेश के उमरिया जिले में फिलहाल स्थिति सामान्य बनी हुई है। लोगों के बीच चर्चा और आशंका जरूर है, लेकिन आम उपभोक्ताओं को अभी किसी बड़ी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा। जिले के पेट्रोल पंपों पर ईंधन की उपलब्धता बनी हुई है और दोपहिया व चारपहिया वाहन चालकों को नियमित रूप से पेट्रोल-डीजल मिल रहा है।

यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के चलते कई ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल अंतर्गत जौनपुर जंक्शन स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य किया जा रहा है। यह कार्य 4 से 27 मई तक कुल 24 दिन में सम्पन्न होगा। इस कारण पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल से होकर संचालित कुछ गाड़ियों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है।

परिवर्तित मार्ग से जाने वाली रेलगाड़ियां

- गाड़ी संख्या 19051 वलसाड़-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, 23 मई को परिवर्तित मार्ग जियोनाथपुर-वाराणसी जंक्शन-वाराणसी सिटी-औंड़िहार जंक्शन।
- गाड़ी संख्या 19052 मुजफ्फरपुर-वलसाड़ एक्सप्रेस 18, 25 मई को परिवर्तित मार्ग औंड़िहार जंक्शन-वाराणसी सिटी-वाराणसी जंक्शन-जियोनाथपुर।
- गाड़ी संख्या 11056 गोरखपुर-एलटीटी गोदान एक्सप्रेस 17, 19, 20, 22, 24, 26, 27 मई को परिवर्तित मार्ग शाहगंज जंक्शन-अयोध्या कैन्ट जंक्शन-सुलतानपुर जंक्शन-मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन-फाफा मऊ जंक्शन।
- गाड़ी संख्या 11060 छपरा-एलटीटी एक्सप्रेस 16, 18, 21, 23, 25 मई को परिवर्तित मार्ग शाहगंज जंक्शन-अयोध्या कैन्ट जंक्शन-सुलतानपुर जंक्शन-मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन-फाफा मऊ जंक्शन।
- गाड़ी संख्या 11055 एलटीटी-गोरखपुर गोदान एक्सप्रेस 17, 18, 20, 22, 24, 25 मई को परिवर्तित मार्ग फाफा मऊ जंक्शन-माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन-अयोध्या कैन्ट जंक्शन-शाहगंज जंक्शन।
- गाड़ी संख्या 11059 एलटीटी-छपरा एक्सप्रेस 16, 19, 21, 23, 26 मई को परिवर्तित मार्ग फाफा मऊ जंक्शन-माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन-अयोध्या कैन्ट जंक्शन-शाहगंज जंक्शन।
- गाड़ी संख्या 19045 सूरत-थावे ताप्ति गंगा एक्सप्रेस 17, 18, 20, 21, 22, 24, 25 मई को परिवर्तित मार्ग ओहन केबिन-कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज जंक्शन-सुलतानपुर जंक्शन-अयोध्या कैन्ट जंक्शन-शाहगंज जंक्शन।
- गाड़ी संख्या 19046 थावे-सूरत ताप्ति गंगा एक्सप्रेस, 17, 19, 20, 22, 23, 24, 26, 27 मई को परिवर्तित मार्ग शाहगंज जंक्शन-अयोध्या कैन्ट जंक्शन-सुलतानपुर जंक्शन-प्रयागराज जंक्शन-कानपुर सेंट्रल-ओहन केबिन।
- गाड़ी संख्या 19321 इंदौर-पटना एक्सप्रेस, 16, 23 मई को परिवर्तित मार्ग लखनऊ-सुलतानपुर जंक्शन-जफराबाद जंक्शन।
- गाड़ी संख्या 22103 लोकमान्य तिलक-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस 18, 25 मई को परिवर्तित मार्ग फाफा मऊ जंक्शन-माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन-सुलतानपुर जंक्शन-अयोध्या कैन्ट जंक्शन।

रवींद्र भवन में सेमी क्लासिकल, इंडो-वेस्टर्न क्लासिकल नृत्य से बांधा समां

बच्चों की गणेश वंदना पर तालियों की गूंज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रवींद्र भवन में शनिवार को दीपा शी अकादमी द्वारा एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां नृत्य भक्ति-9 एकेडमी के बच्चों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश की वंदना से हुई, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। गणेश वंदना की प्रस्तुति बेहद आकर्षक रही।

नृत्य भक्ति एकेडमी के बच्चों ने गणेश वंदना, सेमी क्लासिकल एवं इंडो-वेस्टर्न क्लासिकल नृत्य प्रस्तुत किए। सभी प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। इन तीनों नृत्यों की कोरियोग्राफी नृत्य प्रशिक्षिका रश्मि सिंह द्वारा की गई।

भाजपा भोपाल जिले के प्रशिक्षण वर्ग का सीएम ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी का भोपाल जिले का दो दिवसीय पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग शनिवार से शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी कोलूखेड़ी स्थित सन स्काई मैरिज गार्डन में आयोजित दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग की प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया एवं सत्र को संबोधित किया। भारतीय जनता पार्टी के भोपाल जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह सहित वरिष्ठ नेता विभिन्न सत्रों में मार्गदर्शन देंगे। प्रशिक्षण वर्ग में पूर्व महापौर सुनील सूद भी शामिल हुए। उनकी प्रशिक्षण में शामिल होने की फोटो जमकर वायरल हुई।

लाइफ स्टाइल

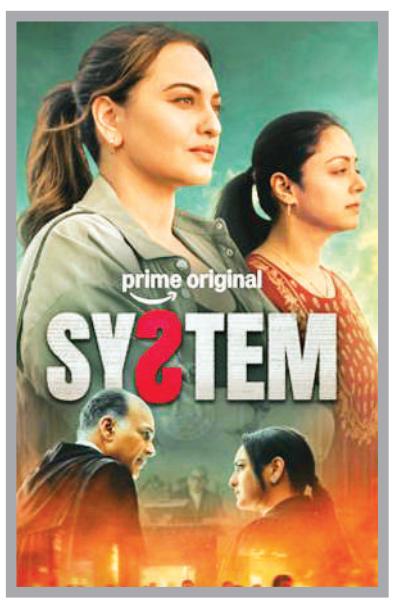

अन्याय का पर्दाफाश करने आईं सोनाक्षी...

मुंबई। सोनाक्षी सिन्हा की आगामी फिल्म 'सिस्टम' का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। यह एक कोर्टरूम थ्रिलर है, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री ज्योतिका भी मुख्य किरदार में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है, जिन्हें 'पंगा' और 'बरेली की बर्फी' के लिए जाना जाता है। वहीं निर्माण की कमान पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और स्मिता बलिगा ने मिलकर उठाई है। फिल्म हाई-प्रोफाइल और आत्मविश्वासी वकील और विशेषाधिकार की पृष्ठभूमि पर आधारित है। ट्रेलर में, सोनाक्षी ने 'नेहा राजवंश' नाम की वकील का किरदार निभाया है। उनके पिता के किरदार में निर्देशक आशुतोष गोवारिकर हैं। वहीं ज्योतिका 'सारिका रावत' के किरदार में हैं, जो कोर्ट स्टेनोग्राफर है।

अजय से ज्यादा फीस ले रहे अक्षय...

मुंबई। अजय देवगन की कॉमेडी फ्रैंचाइजी फिल्म 'गोलमाल' की 5वीं किस्त काफी चर्चा बटोर रही है। फैंस का उत्साह इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि फिल्म में अक्षय कुमार भी आधिकारिक तौर पर शामिल हो चुके हैं। फिलहाल इस वक्त फिल्म की शूटिंग जोर-शोर से चल रही है। इस बीच 'गोलमाल 5' से जुड़ा एक अपडेट आया है कि अक्षय करीब 18 से 22 दिनों के शूट के लिए मोटी फीस वसूल रहे हैं, जो अजय की अग्रिम फीस से ज्यादा है। एक बातचीत में, परियोजना से जुड़े एक सूत्र ने अक्षय की फीस के बारे में खुलासा किया है। उन्होंने कहा, अक्षय 18-22 दिनों तक शूटिंग कर रहे हैं और उन्हें लगभग 35-40 करोड़ रुपये मिल रहे हैं, जो अजय की अग्रिम फीस से ज्यादा है, क्योंकि उन्हें लाभ-साझाकरण के आधार पर भुगतान किया जा रहा है।

कान्स फेस्टिवल में छलके विन डीजल के आंसू...

लॉस एंजिल्स। 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में शामिल होने हॉलीवुड फिल्म 'द फास्ट एंड द फ्यूरियस' की टीम भी पहुंची। इस मौके पर विन डीजल, मिशेल रोड्रिग्ज, जॉर्डन ब्रूवर्स्टर, नील एच मोरिट्ज और मीडो वॉकर ने रेड कार्पेट पर शिरकत की और अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान खींच लिया। हालांकि, एक पल ऐसा आया, जब डीजल भावुक होते हुए अपने आंसुओं को नहीं रोक सके। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसे देखकर फैंस भी भावुक हो रहे हैं। दरअसल, 'फास्ट एंड फ्यूरियस' की 25वीं सालगिरह पर डीजल अपने दिवंगत सह-कलाकार पॉल वॉकर को याद करके भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी में वॉकर का महत्व फिल्म में लिखी गई स्क्रिप्ट से ज्यादा बढ़ गया है।

टीवी मसाला

टीआरपी लिस्ट में हिला अनुपमा का सिंहासन, नंबर-1 पर वसुधा का कब्जा

मुंबई। टीवी की दुनिया में इस हफ्ते टीआरपी लिस्ट ने बड़ा उलटफेर कर दिया है। जहां लंबे समय से दर्शकों के दिलों पर राज कर रहे 'अनुपमा' और 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' अपनी जगह से खिसकर नीचे आ गए हैं। वहीं दूसरी तरफ एक नए शो ने जबरदस्त ट्विस्ट और दमदार कहानी से नंबर-1 पर अपनी जगह बना ली है।

नंबर 1 पर है, 'वसुधा': जी टीवी पर आने वाले इस शो वसुधा ने लोगों का दिल जीत लिया है। ये शो इस सप्ताह पहले नंबर पर है। गांव की लड़की और अमीर बिजनेसमैन की प्रेम कहानी पर आधारित ये शो लोगों के दिलों पर राज कर दिया है। शो को 2.0 रेटिंग मिली है।

दूसरे नंबर पर है, 'गंगा माई की बेटियां' : सरगुन मेहता के प्रोडक्शन में बना ये शो गंगा माई की बेटियां दूसरे नंबर पर काबिज है। शो को इस हफ्ते 1.7 रेटिंग मिली है। ये शो भी लोगों के दिलों में जगह बना रहा है।

तीसरे नंबर पर क्योंकि सास भी कभी बहु थी : एकता कपूर के शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' इस बार अपनी जगह से हट चुका है। स्मृति ईरानी के इस शो की रैंकिंग में इस बार गिरावट देखी जा रही है। शो पहले नंबर से हटकर सीधा तीसरे स्थान पर पहुंच गया है. रेटिंग 1.7 है।

चौथे नंबर पर तुम से तुम तक : पॉपुलर शो तुम से तुम तक इस बार चौथे नंबर पर है। इस शो ने अनुपमा जैसे बड़े शो को पछाड़कर ऊपर जगह बना ली है। शो की रेटिंग 1.6 है।

अनुपमा को लगा झटका 5वें नंबर पर पहुंचा : टीवी के चहीते शो अनुपमा को तो इस बार बड़ा झटका लगा है। रुपाली गांगुली का ये पॉपुलर शो जो हमेशा नंबर 1 पर बना रहता है। इस बार ये शो पांचवें नंबर पर पहुंच गया है। कभी ये शो लोगों को दिलों पर राज करता था। आज शो की रेटिंग 1.5 है।

'लाफ्टर शेफ 3 सहित अन्य शो की रेटिंग

लॉफ्टर शेफ 3 ने इस बार लंबी छलांग लगाई है। कॉमेडी और कुकिंग के मिक्सचर वाले इस शो ने फिर से दिलों पर राज करना शुरू कर दिया है। भारती सिंह और शेफ हरपाल सिंह का शो इस बार छठे स्थान पर है। वहीं नागिन 7 अब बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इस हफ्ते शो सातवें स्थान पर है। ये रिश्ता क्या कहलाता है आठवें नंबर पर काबिज है। शो को इस बार 1.4 रेटिंग मिली है। वहीं दूसरी ओर टीवी का पॉपुलर शो उड़ने की आशा इस बार नौवां नंबर पर पहुंच गया है। शो की रेटिंग 1.4 है। शो आज अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। वहीं एकता कपूर का शो स्पिन-ऑफ शो क्योंकि रिश्तों के भी रूप बदलते हैं, इस बार टीआरपी लिस्ट में शामिल हो चुका है। 1.4 रेटिंग के साथ यह शो दसवें नंबर पर है।

'खतरों के खिलाड़ी 15' में गौरव खन्ना को किस बात का डर?

मुंबई। टीवी के जाने-माने अभिनेता गौरव खन्ना आज रियलिटी शोज का बड़ा नाम बन चुके हैं। पहले उन्होंने फराह खान के शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ्स' के पहले सीजन का खिताब जीता। फिर सलमान खान के सबसे बड़े रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 19वें सीजन का विजेता बने। अब गौरव का अगला कदम स्टंट आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' है, जिसमें आने के लिए वह तैयार हैं। हालांकि, शो में आने से पहले उन्होंने अपनी सबसे बड़ी चिंता पर बात की।

'खतरों के खिलाड़ी' को लेकर जाहिर की उत्सुकता

एक बातचीत में, गौरव ने रोहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की, लेकिन अपनी सबसे बड़ी चिंता का खुलासा भी किया। उन्होंने कहा कि शो में जाने से पहले उनकी सबसे बड़ी चिंताओं में से एक उनका 'कलर ब्लाइंड' होना है। वह अन्य शारीरिक चुनौतियों से भी जूझ रहे हैं। गौरव को डर है कि इसका असर शो के दौरान उनके कुछ स्टंट टास्क पर पड़ सकता है।

खुद को अपना प्रतिद्वंदी मानते हैं गौरव

अभिनेता ने कहा कि जिंदगीभर इस समस्या के साथ जीने और इसे संभालने का अनुभव होने के कारण, वह इस चुनौती का सामना करने और यह जानने के लिए उत्साहित हैं कि वह खुद को कितना आगे ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह अन्य प्रतियोगी की बजाए खुद को अपना सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी मानते हैं। टबता दें, शो की तारीख सामने नहीं आई है, लेकिन इसमें रुबीना दिलैक, ऋत्विक धनजानी और अविका गौर समेत कई सितारे नजर आएंगे।

मां बनने के बाद भी बरकरार इन अभिनेत्रियों का स्टारडम, टूटा बॉलीवुड का सालों पुराना 'मिथक'

मुंबई। बॉलीवुड में एक दौर था, जब माना जाता था कि अभिनेत्री का करियर मां बनने के बाद ढलान पर आ जाता है, लेकिन आज की पीढ़ी ने इस धारणा को बदल दिया है। समकालीन भारतीय सिनेमा में मातृत्व अब करियर का 'फुल स्टॉप' नहीं, बल्कि सशक्त पारी की शुरुआत बन गया है। मातृत्व दिवस पर हम आपको उन अभिनेत्रियों के बारे में बताएंगे, जिन्होंने मां बनने के बाद अपने करियर को नई दिशा दी और सफलता की मिसाल पेश की।

दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा

दीपिका पादुकोण के लिए मां बनना करियर में रुकावट नहीं। 'जवान' और 'पठान' जैसी फिल्मों के साथ वो अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स और अपने प्रोडक्शन हाउस को संभाल रही हैं। साथ ही फिल्म इंडस्ट्री में मांओं के लिए 8 घंटे की शिफ्ट की वकालत भी कर रही हैं। उधर प्रियंका चोपड़ा ने दिखाया है कि वैश्विक करियर और मातृत्व साथ चल सकते हैं। हॉलीवुड फिल्में, बिजनेस और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के बीच प्रियंका बेटी की परवरिश के साथ हर मोर्चे पर सक्रिय हैं।

करीना कपूर और आलिया भट्ट

करीना कपूर ने साबित किया कि मां बनने के बाद ब्रेक लेना जरूरी नहीं। 'गुड न्यूज' और 'जाने जां' जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी तक पर अपनी धाक जमाए रखी। आलिया भट्ट आज की पीढ़ी की उन मांओं का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो एक साथ कई मोर्चे संभाल रही हैं। मां बनने के बाद भी वो बड़े बजट की फिल्मों के साथ अपने प्रोडक्शन हाउस 'एटरनल सनशाइन' और अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स को बखूबी संभाल रही हैं।

नेहा धूपिया और जेनेलिया डिसूजा

नेहा धूपिया ने दूसरी प्रेग्नेंसी में फिल्म 'ए थर्सडे' की शूटिंग कर दिखाया कि मातृत्व करियर की बाधा नहीं है। वो कामकाजी मांओं के अधिकारों के लिए भी खुलकर आवाज उठाती हैं। दूसरी ओर जेनेलिया डिसूजा ने खुद की प्रोड्यूस की हुई फिल्म 'वेड' से पर्दे पर सफल वापसी की और अब उनकी 'राजा शिवाजी' धूम मचा रही है। फिल्मों के साथ-साथ जेनेलिया 'इमेजिन मीट्स' ब्रांड के जरिए एक सफल उद्यमी के रूप में भी अपनी पहचान बना रही हैं।

रानी मुखर्जी और ऐश्वर्या राय

रानी मुखर्जी के लिए मातृत्व करियर का मजबूत पड़ाव साबित हुआ। उन्होंने 'हिचकी', 'मर्दानी' फ्रैंचाइजी और 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' जैसी फिल्मों से साबित किया कि मां बनने के बाद भी अभिनेत्री अपने दम पर फिल्में हिट करा सकती है। उधर ऐश्वर्या राय ने 'सरबजीत' से लेकर 'पोन्नियिन सेलवन' तक मां बनने के बाद भी दमदार किरदार निभाए। कान्स फिल्म फेस्टिवल जैसे तमाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनकी मजबूत मौजूदगी दिखाती है कि मातृत्व ने उनके स्टारडम को और निखारा है।

नेटफ्लिक्स पर आते ही कुछ ही मिनटों में सर्वर हो गया क्रैश

'धुरंधर 2' का पाक में 'आतंक', 12 बजते ही टूट पड़ी जनता; मिनटों में नेटफ्लिक्स क्रैप

मुंबई। रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' ने रिलीज होते ही सरहद पार तहलका मचा दिया है। पाकिस्तान में फिल्म को लेकर दीवानगी का आलम ये रहा कि नेटफ्लिक्स पर आते ही कुछ ही मिनटों में सर्वर क्रैश हो गया। फिल्म की कहानी को लेकर वहां विवाद और बहस तो छिड़ी है, लेकिन दीवानगी ऐसी है कि लोग इसे देखने के लिए टूट पड़े हैं। सोशल मीडिया पर एक पाकिस्तानी रिव्यूअर का वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है।

पाक में भारी भीड़ के कारण सर्वर हुआ ठप

'धुरंधर 2' पाकिस्तान में पहले ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे चुकी है। पाकिस्तान में इसे लेकर दीवानगी का आलम यह था कि भारी ट्रैफिक के कारण रिलीज के कुछ ही मिनटों के भीतर नेटफ्लिक्स का सर्वर क्रैश हो गया। हालांकि, सोशल मीडिया पर कई पाकिस्तानी नागरिक इस फिल्म की आलोचना भी कर रहे हैं और इसे 'प्रोपेगेंडा' करार दे रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद फिल्म को देखने के लिए वहां जबरदस्त होड़ मची हुई है।

कैसे 'धुरंधर 2' ने डाउन किया नेटफ्लिक्स

पाकिस्तानी कंटेंट क्रिएटर माविया उमर फारूकी ने एक वीडियो साझा कर दावा किया है कि पाकिस्तान में 'धुरंधर 2' के प्रीमियर होते ही नेटफ्लिक्स का सर्वर क्रैश हो गया। वीडियो में उन्हें ये कहते सुना गया, पाकिस्तान में आज ही 'धुरंधर 2 रिलीज हुई और सर्वर क्रैश हो गया। पाकिस्तानी इंतजार ही कर रहे थे कि कब रात के 12 बजें, नेटफ्लिक्स फिल्म डाले और सब एक साथ मिलकर क्लिक करें। इस तरह 'धुरंधर' का शौक देखा गया है इधर।

सच हो या झूठ, हमें बस देखना है

माविया ने वीडियो में आगे कहा, अब सच या झूठ कुछ भी दिखाया गया हो, वो अलग बात है, लेकिन पाकिस्तानी ये देखना चाहते हैं कि फिल्म बनी कैसी है। रणवीर सिंह का किरदार कैसा है, यह तो सबको पता है। लयारी में सच में ऐसा हुआ था या नहीं, वह बाद की बात है। उनका इशारा फिल्म की कहानी और उसके ऐतिहासिक तथ्यों की ओर था, जिसे लेकर पाकिस्तान में काफी बहस छिड़ी हुई है।'

पेड्डी' से दिव्येंदु की आई पहली झलक खलनायक बनकर मचाएंगे तहलका

मुंबई। सुपरस्टार राम चरण की फिल्म 'पेड्डी' सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोर रही है। 'गेम चेंजर' (2025) के बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होने के बाद लोग उनकी इस फिल्म से काफी उम्मीदें लगाए बैठे हैं। फिल्म में जाह्नवी कपूर मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी। इसके अलावा एक और बॉलीवुड अभिनेता हैं, जो 'पेड्डी' में तहलका मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यह वेब सीरीज 'मिर्जापुर' वाले दिव्येंदु हैं, जिनकी फिल्म से पहली झलक आ गई है। पोस्टर में दिव्येंदु को 'रामबुज्जी' के किरदार में पेश किया गया है। फिल्म में उन्हें ग्रामीण आंध्र प्रदेश की क्रिकेट से भरी दुनिया में अपना दबदबा बनाए रखने वाले एक निर्मम खलनायक के रूप में देखा जाएगा। पोस्टर में उनका जोशीला और तीव्र लुक देखने को मिला है, जो कहानी में एक रोमांचक, प्रतिद्वंद्वी और गंभीर टकराव होने का संकेत देता है। फिल्म का ट्रेलर 18 मई को रिलीज होगा, जबकि ये 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सीजेआई की टिप्पणी पर बढ़ा विवाद तो सफाई पेश की

मेरी टिप्पणी को तोड़-मरोड़ कर मीडिया में पेश किया गया, मुझे देश के युवाओं पर गर्व, देशभर का हर युवा मुझे प्रेरित कर रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीजेआई सूर्यकांत की शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में की गई एक टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया। इसके बाद सीजेआई ने इस मुद्दे पर अपनी सफाई दी है। मुख्य न्यायाधीश ने युवाओं के बारे में अपने बयान पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि मीडिया के एक वर्ग ने इसे गलत तरीके से पेश किया था।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कोर्ट में कहा था कि कुछ बेरोजगार युवा मीडिया, सोशल मीडिया यूजर्स, आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य कार्यकर्ता कॉकरोच की तरह बन जाते हैं और फिर व्यवस्था पर हमला करना शुरू कर देते हैं।

मैंने फर्जी डिग्री वालों के लिए वे शब्द कहे थे

मैंने युवाओं के लिए वह टिप्पणी नहीं की थी

मुझे यह पढ़कर बहुत दुख हुआ कि मीडिया के एक वर्ग ने कल एक मामले की सुनवाई के दौरान मेरे मौखिक विचारों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है। मैंने खास लोगों पर बात की थी

मेरे मौखिक विचारों को गलत तरीके से पेश किया

अब इस पर सफाई देते हुए सीजेआई ने कहा कि मुझे यह पढ़कर बहुत दुख हुआ कि मीडिया के एक वर्ग ने कल एक मामले की सुनवाई के दौरान मेरे मौखिक विचारों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है। मैंने विशेष रूप से उन लोगों की आलोचना की थी जिन्होंने फर्जी और फर्जी डिग्रियों की मदद से वकालत जैसे पेशे में प्रवेश किया है। ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य प्रतिष्ठित पेशों में भी घुसपैठ कर चुके हैं और इसलिए वे परजीवियों के समान हैं।

युवाओं को विकसित भारत के स्तंभ के रूप में देख रहा

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि मुझे हमारे वर्तमान और भविष्य के मानव संसाधन पर गर्व है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारतीय युवा मेरे प्रति बहुत आदर और सम्मान रखते हैं और मैं भी उन्हें एक विकसित भारत के स्तंभ के रूप में देखता हूं।

सीनियर एडवोकेट की आक्रामकता पर हमने लगाई थी फटकार

सीजेआई की विवादित टिप्पणी एक याचिका की सुनवाई के दौरान आई थी जो एक वकील को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिए जाने से जुड़ी थी। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता वकील को सीनियर एडवोकेट का दर्जा पाने के लिए आक्रामक तरीके से पैरवी करने पर फटकार लगाई थी। अदालत ने उनके आचरण पर भी सवाल उठाए थे जिसमें फेसबुक पर कथित तौर पर इस्तेमाल की गई भाषा को लेकर भी आपत्ति जताई गई।

समाज में कुछ विशेष परिजीवी मौजूद...

वकील के सोशल मीडिया पर किए गए आचरण का जिक्र करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी मौजूद हैं जो व्यवस्था पर हमला करते हैं और आप उनके साथ हाथ मिलाना चाहते हैं? सीजेआई ने कहा था कि कॉकरोच की तरह कुछ युवा ऐसे हैं जिन्हें न तो रोजगार मिलता है और न ही पेशे में कोई स्थान। उनमें से कुछ मीडिया में चले जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया कार्यकर्ता बन जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य कार्यकर्ता बन जाते हैं और वे हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं।

युवाओं पर जताया अटूट भरोसा

सीजेआई ने दावों को पूरी तरह आधारहीन और मनगढ़ंत बताया। उन्होंने युवा शक्ति की सराहना करते हुए कहा कि यह सुझाव देना बेबुनियाद है कि मैंने हमारे देश के युवाओं की आलोचना की। मुझे उन पर अटूट भरोसा है।

खबर संक्षेप

अकुशल श्रमिकों को अब 13,018 रु. मिलेगा: धामी

देहरादून। उत्तराखंड में श्रमिकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। धामी सरकार ने श्रमिकों का न्यूनतम वेतन बढ़ाया है। अकुशल श्रमिकों को अब 13,018 रुपए वेतन मिलेगा। अर्ध-कुशल श्रमिकों को 16,900 रुपए मिलेगा। नई वेतन दरें एक अप्रैल 2026 से लागू होंगी। इसके अलावा ओवरटाइम, बोनस और अन्य लाभ भी प्रदान किए जाएंगे।

आजम को 2 साल कैद और 20 हजार जुर्माना

रामपुर। सपा नेता आजम खां को तत्कालीन डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में रामपुर की कोर्ट ने 2 साल की कैद और 20 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भोट थाना क्षेत्र में दर्ज था। आरोप था कि प्रचार के दौरान सपा नेता ने तत्कालीन जिलाधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

आजमगढ़ में एक्सीडेंट 5 की मौके पर ही मौत

आजमगढ़। यूपी के आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में कई लोगों के घायल होने की सूचना है। थाना कंधरापुर क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 238 के पास ये हादसा हुआ। तेज रफ्तार वाहनों की टक्कर से ये हादसा हुआ। प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य किया।

विभाग बंटे, सीएम विजय ने रखा गृह व प्रशासन

चेन्नई। तमिलनाडु के सीएम सी. जोसेफ विजय की अध्यक्षता वाली कैबिनेट में मंत्रियों के विभागों की घोषणा कर दी गई है। विजय ने गृह, पुलिस और महिला एवं बाल कल्याण सहित कुछ सबसे शक्तिशाली विभागों को बरकरार रखा है। केए सेंगोत्तैयान को वित्त के साथ पेंशन और भत्ते का प्रभार सौंपा गया है।

पश्चिम बंगाल की सत्ता संभालने के बाद सीएम सुवेंदु के बदले तेवर

दंगाइयों से की जाएगी नुकसान की वसूली कोई भी हिंसा व अपराध नहीं होगा बर्दाश्त

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली होगी

पश्चिम बंगाल की सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कई बड़े ऐलान किए। आसनसोल में हुई हालिया तोड़फोड़ की घटना पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों को कड़ी चेतावनी दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उपद्रवियों को पुलिस हिरासत और रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। इसके अलावा, सरकारी संपत्ति को हुए नुकसान की पूरी भरपाई सीधे तौर पर आरोपियों की व्यक्तिगत संपत्ति से की जाएगी। उन्होंने कहा कि फाल्टा में दोबारा मतदान कराया जाएगा। वहां के लोगों को पिछले 10 साल से वोट नहीं डालने दिया गया है। इस कदम से वहां के मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली होगी।

राजनीतिक हिंसा, अपराधों में तुरंत एफआईआर दर्ज होगी

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी

मुख्यमंत्री अधिकारी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि वह अतीत को भूले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हम कार्यकर्ताओं पर हुए टीएमसी के अत्याचारों को भूले नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस को निर्देश दिया है कि पिछली राजनीतिक हिंसा और अपराधों के मामलों में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए। इसके साथ ही उन्होंने केंद्रीय योजनाओं के फंड में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच के भी आदेश दिए हैं। केंद्रीय योजनाओं के धन के दुरुपयोग को लेकर पुलिस को शिकायत दर्ज करने को कहा गया है।

ओबीसी सूची कानून के मुताबिक नहीं

मई 2024 में कलकत्ता हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने वर्ष 2010 के बाद बंगाल में जारी सभी ओबीसी प्रमाणपत्रों को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया था। अदालत ने कहा था कि 2010 के बाद तैयार की गई ओबीसी सूची कानून के मुताबिक नहीं थी। पिछले वर्ष दिसंबर में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) ने पश्चिम बंगाल की 35 जातियों को केंद्रीय ओबीसी सूची से बाहर कर दिया था।

मुख्यमंत्री ने मिथुन दादा की सराहना की

मुख्यमंत्री ने अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि मिथुन चक्रवर्ती ने बंगाल में बदलाव लाने के लिए लगभग छह साल तक कड़ी मेहनत की है। वह बंगाल और पूरे देश के एक बेहद लोकप्रिय व्यक्तित्व हैं।

ममता के 15 साल के राज की होगी जांच, निर्देश जारी

1.69 करोड़ लोगों को दिया गया ओबीसी, एससी-एसटी सर्टिफिकेट, सत्यापन होगा

सरकार ने राज्य में पिछले 15 वर्षों के दौरान जारी किए गए सभी पिछड़ा वर्ग प्रमाणपत्रों की दोबारा जांच कराने का फैसला लिया है। पिछड़ा वर्ग विकास विभाग ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि वे 2011 से 2026 तक जारी एससी, एसटी और ओबीसी प्रमाणपत्रों का पुनः सत्यापन करें।

अवैध प्रमाण पत्र लेने वालों पर होगी कार्रवाई

विभाग ने जिला अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि यदि किसी व्यक्ति ने फर्जी दस्तावेज देकर अवैध तरीके से ओबीसी या अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाणपत्र हासिल किया है, तो कड़ी कार्रवाई की जाए।

अनियमितताओं की शिकायत के बाद सख्ती

सभी 1.69 करोड़ प्रमाणपत्रों की जांच इसलिए की जा रही है ताकि कोई भी व्यक्ति गलत तरीके से आरक्षण जैसी सुविधाओं का लाभ न उठा सके। पिछली सरकार के दौरान अनियमितता की गई है।

अभिषेक की कंपनी पर भी कसेगा शिकंजा

सुवेंदु ने कहा कि उनके पास अभिषेक बेनर्जी की कंपनी 'लिप्स एंड बाउंड्स' की संपत्तियों की पूरी सूची आ चुकी है। इसकी संपत्तियों की गहराई से जांच की जाएगी।

टीएमसी में आंतरिक फूट पर बोलीं ममता

जिसे जाना हो तो जाए, मैं पार्टी को दोबारा से मजबूत कर लूंगी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी शिकस्त को आखिरकार पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने इस हार को स्वीकार करते हुए अपने कार्यकर्ताओं से दोबारा पार्टी मजबूत करने का आग्रह किया। ममता ने कालीघाट स्थित अपने आवास पर पार्टी बैठक की, जिसमें चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी शामिल हुए। ममता ने बैठक में प्रत्याशियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हाल के हुए विधानसभा चुनाव में हार के बाद उनकी पार्टी फिर मजबूत होगी। टीएमसी छोड़ने वाले स्वतंत्र हैं। जो दूसरी पार्टियों में जा रहे हैं, जाएं।

कालीघाट आवास पर की बैठक

टीएमसी ने कालीघाट आवास पर यह बैठक उन उम्मीदवारों के लिए आयोजित की थी, जो हाल के चुनावों में मैदान में उतरे थे। यह बैठक पार्टी में आतंरिक असंतोष की खबरों और चुनाव परिणामों के बाद संभावित दलबदल की अटकलों के बीच हुई। ममता की ये टिप्पणियां तब आईं जब उन्हें परिणाम घोषित होने के एक दिन बाद ही थीं इस बात पता लगा था कि कुछ नेता पाला बदल सकते हैं। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, मुझे पता है कि कई लोग दूसरी पार्टी ज्वाइन करने के लिए टीएमसी छोड़ देंगे। उनकी अपनी मजबूरियां हो सकती हैं। इस बारे में मुझे कुछ नहीं कहना है, जो जाना चाहता है जा सकता है।

अभिषेक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

शाह को धमकी और भड़काऊ भाषण देने का आरोप

टीएमसी सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के भतीजे अभिषेक बेनर्जी की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान कथित भड़काऊ और आपत्तिजनक भाषण देने के मामले में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। डायमंड हार्बर के सांसद के खिलाफ राजीव सरकार नामक एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा दायर शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अभिषेक ने चुनाव प्रचार के दौरान कई स्थानों पर भड़काऊ भाषण दिए थे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी दी थी। सामाजिक कार्यकर्ता राजीव सरकार ने 5 मई को चुनाव नतीजे घोषित होने के एक दिन बाद यह शिकायत दर्ज कराई थी।

आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू सरकार का बड़ा फैसला

तीसरे बच्चे के जन्म पर 30 तो चौथे पर पाएं 40 हजार कैश

एजेंसी ▶▶ अमरावती

आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू सरकार प्रदेश के लोगों के लिए नई स्कीम लेकर आई है, जिसे सुनकर आप हैरान होंगे। सरकार अब तीसरे बच्चे पर 30,000 और चौथे बच्चे के जन्म पर 40,000 रुपए देगी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने तीसरे और चौथे बच्चे के जन्म पर नकद प्रोत्साहन राशि की घोषणा की है। नरसन्नापेटा में आयोजित स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र कार्यक्रम में नायडू ने राज्य में घटती जनसंख्या वृद्धि पर चिंता व्यक्त की और कहा कि बच्चों को राष्ट्र की संपत्ति के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि बोझ के रूप में।

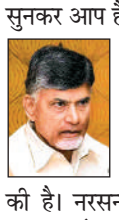

घटती जनसंख्या पर जताई चिंता

नरसन्नापेटा में 'स्वर्ण आंध्र–स्वच्छ आंध्र' कार्यक्रम के दौरान नायडू ने राज्य में घटती जनसंख्या वृद्धि दर पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, बच्चों को बोझ नहीं, बल्कि देश की संपत्ति माना जाना चाहिए। जनसंख्या बढ़ाने को प्रोत्साहित करने नई घोषणा की है।

सीबीएसई ने लिया बड़ा फैसला

9वीं और 10वीं में अब 3 भाषाएं पढ़ना अनिवार्य तीसरी अतिरिक्त भाषा की नहीं होगी बोर्ड परीक्षा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9वीं और 10वीं के छात्रों के लिए तीन-भाषा नियम लागू करने की घोषणा की है। इस नए नियम के तहत अब विद्यार्थियों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें से कम से कम दो भारतीय भाषाओं का होना अनिवार्य होगा। बोर्ड ने इस संबंध में सभी संबद्ध स्कूलों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं और अब भाषा की पढ़ाई एनसीईआरटी के नए पाठ्यक्रम के आधार पर कराई जाएगी। छात्रों के पास विदेशी भाषा चुनने का विकल्प रहेगा, लेकिन इसे केवल तीसरी या चौथी अतिरिक्त भाषा के रूप में ही चुना जा सकेगा। अंग्रेजी या किसी भी विदेशी भाषा को मुख्य भारतीय भाषाओं के स्थान पर नहीं रखा जा सकता। स्कूलों को अपनी सुविधा और शिक्षकों की उपलब्धता के अनुसार भाषाओं का चयन करने की छूट दी गई है, लेकिन इसके लिए 31 मई 2026 तक का समय तय किया गया है। राहत की बात यह है कि तीसरी भाषा के लिए कोई बोर्ड परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। इसका मूल्यांकन स्कूल स्तर पर आंतरिक (इंटरनल) रूप से होगा, हालांकि इसके अंकों का विवरण सीबीएसई के फाइनल सर्टिफिकेट में दर्ज किया जाएगा। तीसरी भाषा में प्रदर्शन के आधार पर किसी भी छात्र को 10वीं की बोर्ड परीक्षा में बैठने से नहीं रोका जाएगा।

फाइल फोटो

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा

21 की बैठक पर टिकी सबकी निगाहें, 'बदलाव' की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बंगाल और असम चुनाव में शानदार जीत के बाद अब केंद्र में एक बड़े फेरबदल की अटकलें हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम की घोषणा के बाद सरकार में भी बड़े बदलाव संभव हैं। प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण के बाद से केंद्रीय मंत्रिमंडल में कोई विस्तार या फेरबदल नहीं हुआ है, इसलिए इस बार बड़े बदलाव की उम्मीद की जा रही है।

बैठक होना असामान्य बात नहीं

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 21 मई को होने वाली मंत्रिपरिषद की बैठक ने इन अटकलों को और हवा दे दी है। एक सरकारी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि मंत्रिपरिषद की बैठकें नियमित अंतरालों पर होती रहती हैं। देश मध्य पूर्व के संकट से उत्पन्न चुनौतियों से निपट रहा है, बैठक होना कोई असामान्य बात नहीं है।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने पुणे से लौटकर दिल्ली में ली बैठक

आईसीएआर के 113 संस्थानों का होगा औचक निरीक्षण और तय होंगे परफार्मेंस के पैरामीटर

राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान संस्थान के निदेशक को कारण बताओ नोटिस

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सख्त रुख अपनाते हुए पुणे स्थित आईसीएआर के राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान संस्थान के निदेशक को कारण बताओ नोटिस देने के आदेश दिए हैं। निदेशक के ढील पोल पर चौहान ने नाराजगी जतायी है। शिवराज सिंह ने निर्देश दिया कि राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान संस्थान, पुणे के निदेशक डॉ. कौशिक बनर्जी को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए और जवाब संतोषजनक न पाए जाने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाए।

साथ ही, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि संस्थानों में निदेशक नियुक्ति की प्रक्रिया, वैज्ञानिकों की नियुक्ति व्यवस्था तथा प्रशासनिक और वैज्ञानिक नेतृत्व के चयन तंत्र पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण उन्हें उपलब्ध कराया जाए, ताकि प्रणालीगत सुधार के लिए समग्र समीक्षा की जा सके।

परिमाणों को लेकर स्पष्ट जबावदेही तय की

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अध्यक्ष के रूप में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आईसीएआर के महानिदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक लेकर संस्थानों की कार्यप्रणाली, जवाबदेही, गुणवत्ता और किसानोन्मुख परिणामों को लेकर स्पष्ट और सख्त दिशा तय की।

14 से 18 आयु वर्ग के 2 करोड़ बच्चे स्कूल से बाहर, चिंतित शिक्षा मंत्रालय ने की समीक्षा बैठक

एनआईओएस के साथ बच्चों को फिर से स्कूल से जोड़ने की पहल को युद्धस्तर पर देशभर में लागू करने का लिया निर्णय

पहले चरण में देश के 10 जिलों को किया जाएगा शामिल राजधानी दिल्ली, मप्र, छत्तीसगढ़ में भी गंभीर हैं हालात

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पहले कोरोना महामारी और उसके बाद अलग-अलग कारणों से स्कूलों से दूर होते बच्चों को फिर से वापस लाने के बेहद संवेदनशील मामले को लेकर शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय में स्कूली शिक्षा विभाग के सचिव संजय कुमार की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय बैठक हुई। वर्तमान में 14 से लेकर 18 वर्ष तक की आयु वर्ग के कुल करीब 2 करोड़ बच्चे स्कूलों से बाहर हैं। वहीं, कक्षा 1 में दाखिला लेने वाले 100 में से केवल 62 बच्चे ही 12वीं कक्षा तक पहुंच पाते हैं।

शुरुआत में 10 जिलों में लागू होगी पहल

एनआईओएस के अध्यक्ष प्रोफेसर अखिलेश मिश्रा ने कहा, शिक्षा आशा, गरिमा और अवसर का प्रतीक है। अब इस बाबत शुरू की जा रही पहल को उन्होंने शैक्षिक समावेशन का एक ऐसा जन आंदोलन बताया। जिसका उद्देश्य लचीले, समावेशी शैक्षिक माध्यमों के जरिए बच्चों तथा युवाओं को सीखने के अवसरों तक फिर से जोड़ना है। सचिव ने इस पहल के ढांचे के बारे में बैठक में ऑनलाइन प्रस्तुति भी दी। यह योजना शुरुआत में 10 जिलों में लागू होगी।

ओपन स्कूल की अहम भूमिका

मंत्रालय में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने बच्चों के द्वारा अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ने के मामले को बेहद गंभीर माना और कहा कि इसके पीछे आर्थिक कारण, घरेलू मजबूरियां और आजीविका से जुड़ी हुई चुनौतियां हो सकती हैं। हर बच्चे को कम से कम माध्यमिक या उच्च-माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा तो मिलनी ही चाहिए। इसमें ओपेन स्कूल की भूमिका अहम है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की चेतावनी

पाक तय करे वो भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को बहुत सख्त लहजे में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ साजिशें रचना जारी रखता है, तो उसे एक बड़ा फैसला लेना होगा। पाकिस्तान को यह तय करना होगा कि वह भविष्य में दुनिया के नक्शे (भूगोल) पर रहना चाहता है या सिर्फ इतिहास का हिस्सा बनकर रह जाना चाहता है। जनरल द्विवेदी ने यह बात नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में 'यूनिफॉर्म अनवेल्ड' के एक सत्र में भारत के खिलाफ उसकी नापाक हरकतों पर प्रतिक्रिया के संदर्भ में कही।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी

आतंकियों को पनाह देना बंद करे पाकिस्तान

आर्मी चीफ ने कहा कि पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर जैसी स्थिति फिर बनी तो भारतीय सेना उसी तरह या उससे भी मजबूत जवाब देगी

भारत आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेगा

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से पूछा गया था कि अगर पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर को जन्म देने वाली परिस्थितियां फिर से उत्पन्न होती हैं तो भारतीय सेना कैसे प्रतिक्रिया देगी? इसका जवाब देते हुए आर्मी चीफ ने कहा कि पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर जैसी स्थिति फिर बनी तो भारतीय सेना उसी तरह या उससे भी मजबूत जवाब देगी। सेना प्रमुख ने सीधे तौर पर कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ काम करना जारी रखता है, तो उन्हें यह तय करना होगा कि वो भूगोल का हिस्सा बनना चाहता हैं या इतिहास का। जनरल द्विवेदी की यह संक्षिप्त टिप्पणी पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चेतावनी है। उनका यह संदेश पाकिस्तान के लिए साफ चेतावनी है कि भारत आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेगा।

पाक को बदलनी होगी नीति

आर्मी चीफ का यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मना रहा है। सेना संवाद कार्यक्रम में आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी नीति बदलनी होगी।

पिछले साल शुरू हुआ था ऑपरेशन सिंदूर

बता दें, पिछले साल सात मई को ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत हुई थी। यह ऑपरेशन पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के जवाब में शुरू हुआ था। इस दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ हमले की कोशिश की थी। जोकि नाकाम रहे। भारत ने उन सभी हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया। दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच यह सैन्य संघर्ष लगभग 88 घंटों तक चला था। 10 मई की शाम को दोनों पक्षों के बीच एक आपसी समझ बनने के बाद यह संघर्ष रुका था। सेना प्रमुख के इस ताजा बयान ने साफ कर दिया है कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ा रहा बांग्लादेश

ब्यूरोक्रेट्स की ट्रेनिंग के लिए मसूरी की जगह चुना लाहौर

भारत और बांग्लादेश में संबंधों में तनाव के चलते बांग्लादेशी सिविल सेवकों के प्रशिक्षण केंद्र के लिए ढाका ने मसूरी की जगह लाहौर को चुना है। बांग्लादेश के बारह नौकरशाह लाहौर स्थित सिविल सर्विसेज एकेडमी में प्रशिक्षण (4-21 मई) ले रहे हैं। बांग्लादेश के मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि एक अतिरिक्त सचिव और 11 संयुक्त सचिव प्रशिक्षण ले रहे हैं। अधिकारियों के प्रशिक्षण का सारा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है।

लाहौर पहुंचे बांग्लादेशी अधिकारी

खबर संक्षेप

मारा गया आईएसआईएस का कमांडर अबू मिनुकी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि अमेरिकी सेना ने नाइजीरिया में आईएसआईएस के दूसरे सबसे बड़े वैश्विक कमांडर अबू-बिलाल अल-मिनुकी को खत्म कर दिया है। यह आतंकी पूरी दुनिया में आईएसआईएस का दूसरा सबसे बड़ा नेता माना जाता था। ट्रंप ने बताया कि यह एक बहुत ही जटिल और सुनियोजित मिशन था। अमेरिकी सेना और नाइजीरियाई सशस्त्र बलों ने मिलकर इस ऑपरेशन को पूरी सटीकता के साथ अंजाम दिया। ट्रंप ने अल-मिनुकी को दुनिया का सबसे सक्रिय आतंकवादी बताया।

इराक के नए पीएम बने जैदी, भारत ने दी बधाई

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने इराक के नए पीएम को बधाई देते हुए दोनों देशों की साझा तरक्की और खुशहाली के लिए मिलकर काम करने की उम्मीद जताई। इसके साथ ही अल-जैदी इराक के सबसे युवा पीएम बन गए हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि अली फलीह कदीम अल-जैदी को इराक के पीएम का पद संभालने पर बहुत-बहुत बधाई। भारत इराक के साथ अपने पुराने और दोस्ताना रिश्तों को बहुत महत्व देता है और सभी क्षेत्रों में हमारे आपसी संबंधों को और मजबूत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

पुतिन अगले सप्ताह बीजिंग यात्रा पर जाएंगे

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले सप्ताह दो दिवसीय यात्रा पर बीजिंग जाएंगे, जहां उनकी मुलाकात अपने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग के साथ होगी। क्रेमलिन ने शनिवार को यह जानकारी दी। रूसी सरकार के मुख्यालय क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि पुतिन की 19-20 मई को होने वाली यात्रा 2001 की चीन-रूस मैत्री संधि की 25वीं सालगिरह के समय से मेल खाती है। दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों तथा आर्थिक सहयोग पर चर्चा करेंगे।

भारत और नीदरलैंड के बीच एमओयू साइन

व्यापार, निवेश, सेमीकंडक्टर जल प्रबंधन में करेंगे सहयोग

टाटा और एएसएमएल के बीच एमओयू

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी की नीदरलैंड यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। नीदरलैंड के पीएम रॉब जेटन की उपस्थिति में ये एमओयू आर्थिक व्यापार, निवेश, समुद्री विरासत और संस्कृति, प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन और कृषि से जुड़े हुए हैं।

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार, निवेश को बढ़ावा देने और निवेश संबंधी बाधाओं को दूर करने के लिए संयुक्त व्यापार और निवेश समिति की स्थापना के लिए एक एमओयू किया गया है। औद्योगिक और तकनीकी साझेदारी के तहत, भारत के टाटा समूह और डच सेमीकंडक्टर कंपनी एएसएमएल के बीच समझौता हुआ है।

डच कंपनी के साथ मिलकर चिप बनाएगी टाटा

नीदरलैंड ने सौंपे ऐतिहासिक चोल राजवंश के ताम्रपत्र

नीदरलैंड ने 11वीं सदी के चोल राजवंश के 21 ऐतिहासिक ताम्रपत्र भारत को वापस सौंप दिए। पीएम मोदी की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम ने दोनों देशों के सांस्कृतिक रिश्तों को एक नया आयाम दिया है। भारत साल 2012 से ही इन बहुमूल्य ताम्रपत्रों को वापस लाने की कोशिश में जुटा था, जिन्हें नीदरलैंड में लाइडेन प्लेट्स के नाम से भी जाना जाता है। लगभग 30 किलो वजनी इन ताम्रपत्र हिंदू सम्राट राजराजा चोल प्रथम और उनके पुत्र राजेंद्र चोल के काल के हैं। इन पर संस्कृत और तमिल भाषा में बौद्ध मठ को दिए गए दान का विवरण दर्ज है और इन्हें जोड़ने वाले कांस्य के छल्ले पर चोल वंश की शाही मुहर लगी है। इन्हें 1700 के दशक में एक ईसाई मिशनरी नीदरलैंड ले गया था, जिसे अब डच सरकार ने ससम्मान भारत को लौटा दिया है।

नीदरलैंड के राजा-रानी से की भेंट

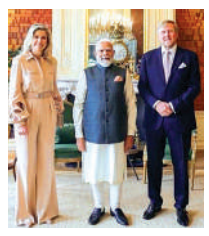

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हेग स्थित रॉयल पैलेस में नीदरलैंड के राजा विलेम अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा से शिष्टाचार मुलाकात की। इस क्षण को अद्भुत बताते हुए उन्होंने कहा कि हमारे बीच प्रौद्योगिकी, नवाचार, सतत विकास, वाणिज्य और जल-संसाधनों जैसे अहम क्षेत्रों में चर्चा की गई है।

गृह मंत्री शाह बोले- केंद्र सरकार 'ड्रग-फ्री इंडिया' के संकल्प के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

200 किलो कैप्टागॉन ड्रग्स सीरिया से भारत पहुंची

पहली बार पकड़ा गया 182 करोड़ का 'जिहादी ड्रग्स', एक विदेशी गिरफ्तार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

अमित शाह ने कहा कि भारत अपनी जमीन का इस्तेमाल ड्रग्स की तस्करी के लिए किसी भी हाल में नहीं होने देगा और देश में आने या यहां से बाहर भेजे जाने वाले हर एक ग्राम नशीले पदार्थ पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पहली बार भारत में 'कैप्टागॉन' नामक ड्रग्स की बड़ी खेप जब्त की है। इस कार्रवाई में करीब 182 करोड़ रुपए कीमत की ड्रग्स बरामद की गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को खुद यह जानकारी दी। उन्होंने इसे 'जिहादी ड्रग' बताते हुए कहा कि मोदी सरकार 'ड्रग-फ्री इंडिया' के संकल्प पर पूरी मजबूती से काम कर रही है। उन्होंने इस कार्रवाई को भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का मजबूत उदाहरण बताया। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि भारत अपनी जमीन का इस्तेमाल ड्रग्स की तस्करी के लिए किसी भी हाल में नहीं होने देगा और देश में आने या यहां से बाहर भेजे जाने वाले हर एक ग्राम नशीले पदार्थ पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीम की सराहना करते हुए उन्हें बहादुर और सतर्क योद्धा बताया।

◆ यह खेप गुजरात और दिल्ली से बरामद की गई

सऊदी अरब के जेद्दा भेजी जानी थी

एक विदेशी ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसी से प्राप्त सूचना के आधार पर खबर मिली कि भारत का इस्तेमाल कैप्टागॉन तस्करी के ट्रांजिट पॉइंट के रूप में किया जा रहा है। इसके आधार पर एनसीबी ने नई दिल्ली के नेब सराय क्षेत्र में एक मकान की पहचान की। 11 मई 2026 के दिन को मकान की तलाशी के दौरान एक चपाती कटिंग मशीन में छिपाकर रखी गई लगभग 31.5 किलोग्राम कैप्टागॉन टैबलेट बरामद की गई। इस खेप को सऊदी अरब के जेद्दा भेजा जाना था। प्रारंभिक जांच में पता चला कि सीरियाई नागरिक डेढ़ साल पहले पर्यटक वीजा पर भारत आया था लेकिन वीजा खत्म होने के बाद वह अवैध रूप से यहां रह रहा था।

देश में चार साल में कई पोर्ट पर 11,311 करोड़ रुपए की ड्रग्स पकड़ी

ऑपरेशन रेजपिल के तहत कुल लगभग 227.7 किलोग्राम कैप्टागॉन पाउडर जब्त किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 182 करोड़ रुपए आंकी गई है। यह जब्ती हाल ही में मुंबई में एनसीबी द्वारा की गई एक अन्य बड़ी कार्रवाई के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है, जिसमें इक्वाडोर से आए कंटेनर में छिपाकर रखी गई 349 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन बरामद की गई थी। यह इस बात को उजागर करता है कि कैसे अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट की तरफ से मादक पदार्थों की तस्करी के लिए व्यावसायिक कार्गो और कंटेनर आधारित व्यापार मार्गों का दुरुपयोग बढ़ रहा है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2020 से 2024 के बीच देश के विभिन्न समुद्री बंदरगाहों पर ड्रग्स की 19 बड़ी खेप पकड़ी गईं, जिनकी कुल कीमत 11,311 करोड़ रुपए से ज्यादा थी। अब कैप्टागॉन की यह पहली बड़ी बरामदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

दूसरी खेप ऊन के कंटेनर से जब्त की

आरोपी से पूछताछ के बाद 14 मई 2026 को गुजरात के मुंद्रा स्थित कंटेनर फैसिलिटेशन स्टेशन में एक कंटेनर से लगभग 196.2 किलोग्राम कैप्टागॉन पाउडर बरामद किया गया। इस कंटेनर को भेड़ की ऊन से भरा हुआ बताकर सीरिया से आयात किया गया था। शुरुआती जांच से पता चला है कि जब्त खेप को खाड़ी क्षेत्र विशेषकर सऊदी अरब और मिडिल ईस्ट के देशों में भेजा जाना था।

कैप्टागॉन को कहा जाता है 'जिहादी ड्रग्स'

कैप्टागॉन एक सिंथेटिक एम्फेटामिन आधारित नशीला पदार्थ है, जिसे बेहद खतरनाक और लत लगाने वाला ड्रग माना जाता है। इसे 'जिहादी ड्रग' इसलिए कहा जाता है क्योंकि रिपोर्ट्स के अनुसार आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठन इसका इस्तेमाल लड़ाकों को ज्यादा ऊर्जा, सहनशक्ति और डर कम करने के लिए करते रहे हैं। इसे 'गरीबों की कोकीन' भी कहा जाता है।

'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत बड़ी सफलता

अमित शाह ने बताया कि 'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत एजेंसियों ने यह बड़ी सफलता हासिल की है। यह खेप पश्चिम एशिया भेजी जानी थी और इस मामले में एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि भारत को ड्रग्स के ट्रांजिट रूट के तौर पर इस्तेमाल करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 'ऑपरेशन रेजपिल' को एनसीबी की तरफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चलाया गया एक बड़ा अभियान माना जा रहा है, जिसका मकसद अवैध ड्रग्स नेटवर्क को तोड़ना है।

गाजा में इजराइली सेना का बड़ा हवाई हमला

हमास के शीर्ष सैन्य कमांडर सहित कई लोगों की मौत, 6 अक्तूबर 2023 के हमले का था मास्टरमाइंड

एजेंसी ▶▶ गाजा पट्टी

शुक्रवार की शाम को इजराइली सेना ने गाजा शहर में एक बड़ा हवाई हमला किया। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने खुद आधिकारिक तौर पर इस हमले की पुष्टि की है।

इस हवाई हमले में हमास की सैन्य शाखा (कासिम ब्रिगेड) के प्रमुख इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद को सीधा निशाना बनाया गया है। हद्दाद 7 अक्तूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमास हमलों की योजना और उसे अंजाम देने वाले प्रमुख रणनीतिकारों में से एक था। इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि जो भी 7 अक्तूबर के हमले में शामिल था, इजराइल उसे छोड़ेगा नहीं। पीएम बेंजामिन ने अपने बयान में कहा कि आज नहीं तो कल, इजराइल तुम तक पहुंच ही जाएगा।

इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद

दो हमलों में 20 से ज्यादा लोग घायल

गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, शुक्रवार शाम को इजराइल ने कम से कम दो बड़े हवाई हमले किए। पहला हमला गाजा शहर के रिमाल इलाके में एक रिहायशी इमारत (अपार्टमेंट) पर हुआ। इसके तुरंत बाद पास की सड़क पर जा रहे एक वाहन को भी मिसाइल से उड़ा दिया गया। इस हमले में कई मासूम लोगों की जान चली गई।

ट्रंप और बोइंग ने की डील की पुष्टि

यूएस से 200 विमान खरीदेगा चीन, 450 इंजन भी शामिल

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की है कि चीन बोइंग कंपनी से 200 विमान खरीदने के लिए सहमत हो गया है। बोइंग भी इसकी पुष्टि की है। यह डील ट्रंप और जिनपिंग के बीच हाल ही में हुई मीटिंग के दौरान हुई।

यह लगभग एक दशक में चीन की बोइंग के साथ पहली डील है, जो अमेरिकी विमानन उद्योग के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकती है। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि आने वाले समय में चीन यह डील और बढ़ा सकता है और 750 विमानों तक खरीद सकता है। अनुमान है कि 200 विमानों के साथ लगभग 400-450 इंजनों का ऑर्डर भी शामिल है। हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। बोइंग के साथ हुई यह डील अमेरिका-चीन व्यापार संबंधों में सुधार का संकेत देता है।

गूगल मैप्स पर मिलेगा खतरे का अलर्ट

'ब्लैक व कैटल' स्पॉट के साथ ब्लाइंड कर्व की होगी जानकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने अब यात्री सुरक्षा के कुछ तकनीकी उपायों पर काम तेज किया है। इसके तहत लांच किए गए प्राधिकरण के पोर्टल डाटालेक का तीसरा संस्करण तैयार किया है।

जिसमें न सिर्फ ब्लैक स्पाट, बल्कि कैटल स्पाट, ब्लाइंड कर्व सहित राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के उन सभी स्थलों का डाटा है, जहां दुर्घटना की आशंका अधिक रहती है। यह डाटा जल्द ही गूगल मैप और मैप माइ इंडिया पर दिखेगा। साथ ही यात्रा के दौरान मोबाइल मैसेज के माध्यम से यात्रियों को रीयल टाइम जानकारी भी प्राप्त होगी, ताकि वह पहले से सतर्क हो जाएं। एनएचएआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्राधिकरण ने आवारा पशुओं की समस्या को भी अपने एजेंडे में शामिल किया है।

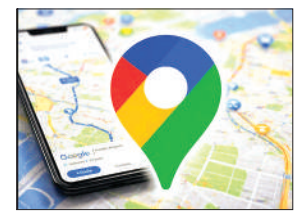

ईरान पर फिर से भीषण हमले का प्लान तैयार, ट्रंप लेंगे फैसला

ईरान के सैन्य और बुनियादे ढांचे पर हवाई हमलों की योजना

क्या अगले सप्ताह से अमेरिका शुरू करेगा 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी 2.0'

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी सेना कथित तौर पर एक बार फिर ईरान पर हमलों की योजना बना रही है। ईरान के साथ शांति वार्ता के किसी नतीजे पर नहीं पहुंचने के बाद अमेरिका को लग रहा है कि सैन्य हमले ही तेहरान पर दबाव बना सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे के बाद ईरान पर हमले किए जा सकते हैं। अमेरिका और इजराइल गठबंधन ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले किए थे। इसके बाद दोनों पक्षों में भीषण लड़ाई हुई।

डोनाल्ड ट्रंप मोजतबा खामेनेई

ईरान की जमीन पर सेना उतारकर सीधी लड़ाई का भी प्लान

रक्षा सचिव ने दिए संकेत

एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि पेंटागन आने वाले दिनों में 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी 2.0' की योजना बना रहा है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इस सप्ताह कांग्रेस के समक्ष गवाही देते हुए सांसदों से कहा है कि यदि आवश्यक हुआ तो हमारे पास स्थिति को आगे बढ़ाने यानी हमले तेज करने की योजना मौजूद है। सूत्रों के अनुसार अमेरिका और इजराइल के अधिकारी ईरान के खिलाफ हमलों को अगले सप्ताह फिर से शुरू करने की गहन तैयारियों में जुटे हुए हैं। ट्रंप फिर हमले शुरू करने का फैसला करते हैं तो ईरान के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जा सकता है।

ट्रंप की हत्या के ऐलान का दावा

मिलेगा 5.5 अरब का इनाम, सूची में इजराइली पीएम, सेंटकॉम कमांडर भी

तेहरान। ईरानी मीडिया रिपोर्ट में ये दावा किया गया है कि ईरानी सरकार ट्रंप की हत्या के बदले 50 मिलियन यूरो (5.5 अरब) के इनाम का एक प्रस्ताव संसद में लाने की तैयारी कर रही है। ईरान वायर के अनुसार, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के चेयरमैन इब्राहिम अजीजी ने इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा 'काउंटर-एक्शन' नामक योजना का मसौदा तैयार किए जाने की घोषणा की है।

हमारी सेना तैयार: गालिबाफ

गालिबाफ ने कहा है कि हमारी सेना किसी भी हमले का करारा जवाब देने के लिए तैयार है। अमेरिका यह समझ ले कि गलत रणनीति और गलत फैसलों का नतीजा हमेशा गलत ही होता है। हम सभी विकल्पों के लिए तैयार हैं और पूरी ताकत से दुश्मन को जवाब देंगे।

एआई बड़े उद्योगों के संचालन का मुख्य आधार बन रहा

टीसीएस के चेयरमैन चंद्रशेखरन का बड़ा दावा

भारत एआई में ग्लोबल हब बनने की राह पर, नई नौकरियां भी होगीं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

वैश्विक कारोबारी जगत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब महज एक अतिरिक्त तकनीकी साधन नहीं, बल्कि बड़े उद्योगों के संचालन का मुख्य आधार बनता जा रहा है। देश की अग्रणी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए इस रणनीतिक बदलाव को रेखांकित किया है, जहां एआई के बढ़ते प्रभाव से न केवल कंपनी का मुनाफा बढ़ा है बल्कि आईटी क्षेत्र में नई नौकरियों की भी वापसी हुई है। चेयरमैन के अनुसार, जेनरेटिव और एजेंटिक एआई अब शुरुआती परीक्षणों के दौर से बाहर निकलकर विकास के एक नए चरण में पहुंच चुके हैं, जहां दुनिया भर के बड़े कॉर्पोरेट ग्राहक अब इसे अपने रोजमर्रा के मुख्य कामकाज का एक स्थायी और अनिवार्य हिस्सा बना रहे हैं।

टीसीएस के चेयरमैन चंद्रशेखरन

उद्योगों के लिए विशेष एआई ऑपरेटिंग सिस्टम बना रही टीसीएस

टीसीएस ने अपने विशेष 'ह्यूमन+एआई' ऑपरेटिंग मॉडल के जरिए तकनीकी बाजार में एक बड़ी छलांग लगाई है, जिसके दम पर कंपनी ने एआई सेवाओं से 2.3 अरब डॉलर साइबर सुरक्षा जैसी आधुनिक सेवाओं से 11.5 अरब डॉलर का सालाना राजस्व अर्जित किया है। टीसीएस भारत में एक सुरक्षित और संप्रभु एआई बुनियादी ढांचा तैयार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है।

अब जन्मेंगे मनचाहे डिजाइनर बेबी!

अब तक तो यही माना जाता रहा है कि जन्म लेने वाले बच्चे का रूप, रंग, गुण या उसकी कोई बीमारी प्रकृति ही निर्धारित करती है। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग की नई तकनीक से आने वाले समय में मनचाहे यानी कस्टमाइज्ड बेबी जन्म ले सकेंगे। क्या है यह तकनीक, क्या हो सकते हैं इसके फायदे या नुकसान, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

नमस्कार डॉक्टर साहब! हम एक ऐसा बेबी चाहते हैं, जो हमारी जेनेटिक बीमारियों से दूर रहे। उसका आई क्यू लेवल शानदार हो, चश्मा न लगे उसको, टॉल फिगर हो, कॉम्प्लेक्शन फेयर हो।'

क्या आपने कल्पना की है कि आने वाले दौर में पैरेंट्स किसी फर्टिलिटी क्लीनिक पर जाकर डॉक्टर से कुछ ऐसा कहेंगे? यह मजाक की बात या कोरी कल्पना नहीं है। विज्ञान इतनी तरक्की कर रहा है कि निकट भविष्य में यह संभव होगा। इस तकनीक से पैदा होने वाले बच्चों को 'डिजाइनर बेबी' कहा जाएगा।

क्या है यह तकनीक

डिजाइनर बेबी ऐसा बच्चा होता है, जिसके जेनेटिक स्ट्रक्चर (आनुवंशिक संरचना) को पैदा होने से पहले ही बदल दिया जाता है। यह मुख्य रूप से 'क्रिसपर-केस नाइन' जैसी जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए किया जाता है। इसके तहत भ्रूण से खराब जीन कतरकर होने वाले माता-पिता के पसंदीदा गुणों वाले जीन को जोड़ा जा सकता है। ये कस्टम-मेड बच्चे होंगे। वांछनीय गुणों वाले बच्चे पैदा करने यानी बनाने के लिए, होने वाले माता-पिता आईवीएफ क्लीनिक में भ्रूणों का चयन बीमारी के जोखिम के आधार पर कर रहे हैं। इस प्रक्रिया को प्री-इंप्लांटेशन जेनेटिक डायग्नोसिस कहा जाता है। मुख्य रूप से वंशानुगत बीमारियों को रोकने के लिए इसका अभ्यास किया जाता है। इसमें आईवीएफ से बनाए गए भ्रूणों की स्क्रीनिंग की जाती है और माता-पिता उस भ्रूण का चयन करते हैं, जिसे वे एक ऐसे बच्चे के लिए प्रत्यारोपित कर सकते हैं, जिसमें आनुवंशिक विकार के सबसे कम जोखिम होने की भविष्यवाणी की जाती है। इसमें एक एंब्रियो-सेलेक्शन/स्क्रीनिंग कंपनी और आईवीएफ प्रोवाइडर 8-14 दिनों तक रोजाना हार्मोन इंजेक्शन देकर कम से कम 15 अंडे निकालते हैं, जिन्हें पसंद के स्पर्म से फर्टिलाइज किया जाता है। 4-5 दिनों के बाद, एक ब्लास्टोसिस्ट बनता है। यह कोशिकाओं की एक खोखली गेंद जैसी होती है, जिसमें एक अंदरूनी द्रव्य और बाहरी परत होती है। बाहरी परत प्लेसेंटा में विकसित होती है। अंदरूनी द्रव्य भ्रूण बनता है। हर भ्रूण से निकाले गए अंशों की जेनेटिक बीमारी/क्रीमोसोमल असामान्यताओं के लिए स्क्रीनिंग की जाती है और मापे गए हर पैरामीटर के लिए पॉलीजेनिक (कई-जीन) स्कोर दिए जाते हैं। माता-पिता चुनते हैं कि कौन-सा भ्रूण इंप्लांट करना है। दुनिया के सबसे पहले डिजाइनर बेबी होने का दावा वर्ष 2018 में चीन के वैज्ञानिक हे जियानकुई ने किया था, जिन्होंने जुड़वां बच्चियों (लुलु और नाना) के जीन एडिट किए थे।

यूजेनिक्स क्या है

यूजेनिक्स एक ऐसा विचार और पद्धति है, जिसका उद्देश्य मानव आबादी की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार करना है, जिसमें स्वस्थ और वांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को बढ़ावा दिया जाता है और कम वांछनीय या अवांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को रोका जाता है, जो अकसर जबरन नसबंदी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से जुड़ा रहा है, खासकर नाजी जर्मनी और अमेरिका में। इसे विज्ञान के रूप में खारिज कर दिया गया है।

ब्लास्टोसिस्ट क्या है

ब्लास्टोसिस्ट भ्रूण के विकास का एक प्रारंभिक चरण है, जो फर्टिलाइजेशन के लगभग 5-6 दिनों बाद बनता है, जिसमें लगभग 200-300 कोशिकाएं होती हैं और इसमें दो मुख्य भाग होते हैं, आंतरिक कोशिका द्रव्यमान (जो शिशु बनेगा) और ट्रोफोब्लास्ट (जो प्लेसेंटा बनेगा)। यह वह अवस्था होती है, जब भ्रूण गर्भाशय की परत में प्रत्यारोपित होता है, खासकर आईवीएफ प्रक्रियाओं में।

जीन एडिटिंग के प्रभाव

जीन एडिटिंग के द्वारा डिजाइनर बेबी बनाने के कई प्लस और माइनस परिणाम हो सकते हैं।

बीमारियों से मुक्ति: इस तकनीक का असली उद्देश्य बच्चों को कैंसर, अल्जाइमर और एचआईवी जैसी वंशानुगत बीमारियों से बचाना है।

बनगे सुपर ह्यूमन: जैसे-जैसे तकनीक ज्यादा विकसित होगी भविष्य में वैज्ञानिक ऐसी कोशिश कर सकते हैं, जिससे बच्चे की मांसपेशियों की ताकत और याददाश्त को बढ़ाया जा सकेगा और वे 'सुपर ह्यूमन' बन सकें। कुछ देशों में आईवीएफ क्लीनिक पहले से ही माता-पिता को बच्चे की आंखों का रंग चुनने का विकल्प देने की दिशा में शोध कर रहे हैं। वर्तमान में यह प्रक्रिया इतनी महंगी है कि इसे केवल दुनिया के अमीर लोग ही अपना सकते हैं।

चुनौतियां भी कम नहीं

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे डिजाइनर बेबी बनाने की तकनीक विकसित होने के कुछ नेगेटिव परिणाम भी भविष्य में देखने को मिल सकते हैं। यदि केवल अमीर लोग ही 'जीनियस' बच्चे पैदा कर पाएंगे, तो समाज में एक नया भेदभाव उत्पन्न हो सकता है। साथ ही जीन एडिटिंग के दीर्घकालिक प्रभाव क्या होंगे, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। एक छोटी-सी गलती बच्चे के स्वास्थ्य पर बहुत भारी पड़ सकती है। उसके जीवन की पूरी दिशा बदल सकती है।

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे बच्चे पाने के संबंध में एक सवाल यह भी है कि भ्रूणों की एक श्रंखला में से चुनाव या जीन-एडिटेड भ्रूणों के बावजूद, क्या माता-पिता को भ्रूण के गैर-चिकित्सा लक्षणों को चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या जीन को चुनकर/बदलकर विशेषताओं को 'डिजाइन' किया जा सकता है? क्या आप अंततः अपने बच्चे के जेनेटिक कोड को अपनी मर्जी से बना सकते हैं? समाज शास्त्री कहते हैं डिजाइनर बेबी तकनीक मानव जाति के लिए एक वरदान साबित हो सकती है यदि इसका उपयोग केवल जानलेवा बीमारियों को खत्म करने के लिए किया जाए। लेकिन यदि इसे खूबसूरती और ताकत का पैमाना बनाया गया, तो यह मानवता के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है। समाज में एक नए तरह का भेदभाव और विघटन पैदा कर सकता है। कई समाजशास्त्री चिंतकों का मानना है कि जीवन के साथ इस तरह का बदलाव करना प्रकृति के नियमों का उल्लंघन होगा। कुछ वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि आधुनिक जेनेटिक स्क्रीनिंग और काउंसलिंग का इस्तेमाल माता-पिता पर दबाव बनाने के लिए किया जा सकता है। अगर समाज कुछ खास लक्षणों को बढ़ावा देता है, तो प्रजनन का चुनाव सामाजिक दबाव बन जाता है। व्यवहार, बुद्धिमत्ता या व्यक्तित्व जैसी चीजों के लिए भ्रूण की स्क्रीनिंग करना, पूर्व में सामने आए यूजेनिक्स पद्धति जैसा होगा, जिसमें यह कंट्रोल करने की कोशिश की गई थी कि किसे पैदा होने की इजाजत है।

कहने का सार है कि आने वाले समय में जीन एडिटिंग से डिजाइनर बेबी के जन्म लेने का चलन बढ़ सकता है। लेकिन इसके परिणाम कितने सकारात्मक या नकारात्मक होंगे, यह तो भविष्य में ही पता चलेगा। *

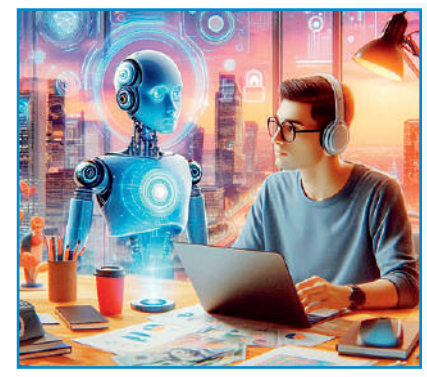

जिस तेजी से तकनीक का दखल बढ़ता जा रहा है, हमारी जीवनशैली आने वाले समय में पूरी तरह बदल जाएगी। आने वाले दिनों में यंगस्टर्स को हाई इनकम वाली कई ऐसी जॉब्स मिलेंगी, जो पूरी तरह हाईटेक होंगी। इनमें से कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स पर एक नजर।

यंगस्टर्स को लुभाएंगी फ्यूचरिस्टिक जॉब्स

अपकमिंग ट्रेंड

अंजू जैन

आज के दौर में यंगस्टर्स के लिए करियर की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी ही एकमात्र 'सफल' विकल्प नहीं रह गए हैं। अगर आपमें हुनर है और आप लीक से हटकर सोचने और करने का जज्बा रखते हैं, तो आज का डिजिटल युग आपको शानदार इनकम के मौके दे सकता है। अच्छी बात यह है कि 'फ्यूचरिस्टिक' जॉब्स के लिए आपको किसी बड़े कॉलेज की भारी-भरकम फीस भरकर डिग्री पाने की जरूरत नहीं है। आपमें नई टेक्नोलॉजी सीखने की लगन होनी चाहिए। ऐसे ही कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स के बारे में आप भी जानिए, ताकि आने वाले दौर के लिए आप खुद को टेकरेडी बना सकें।

डेटा डिटेक्टिव: करियर की दुनिया में कहा जाता है कि 'डेटा नया हीरा है।' डेटा साइंटिस्ट का काम बिखरे हुए आंकड़ों से अपने लिए काम की जानकारी निकालना है। यह जॉब उन युवाओं के लिए शानदार है, जिनकी गणित और लॉजिक पर पकड़ मजबूत है। इसमें शुरुआती सैलरी ही कई पारंपरिक नौकरियों के टॉप लेवल के बराबर होती है। गूगल खुद कोर्सेरा जैसे प्लेटफॉर्म पर डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी के सर्टिफिकेशन कोर्स कराता है। साथ ही साइबेरी, साइबर सिक्योरिटी संबंधी नई तकनीकें सीखने के लिए यह दुनिया का सबसे बड़ा फ्री कम्युनिटी प्लेटफॉर्म है।

गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स: वीडियो गेम अब सिर्फ टाइम पास नहीं रहा। प्रोफेशनल गेमर्स, गेम स्ट्रीमर्स और गेम डेवलपर्स आज लाखों-करोड़ों में खेल रहे हैं। इंटरनेशनल ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स में प्राइज मनी अब किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप से कम नहीं होती। अगर आप इसमें अपनी जगह बनाना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। अपना खास फील्ड चुनें। ई-स्पोर्ट्स का मतलब सिर्फ गेम खेलना नहीं है। आप इनमें से अपनी रुचि के अनुसार कई क्षेत्र चुन सकते हैं, जैसे प्रोफेशनल प्लेयर यानी टूर्नामेंट में हिस्सा लेना, कंटेंट क्रिएटर या स्ट्रीमर यानी यूट्यूब या ट्विच पर गेमप्ले दिखाना, गेम एनालिस्ट/कोच यानी गेम की रणनीति समझना, मैनेजमेंट यानी टीम मैनेजर या इवेंट ऑर्गेनाइजर बनना।

आपको इसके लिए जरूरी स्किल्स सीखनी पड़ेगी। किसी एक गेम को चुनें और उसमें एक्सपर्ट बनें। इसके लिए रोजाना प्रैक्टिस और अपनी गलतियों का आकलन करना जरूरी है। इनके साथ-साथ टीम के साथ तालमेल बिठाने के लिए अच्छी बातचीत की कला सीखें। महारत पाने के लिए सबसे जरूरी है तकनीकी ज्ञान।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग: चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स के आने से अब 'प्रॉम्प्ट इंजीनियर' की भारी डिमांड हो गई है। इसमें आपको कोडिंग नहीं, बल्कि एआई से सही तरीके से काम करवाने की कला (सही निर्देश देना) आना चाहिए। बड़ी कंपनियां इसके लिए करोड़ों का पैकेज देने को तैयार हैं। इसे सीखने के लिए एंड्रयू एनजी द्वारा संचालित, चैटजीपीटी प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग फॉर डेवलपर्स एक शानदार फ्री कोर्स है। इसके अलावा लर्न प्रॉम्पटिंग एक ओपन-सोर्स गाइड है, जो आपको मुफ्त में एआई से बेहतर तरीके से कम्युनिकेट करना सिखाती है।

कंटेंट क्रिएशन और इंफ्लुएंसर मार्केटिंग: यूट्यूब, इंस्टाग्राम और पॉडकास्ट अब सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि फुल-टाइम बिजनेस बन चुके हैं। एक खास विषय पर अच्छी पकड़ और दर्शकों से जुड़ने का हुनर आपको ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए रातों-रात सेलिब्रिटी और अमीर बना सकता है। फाइनेंस की जानकारी देने वाले फिनफ्लुएंसर और डिजिटल मार्केटिंग का फील्ड भी अच्छा है। डिजिटल मार्केटिंग की बेसिक जानकारी के लिए आप गूगल डिजिटल गैरेज मुफ्त में इस्तेमाल कर सकते हैं।

सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट: दुनिया अब पर्यावरण को लेकर गंभीर है। कंपनियां ऐसे लोगों को खोजती रहती हैं, जो उन्हें 'ईको-फ्रेंडली' बनने में मदद करें। अगर आप पर्यावरण प्रेमी हैं और बिजनेस की समझ रखते हैं, तो यह क्षेत्र भविष्य का सबसे बड़ा मार्केट है। सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट वह पेशेवर होता है, जो कंपनियों और संगठनों को पर्यावरण के अनुकूल काम करने और अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की सलाह देता है। इसके लिए संबंधित शैक्षणिक योग्यता जरूरी है। पर्यावरण प्रबंधन या ईएसजी में (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) विशेषज्ञता हासिल करना आपकी प्रोफाइल को बेहतर बनाता है। एक सफल कंसल्टेंट बनने के लिए आपको तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स दोनों की आवश्यकता होती है। जैसे कार्बन उत्सर्जन और पानी के उपयोग जैसे डेटा का विश्लेषण करना आना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करना आना चाहिए। अपने क्लाइंट के वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए स्थाई व्यावसायिक रणनीतियां बनाने की चतुराई होनी चाहिए। साथ ही आप में अपने क्लाइंट्स को जटिल पर्यावरणीय नीतियों को सरल भाषा में समझाने की कला भी होनी चाहिए। *

कविता

अवतार सिंह अक्षरजीवी

स्लेटीपन

कोई सुख, नहीं होता पूरा सुख
कोई दुख, नहीं होता पूरा दुख
चरित्र आधे-अधूरे होते हैं
भावनाएं-कई रंगों का मिश्रण,
एक कोने पर थोड़ा-सा सफेद
दूसरे किनारे पर जरा-सा काला
इनके बीच में बहुत सारा स्लेटी होता है।
सुख में नुकसान ढूंढ़ लेता है मन
और दुख में आनंद तलाश लेता है,
गीतों में से निकाल सकते हैं कंक्रीट
और राख में भी संगीत देख सकते हैं,
किसी का स्वभाव कैसा भी हो
हमारे अनुकूल हो, बस ठीक है जैसे
गर्मियों का आलोचक है संसार लेकिन
शहर की खाली सड़कें, कम ट्रैफिक
इस ऋतु को बेहतर घोषित करने में
कहीं न कहीं विवश सा कर देता है।

लघुकथाएं

पतझड़

उसकी दरवाजे पर हल्की-सी वह दस्तक मुझे आज भी याद है। दरवाजे की सांकल खोलते ही उसे सामने पाया तो मैं एक बारगी ठगा-सा रह गया। सारा केश विन्यास अस्त-व्यस्त था, चेहरे की लालिमा कहीं खो सी गई थी। आंखों के नीचे स्याही की एक मोटी रेखा ने मुझे झकझोर दिया। मैंने उसके शांत लेकिन अंदर तक उद्वेलित चेहरे को पढ़ने का प्रयास किया। मुझे लगा कि वह नितांत अकेली वन में खड़ी एक प्यासी हिरनी सी है, जो अपने साथी के बिछड़ जाने पर अपनी गोल-गोल चपल आंखों में अतीत के कितने ही पल समेटे हुए है। मैं और वह किंकर्तव्यविमूढ़ से एक-दूसरे को कुछ देर तक निहारते रह गए। तंद्रा तब टूटी, जब बादलों की तेज गड़गड़ाहट ने हमें बारिश होने का अहसास दिलाया। 'आओ न! बाहर क्यों खड़ी हो?' मैंने सहज भाव से उसे अंदर आने का निमंत्रण दिया। ऐसा लगा कि हम वर्षों वर्ष अलग रहने के बावजूद भी भावनात्मक रूप से कहीं जुड़े हुए हैं। गहरी चुप्पी के साथ वह अंदर आ गई और सोफे के एक किनारे पर सिमट कर जड़वत बैठ गई। 'आज अचानक, इस तरह!' मैंने खामोशी को तोड़ने का प्रयास किया। सुनते ही उसकी आंखों में लाल डोरे तैरने लगे, जिन्हें मैंने साफतौर पर महसूस किया। 'कुछ परेशान सी हो! क्या हुआ?' मेरे यह पूछते ही वह संयम खो बैठी। आंखों में बरसों से सिमटा दर्द एकाएक आंसुओं की धार बनकर बह निकला। जब तक मैं कुछ समझ पाता वह फूट-फूटकर रोने लगी। मैं एकटक उसके मन का बोझ हल्का होते देखता रहा। कुछ समय बीता और वह धीरे से कुछ बुदबुदाई। मैंने सुना वह प्राश्यिचत कर रही थी। 'मुझे माफ कर दो सुमी! मैं हार गई हूं। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।' उसकी आवाज की कंपकंपी को मैंने सर्द झौंके सा महसूस किया। एक ठंडी सिहरन मेरे तन-बदन में दौड़ गई। कुछ देर बाद मैं चाय बनाकर ले आया। मेरे आग्रह पर उसने चाय का कप उठा लिया। 'याद है मिनी...' मैंने उसे टटोलते हुए कहा, 'मैंने कभी भी अपने हाथ से चाय नहीं बनाई और न ही मैं आज तक ठीक से चाय बनाना सीख सका, क्योंकि तुमने मुझे अपने ऊपर इतना निर्भर कर दिया था। तुम कहती थी कि मेरे होते तुम चाय क्यों बनाओगे? सब कुछ बदल गया इधर कुछ सालों से! देखो तो चाय ठीक बनी है या नहीं? मिनी ने हां में सिर हिलाया और उसकी आंखें मेरे चेहरे पर ठहर गईं। प्रशंसा की यह मूक भाषा मैंने उसकी आंखों में पहली बार पढ़ी थी। 'तुम्हें पता है सुमी! मैं भी इतने बरस, इतनी अकेली रही हूं कि चैन की एक सांस भी न ले सकी। हर घड़ी तुम्हारे साथ बीते पल मुझे कुरेदते रहते। मेरा अहंकार मुझे धीरे-धीरे खोखला करता गया और मैं घुन लगे पेड़ की तरह अंदर से बिल्कुल बेजान हो गई। मुझमें अकेले खड़े रहने की भी ताकत नहीं बची, सुमी मैं टूट गई हूं। मुझे मेरा सहारा वापस दे दो प्लीज। अब मैं तुम्हारे सहारे जीना चाहती हूं।' उसका क्रंदन मुझे भीतर तक सालता चला गया। दस साल पहले वह उस पत्ते की तरह मुझसे अलग हो गई थी, जो पतझड़ के मौसम में एक क्षण में अपनी शाख से अलग हो जाता है। उसने मुड़कर भी नहीं देखा था तब। घर छोड़कर जाते समय उसने अपने दोनों बच्चों रजत और सजल को भी नहीं पुकारा। एक निष्ठुर मां बनकर उसने घर में कदम न रखने की कसम खाई थी और फिर लौटकर नहीं आई। आज दस साल बीतने के बाद वक्त ने करवट ली थी और हम दोनों उसी कमरे में एक बार फिर साथ बैठे हैं। *

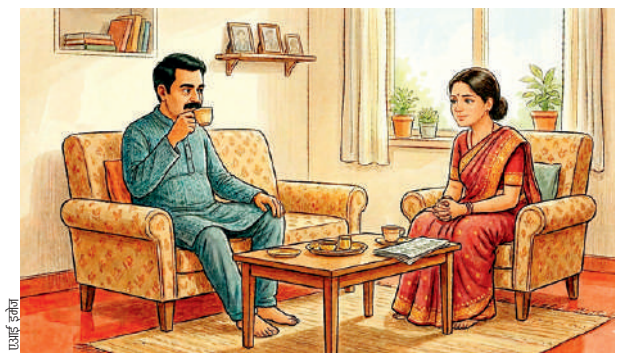

एआई इमेज

-डॉ. सुबोध भटनागर

तस्वीर

पा-पापा आप ये क्या देख रहे हैं?' अशोक के बेटे ने पूछा। 'बेटा एक पुरानी तस्वीर देख रहा हूं। अपने भाई-बहनों की।' आंखें नम करते हुए अशोक ने जवाब दिया। 'कौन-कौन हैं ये?' बेटे ने तस्वीर को गौर से देखते हुए पूछा। तस्वीर को दिखाते हुए अशोक बोले, 'पीली ड्रेस वाली तेरी बड़ी बुआ, पिंक ड्रेस में मंझली बुआ और लाल में जो बैठी है, वो छोटी बुआ।' 'और ये हरी ड्रेस में कौन है?' बेटे ने पूछा। 'अरे यह मेरा छोटा भाई श्यामू यानी तेरा चाचू।' अशोक ने बताया। 'इसका मतलब नीली शर्ट वाले आप ही हैं।' बेटे ने शरारती लहजे में कहा। अशोक ने मुस्कुराते हुए हां में गर्दन हिला दी। 'लेकिन पापा इनको तो मैंने कभी देखा ही नहीं। बुआ और चाचू अब कहां हैं और अपने घर क्यों नहीं आते?' बेटे ने फिर सवाल किया। अशोक ने स्वयं को संभालते हुए कहा, 'हम सबको पिताजी ने यानी तुम्हारे दादाजी ने खूब पढ़ाया-लिखाया लेकिन...' 'लेकिन क्या पापा?' बेटे ने पूछा। 'ये सब विदेश में जाकर बस गए वहीं बड़ी-बड़ी कंपनियों में इंजीनियर हैं।' अशोक ने उदास मन से जवाब दिया। 'आप क्यों नहीं गए विदेश पापा पढ़े-लिखे तो आप भी बहुत है।' बेटे ने पूछा। 'बेटा, मैं भी जाने को तो चला जाता लेकिन बूढ़े मां-बाप की जिम्मेदारी थी मुझ पर... उनकी देखभाल जो करनी थी।' अशोक ने कहा। 'तो क्या बड़े का ही कर्तव्य होता है मां-बाप की सेवा करना, छोटों का नहीं?' बेटे ने थोड़ा गंभीर होते हुए पूछा। 'होता तो है लेकिन कोई समझे तब ना!' उन्होंने लंबी सांस भरते हुए कहा। बेटे का चेहरा उतर गया। उसके उतरे चेहरे को देखकर अशोक ने पूछा, 'अरे तुमने मुंह क्यों लटका लिया?' उसने धीरे से कहा, 'इसका मतलब तो यह हुआ कि मैं बड़ा होकर विदेश नहीं जा सकता।' 'क... क... क्यों... नहीं जा सकते तुम?' अशोक ने आश्चर्य से पूछा। 'मैं तो आपका इकलौता बेटा हूं ना इसलिए। मुझे तो बड़े होने की भूमिका निभानी है, छोटे होने की नहीं।' बेटायह कहते हुए अपने पापा के गले से लिपट गया। बेड पर रखे एलबम के पन्ने हवा के संग फड़फड़ा रहे थे। *

एआई इमेज

-गोविंद भारद्वाज

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

लोक-संस्कृति का प्रवाह

वर्तमान आधुनिकता के हाहाकारी बयार और पश्चिमी अंधानुकरण के दौर में जब जन सामान्य, अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है, ऐसे में लोक संस्कृति से जुड़ाव की दिशा में किया गया छोटा सा प्रयास भी बहुत मायने रखता है। इस लिहाज से हाल में प्रकाशित हुए 'नवोदित प्रवाह' के लोक संस्कृति विशेषांक की सराहना की जानी चाहिए। इसमें देश के लगभग हर प्रदेश की लोक संस्कृति की बहुरंगी छवि देखी जा सकती है। संस्कृति की महत्ता को रेखांकित करते हुए वरिष्ठ लेखक राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी लिखते हैं, 'संस्कृति जीवन के साथ चलती है, जीवन के प्रवाह में बहती है, जीवन को गति देती है, जीवन को प्रेरित और निर्देशित करती है।' रमई काका पर गंगा प्रसाद शर्मा का लेख, कजली पर कृष्ण कुमार यादव का लेख, लावणी लोकनृत्य पर इंदिरा किसलय का लेख समेत पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर भी बढ़िया लेख यहां पढ़े जा सकते हैं। बंगाल के लोक साहित्य पर अल्पना सिंह का लेख, छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोकनृत्य पर ममता तिवारी का लेख भी पठनीय है। इनके अलावा 'महुआ घटवारिनः एक अधूरी प्रेम कहानी' (कहानी), 'गर्व या मातम' (लघुकथा) और लोक-सांस्कृतिक रंग में रंगी बुद्धिनाथ मिश्र, आकांक्षा द्विवेदी, कृष्ण बिहारी, उद्भ्रांत की कविताएं विशेष रूप से पठनीय हैं। वरिष्ठ कवि बाल स्वरूप राही के साक्षात्कार ने इस अंक की महत्ता को और बढ़ा दिया है। *

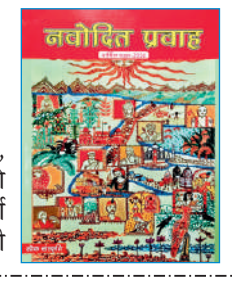

पत्रिका: नवोदित प्रवाह-वार्षिकांक 2026 (लोक संस्कृति विशेष),
संपादक: रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्य:** 200 रुपए
प्रकाशन स्थल: देहरादून, उत्तराखंड

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	12	8	4	16
गुजरात	13	8	5	16
हैदराबाद	12	7	5	14
पंजाब	12	6	5	13
राजस्थान	11	6	5	12
चेन्नई	12	6	6	12
कोलकाता	12	5	6	11
दिल्ली	12	5	7	10
मुंबई	12	4	8	8
लखनऊ	12	4	8	8

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
554 रन
गुजरात

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
22 विकेट
बेंगलुरु

खबर संक्षेप

एलएसजी के कप्तान पर 12 लाख का जुर्माना

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। लखनऊ ने शुक्रवार को खेले गए इस मैच में चेन्नई को 7 विकेट से हराकर उसकी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को करारा झटका दिया था। आईपीएल ने कहा, 'आईपीएल की न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का यह पहला अपराध था, इसलिए ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।' लखनऊ की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है।

अवनि का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर, किया कट हासिल

हैम्बर्ग। भारतीय गोल्फर अवनि प्रशांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में चार अंडर 69 का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया, जिससे वह जर्मन मास्टर्स टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने में सफल रही। पहले दौर में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली अवनि का कुल स्कोर अब एक ओवर हो गया है और वह संयुक्त 47वें स्थान पर है। कट दो ओवर पर गया। इस तरह से अवनि कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रही। इस टूर्नामेंट में भाग ले रही भारत की दो अन्य खिलाड़ी प्रणवी उर्स और वाणी कपूर कट में जगह नहीं बना पाई। प्रणवी ने दूसरे दौर में एक ओवर पार का स्कोर बनाया और कुल मिलाकर चार ओवर के साथ संयुक्त 72वें स्थान पर रहीं। वाणी पहले दौर के बाद ही टूर्नामेंट से हट गईं थी। जर्मनी की एस्थर हेंसेलीट (64-71) दूसरे दौर में दो अंडर 71 का कार्ड खेलकर कुल नौ अंडर पार के स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं। सारा कौस्कोवा ने दिन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर सात अंडर 64 बनाया। वह दूसरे स्थान पर हैं।

सिनसिनाटी में कट हासिल करने से चूकी अदिति

सिनसिनाटी । भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दूसरे दौर में एक ओवर 71 का कार्ड खेलने के बाद क्रोगर क्वीन सिटी चैंपियनशिप में कट हासिल करने से चूक गईं। पहले दिन के उन्होंने दो ओवर कर स्कोर किया था, जिससे उनका कुल स्कोर तीन ओवर का रहा जबकि कट दो ओवर पार पर तय किया गया था। अमांडा डोहर्टी और जिन यंग ने दूसरे दौर की समाप्ति तक संयुक्त बढ़त कायम कर ली थी। दोनों खिलाड़ियों ने दूसरे दिन चार अंडर 66 के स्कोर के साथ शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनों का कुल स्कोर सात अंडर का है। इस सत्र में यह केवल तीसरा मौका है जब अदिति कट में जगह बनाने में असफल रहीं।

कोलकाता ने गुजरात को 29 रन से हराया

केकेआर ने टाइटन्स को रोका

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन ने शुरुआत में मिले दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए 35 गेंद में 93 रन की विस्फोटकीय पारी खेली, जिसकी बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को आईपीएल मैच में गुजरात टाइटन्स के खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए 29 रन से जीत हासिल कर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीद जीवंत रखा। इस हार से गुजरात टाइटन्स का लगातार 5 मैचों में जीत का सिलसिला भी टूट गया, जो 16 अंक से तालिका में दूसरे स्थान पर बरकरार है। एलन के गेंदबाजों की धुनाई करने के बाद अंगकृष रघुवंशी (नाबाद 82 रन) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 52 रन) के नाबाद अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए महज 53 गेंद में 108 रन की शतकीय साझेदारी से टीम 'करो या मरो' के मुकाबले में दो विकेट पर 247 रन के विशाल स्कोर तक पहुंची। यह इस सत्र में उसका सबसे बड़ा स्कोर है।

गिल-बटलर की अर्धशतकीय पारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टाइटन्स के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (नाबाद 53 रन) के 23 रन पर रिटायर्ड हर्ट होने के बाद कप्तान शुभमन गिल (49 गेंद में 85 रन) और जोस बटलर (35 गेंद में 57 रन) के बीच 73 गेंद में 128 रन की साझेदारी के बावजूद 4 विकेट पर 218 रन ही बना सकी। केकेआर ने पारी के दौरान 22 छक्के लगाए जबकि गुजरात की टीम 12 छक्के ही लगा पाई। केकेआर इस जीत से 11 अंक से सातवें स्थान पर है। गिल और बटलर ने भले ही अर्धशतक जड़े हों लेकिन वे पारी के दौरान जीत दिलाने के लिए लय हासिल नहीं कर सके, जिससे टीम के लिए लक्ष्य पहाड़ जैसा बन गया।

सिराज ने छुआ 200 विकेट का जादुई आंकड़ा

गुजरात टाइटंस के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने टी20 क्रिकेट में एक बहुत बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स के ऐतिहासिक मैदान पर सिराज ने अपने टी20 करियर के 200 विकेट पूरे कर लिए हैं। उन्होंने केकेआर के ओपनर को आउट करते ही टी20 क्रिकेट में 200 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले वे 21वें भारतीय गेंदबाज बन गए हैं।

केकेआर की पारी में लगे 22 छक्के और 12 चौके

जीटी के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी में 22 छक्के और 12 चौके आए। केकेआर के बनाए 247 रनों में 180 रन तो बाउंड्री से ही आ गए। 22 छक्के लगाकर कोलकाता की टीम ने एक ऐतिहासिक कारनामा भी कर दिया है। कोलकाता अब एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली टीमों में दूसरे नंबर पर आ गई है।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटन्स	रन	गेंद	4	6
साई सुदर्शन नाबाद	53	28	6	3
गिल का रॉय बो नारायण	85	49	5	7
सिंधू का पांडे बो नारायण	01	4	0	0
बटलर का सब बो दुबे	57	35	5	2
तेवतिया का रघुवंशी बो ग्रीन	02	4	0	0

अतिरिक्त : 20, कुल योग : 20 ओवर में 218/4 रन
गेंदबाजी : सौरभ दुबे 2.4-0-23-1, ग्रीन 3-0-25-1, त्यागी 4-0-59-0, पाथिराना 1.2-0-9-0, नारायण 4-0-29-2, चक्रवर्ती 4-0-47-0, अनुकूल रॉय 1-0-17-0

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4	6
रहाणे बो सिराज	14	14	1	1
एलन का राशिद बो किशोर	93	35	4	10
अंगकृष रघुवंशी नाबाद	82	44	4	7
कैमरन ग्रीन नाबाद	52	28	3	4

अतिरिक्त : 06, कुल योग : 20 ओवर में 247/2
गेंदबाजी : सिराज 4-0-50-1, रबाडा 4-0-40-0, होल्डर 4-0-39-0, राशिद 4-0-57-0, साई किशोर 3-0-38-1, अरशद 1-0-22-0

पंजाब किंग्स को जीत की चाह प्लेऑफ पर आरसीबी की नजर

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) रविवार को होने वाले आईपीएल में पंजाब किंग्स की कमजोर गेंदबाजी का फायदा उठाकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा। धर्मशाला के बेहद खूबसूरत स्टेडियम में होने वाले इस मैच का मुख्य आकर्षण निश्चित तौर पर विराट कोहली रहेंगे, जिन्होंने पिछले मैच में शतक लगाया था। आरसीबी टूर्नामेंट की एकमात्र ऐसी टीम है, जिसने अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखी है। उसकी टीम पंजाब के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतारेगी। टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत करने वाले पंजाब किंग्स पर लगातार 5 मैच में हार के बाद टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। आरसीबी की टीम, जहां अंक तालिका में बेहद अच्छी स्थिति में है पंजाब किंग्स की टीम के लिए एक और हार प्लेऑफ के दरवाजे लगभग बंद कर देगी।

आज दोपहर 3.30 बजे से अय्यर और पाटीदार की टीमों में मुकाबला

करो या मरो की जंग में आमने सामने दिल्ली और राजस्थान

राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स को प्लेआफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए रविवार को आईपीएल का महत्वपूर्ण मुकाबला हर हालत में जीतना होगा और नजरें इस पर लगी होंगी कि वैभव सूर्यवंशी सीम और स्विंग के महारथी मिचेल स्टार्क का सामना कैसे करते हैं। दिल्ली के 12 मैचों में 10 अंक है और प्लेऑफ में जगह बनाने की उसकी संभावना नहीं के बराबर है। इस मैच में हार से वह दौड़ से बाहर ही हो जाएगी। वहीं रॉयल्स के 11 मैचों में 12 अंक है और एक सप्ताह के ब्रेक के बाद टीम तरोताजा होकर मैदान पर लौटेगी। उनकी पूरी कोशिश होगी कि दिल्ली उनके रंग में भंग नहीं डाल सके।

इटालियन ओपन

रुड ने डार्डेरी को हराया पहली बार फाइनल में

एजेंसी ▶▶| रोम

कैस्पर रूड ने बारिश के कारण लगभग दो घंटे तक खेल रुकने के दौरान भी अपनी एकाग्रता बनाए रखी और इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-1, 6-1 से हराकर पहली बार इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई।

रुड जब पहले सेट में 4-1 से आगे चल रहे थे तब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा था। रविवार को होने वाले फाइनल में उनका सामना विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर या दानिल मेदवेदेव से होगा। सिनर और मेदवेदेव के बीच सेमीफाइनल मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया। जब यह मुकाबला स्थगित करने का फैसला किया गया तब इटली के खिलाड़ी सिनर रूस के मेदवेदेव से 6-2, 5-7, 4-2 से आगे चल रहे थे। महिला वर्ग का फाइनल कोको गॉफ और एलिना स्वितोलिना के बीच खेला जाएगा। फ्रेंच ओपन से पहले यह आखिरी अभ्यास टूर्नामेंट है।

सात्विक-चिराग का धमाकेदार खेल, फाइनल में पहुंचे

थाईलैंड ओपन : भारतीय जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी को 82 मिनट में हराया

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में मलेशिया के गोह जे फेइ और नूर इजुद्दीन को हराकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल फाइनल में प्रवेश कर लिया। दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी सात्विक और चिराग ने नौवीं रैंकिंग वाली मलेशियाई जोड़ी को 82 मिनट में 19-21, 22-20, 21-16 से हराया। चिराग ने कहा, 'अच्छा लग रहा है।

हमने साल की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं की थी और अच्छी शुरुआत नहीं होने की वजह से हम मानसिक रूप से भी मजबूत नहीं थे। 'उन्होंने कहा, 'बतौर खिलाड़ी हम सचमुच जवाब चाहते थे। आखिरकार थॉमस कप में मिले कांस्य पदक ने हमारे आत्मविश्वास में काफी बढ़ोतरी की। और अब हम यहां साल का अपना पहला फाइनल खेल रहे हैं।'उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि हम यह खिताब जीत लेंगे।' भारतीय जोड़ी ने 2019 और 2024 में खिताब जीता था और तीसरी बार फाइनल में पहुंची है।

मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ रिकॉर्ड 7-2 का

अब सात्विक और चिराग का सामना इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन या चीन के हि जि तिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी से होगा। मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 7-2 का था लेकिन गोह और इजुद्दीन ने पिछले साल इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में उन्हें हराया था। मलेशियाई जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 3-1 की बढ़त बना ली लेकिन सात्विक और चिराग ने स्कोर 5-5 से बराबर कर लिया। पहले गेम में मलेशियाई जोड़ी ने ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली। चिराग की गलती से शटल नेट में चली गई और अंतर बढ़ गया।

गीक्स ऑफ गुरुकुल के छात्रों ने राज्य स्तरीय हैकथॉन में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

बंसल इंजीनियरिंग कॉलेज में दो दिवसीय राज्य स्तरीय आरबीजीआई हैकथॉन 2026 आयोजित

बंसल इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय आरबीजीआई हैकथॉन 2026 में गीक्स ऑफ गुरुकुल (जीओजी) के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान सहित अनेक शीर्ष पुरस्कार अपने नाम किए। एआईसीटीई के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश की 500 से अधिक टीमों ने हिस्सा लिया था।

इस सफलता के पीछे आईआईटी खड़गपुर एवं आईआईटी मुंबई के विशेषज्ञों तथा गीक्स ऑफ गुरुकुल की समर्पित फैकल्टी टीम का परिश्रम एवं मार्गदर्शन रहा। समापन समारोह में 16 विजेताओं को 6 लाख तक के पुरस्कार प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि डॉ. वीरेंद्र कुमार (निदेशक, डीटीई), डॉ. मनीष पांडे (आईआईटी खड़गपुर), डॉ. अभिषेक राजपूत (आईआईटी इंदौर) एवं प्रशांत तिवारी (निदेशक, साइब्रोम) ने जीओजी के छात्रों की तकनीकी दक्षता की विशेष सराहना की।

महिला क्रिकेट टीम पहुंची उज्जैन लिया महाकाल का आशीर्वाद

एजेंसी ▶▶| उज्जैन

भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया और सभी खिलाड़ी भस्म आरती में भी शामिल हुईं। भारतीय टीम की कई खिलाड़ी अपने परिवार संग आशीर्वाद लेने पहुंचीं। सभी खिलाड़ियों ने पूजा-अर्चना करते हुए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने की मनोकामना मांगी।

14 जून को भारत का पहला मैच पाकिस्तान से

महिला टी20 विश्व कप का आगाज 12 जून से होगा। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम की अगली भिड़ंत 17 जून को नीदरलैंड से होगी। वहीं, 21 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर टीम इंडिया का सामना मजबूत साउथ अफ्रीका से होगा। भारत और बांग्लादेश के बीच 25 जून को रोमांचक मुकाबला खेला जाएगा, जबकि ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में भारतीय टीम 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

स्क्वाश

सेंथिलकुमार और जोशना ने जीता युगल का खिताब

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

वेलवन सेंथिलकुमार और जोशना चिनप्पा की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने अपनी ख्याति के अनुरुप प्रदर्शन करते हुए शनिवार को तीसरी एचसीएल राष्ट्रीय युगल स्क्वाश चैंपियनशिप में मिश्रित युगल का खिताब जीता। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने फाइनल में अभय सिंह और रतिका सीलान की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 11-7, 11-9 से हराया। सेंथिलकुमार और जोशना दोनों ने इससे पहले टूर्नामेंट में अपने-अपने साथियों के साथ क्रमशः पुरुष और महिला युगल खिताब भी जीते थे। सेंथिलकुमार ने अभय के साथ मिलकर फाइनल में राहुल बैठा और सूरज कुमार चंद को 11-8, 11-5 से हराकर लगातार तीसरे वर्ष पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया। महिला युगल के फाइनल में जोशना और रतिका ने जेनेट विधि और पूजा आरती को 11-8, 11-4 से हराया।

एशियाई जूनियर स्क्वाश में भारत की चुनौती पेश करेंगे आर्यवीर

आर्यवीर दीवान चीन में इस महीने के आखिरी में होने वाली एशियाई जूनियर व्यक्तिगत स्क्वाश चैंपियनशिप में भारत की चुनौती पेश करेंगे। पिछले साल अंडर 17 लड़कों का खिताब जीतने वाले दीवान इस बार अंडर 19 वर्ग में उतरेंगे। टूर्नामेंट 20 से 24 मई तक खेला जाएगा, जिसमें उन्हें तीसरी वरीयता मिली है।

चैंपियंस लीग : विला 37 मुकाबलों में 62 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर

एस्टन विला ने लिवरपूल को हराया, पक्का किया क्वालिफिकेशन

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

एस्टन विला ने प्रीमियर लीग में लिवरपूल पर 4-2 से शानदार जीत हासिल करके अगले सीजन के यूईएफए चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया है।

एस्टन विला की तरफ से ओली वॉटकिंस ने शानदार दो गोल किए। इस जीत से एस्टन विला 37 मुकाबलों में 62 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, लिवरपूल 59 पॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर आ गया और अब क्लब को चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की करने के लिए एक मुश्किल लड़ाई लड़नी होगी।

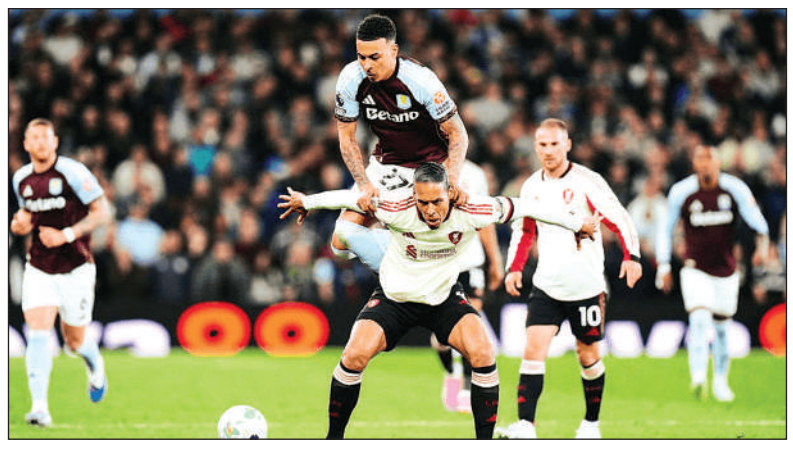

एमरी की टीम ने दिखाया आक्रामक खेल

उनाई एमरी की टीम ने विला पार्क में आक्रामक खेल दिखाया। लिवरपूल ने पहले हाफ में काफी समय तक मैच में कंट्रोल रखा, लेकिन विला ने 42वें मिनट में पहला गोल किया। मॉर्गन रोजर्स के पास पेनल्टी एरिया के बाईं ओर जगह थी और लुकास डिग्ने ने उन्हें पास दिया, और रोजर्स ने आराम से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में जल्द ही लिवरपूल ने बराबरी कर ली। मैच के 52वें मिनट में कप्तान वर्जिल वैन डाइक ने डोमिनिक सोबोस्जलाई के फ्री-किक पर हेडर से गोल किया। कुछ देर बाद मेहमान टीम लगभग मैच में वापसी कर ही ली थी, लेकिन युवा खिलाड़ी रियो न्गुमोहा का दूर से खेला गया जोरदार शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। फिर सोबोस्जलाई की बड़ी गलती का फायदा उठाकर विला ने मैच में अपनी पकड़ को दोबारा से मजबूत कर लिया। ओली वॉटकिंस मौके को भुनाने में सफल रहे और उन्होंने शानदार गोल दागा।

युवा और महिला सीए को किरण बेदी ने दिया नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण का मंत्र

मिंटो हॉल में आईसीएआई के एक दिवसीय विशेष सेमिनार में आई आईपीएस किरण बेदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की भोपाल शाखा द्वारा महिला और युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए एक दिवसीय विशेष सेमिनार का आयोजन मिंटो हॉल में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल एवं देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी किरण बेदी रहीं। उन्होंने युवा और महिला सीए को संबोधित करते हुए नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, नैतिकता और राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

मिंटो हॉल में आयोजित सेमिनार में सामूहिक फोटो शूट करते हुए।

सेमिनार में संबोधित करतीं किरण बेदी।

देश की आर्थिक व्यवस्था की मजबूत रीढ़ महिला और युवा चार्टर्ड

अपने प्रेरणादायी संबोधन में किरन बेदी ने कहा कि महिला और युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स देश की आर्थिक व्यवस्था की मजबूत रीढ़ हैं। उन्हें केवल वित्तीय विशेषज्ञ बनकर नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के जिम्मेदार लीडर के रूप में भी आगे आना चाहिए। उन्होंने अनुशासन, पारदर्शिता और सेवा भावना को सफलता की सबसे बड़ी कुंजी बताया। उनके संबोधन से सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

स्वप्नयान पहुंचा सृजन के अहम पड़ाव पर

20 मई को मंच पर उतरेगी बच्चों की कल्पनाओं की दुनिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विहान ड्रामा वर्क्स की चिल्ड्रेन थिएटर विंग स्वप्नयान इन दिनों अपने सबसे जीवंत, रचनात्मक और महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर चुकी है। खेल, मस्ती, गीत, लय और कल्पनाओं से शुरू हुई यह रंगयात्रा अब गंभीर और समर्पित नाट्य सृजन की प्रक्रिया में बदलती दिखाई दे रही है, जहां बच्चे अपने पात्रों को आकार देने में जुटे हैं।

कार्यशाला का हर कोना इन दिनों बच्चों की ऊर्जा और रचनात्मकता से भरा हुआ है। कहीं संवादों का अभ्यास चल रहा है, कोई समूह में अभ्यास कर रहा है, तो कोई एकांत में संवादों और अभिव्यक्तियों को संवारा जा रहा है। इसी क्रम में विहान ड्रामा वर्क्स द्वारा बच्चों द्वारा तैयार किया गए नाटक का मंचन 20 मई को मानव संग्रहालय सभागार में प्रस्तुत किया जाएगा।

कल्पनाओं की उड़ान व बालमन की भावनाओं से सजी फिल्मों ने दर्शकों को किया आकर्षित

भारत भवन में शुरू हुआ तीन दिवसीय बाल फिल्म समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत भवन में शनिवार से तीन दिवसीय बाल फिल्म समारोह का रंगारंग आगाज हुआ। 18 मई तक आयोजित इस विशेष समारोह में बच्चों और परिवारों के लिए चयनित उत्कृष्ट फिल्मों की प्रस्तुतियां की जा रही हैं।

छवि प्रभाग, भारत भवन द्वारा आयोजित इस आयोजन में पहले ही दिन बड़ी संख्या में बच्चों, अभिभावकों और सिनेमा प्रेमियों की उपस्थिति देखने को मिली। समारोह का उद्देश्य बच्चों को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखते हुए उन्हें संवेदनशील, कल्पनाशील और विचार प्रधान सिनेमा से जोड़ना है। यही कारण रहा कि पहले दिन प्रदर्शित फिल्मों ने बालमन की उत्सुकता, सपनों और भावनाओं को बेहद कलात्मक ढंग से पर्दे पर प्रस्तुत किया।

भारत भवन में बच्चे अपने परिवार के साथ फिल्म देखते हुए।

जिज्ञासा और कल्पनाओं की अद्भुत दुनिया

समारोह के पहले दिन प्रसिद्ध निर्देशिका सांई परांजपे की फिल्म जादू का शंख प्रदर्शित की गई। लगभग 49 मिनट की इस फिल्म ने बच्चों को रोमांच, जिज्ञासा और कल्पनाओं की अद्भुत दुनिया से रूबरू कराया। फिल्म की सबसे बड़ी विशेषता सहज कथानक और मासूम भावनाओं की प्रस्तुति रही। बिना किसी बनावटीपन के फिल्म बच्चों के मनोविज्ञान को स्पर्श करती नजर आई। फिल्म के कई दृश्य बच्चों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरते रहे, वहीं कुछ क्षणों ने गहरे भावनात्मक जुड़ाव का अनुभव भी कराया।

गंभीर और संवेदनशील आयाम प्रदान करती फिल्म 'डाक घर'

इसके बाद प्रदर्शित हुई फिल्म डाक घर ने समारोह को गंभीर और संवेदनशील आयाम प्रदान किया। गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर की कालजयी रचना पर आधारित इस फिल्म का निर्देशन जुल वेल्लानी ने किया है। फिल्म ने मानवीय संवेदनाओं, आशा और स्वतंत्रता की भावना को अत्यंत मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया। सीमित संवादों और प्रभावशाली दृश्य संयोजन के माध्यम से फिल्म ने दर्शकों को भीतर तक प्रभावित किया। बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी फिल्म की भावनात्मक गहराई को सराहा।

आर्ट टीचर्स के पांच दिवसीय आवासीय वर्ककैंप का समापन

कलाकारों ने बनाई पारंपरिक झाबुआ डॉल्स के साथ राज गोंड पेंटिंग, सीखीं बारीकियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आर्ट डिजाइन टीचर्स फोरम द्वारा आयोजित पांच दिवसीय आवासीय रचनात्मक कार्यशाला 'मूविंग फॉर्म्स- वर्ककैंप' का समापन अजीम प्रेमजी विवि परिसर में उत्साह और आत्मीयता के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में शामिल अलियांस फ्रसैज भोपाल-इंदौर के निदेशक विंसेंट रोबिन ने कहा कि इस तरह के आयोजन कला शिक्षा को नई दिशा देते हैं। उन्होंने कहा कि फ्रांस में स्कूली स्तर पर कला शिक्षा को अत्यंत महत्त्व दिया जाता है और प्रयास रहेगा कि अगले वर्ष अलियांस फ्रसैज भी इस आयोजन का सक्रिय हिस्सा बने।

वर्ककैंप के अंतिम दो दिनों में प्रतिभागियों ने अलीराजपुर की शिल्पकार मंजू रावत से पारंपरिक झाबुआ डॉल्स बनाना तथा महाराष्ट्र के भंडारा जिले की कलाकार मनीषा नेताम से राज गोंड पेंटिंग की बारीकियां सीखीं।

पांच दिवसीय आवासीय रचनात्मक कार्यशाला में अपनी कला का प्रदर्शन करते कलाकार।

यह गतिविधियां हुई

विशेष रूप से स्कूली कला शिक्षकों के लिए आयोजित इस वर्ककैंप में अनेक रचनात्मक और अनुभवात्मक गतिविधियां शामिल थीं। इनमें प्रमुख रूप से मालविका राजनारायण द्वारा पेपर इंजीनियरिंग और मूविंग फॉर्म्स, पॉप-अप बुक्स और विजुअल स्टोरीटेलिंग, जिज्ञासा आर्य द्वारा वीविंग और टेक्सटाइल एक्सप्लोरेशन, स्टाइलिंग एवं सेल्फ-एक्सप्रेशन, सांस्कृतिक संवाद, स्टोरीटेलिंग, ओपन माइक तथा सहयोगात्मक गतिविधियां शामिल रहीं।

मानव संग्रहालय में 'मां- अ हार्टबीट ऑफ एवरी होम' कला प्रदर्शनी का समापन

प्रदर्शनी में देशभर के विभिन्न कलाकारों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित लिखन्दरा आर्ट सोसाइटी की विशेष कला प्रदर्शनी 'मां- अ हार्टबीट आफ एवरी होम' का भावपूर्ण समापन हुआ। प्रदर्शनी समापन कार्यक्रम में संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में एवं प्रदर्शनी की क्यूरेटर डॉ. अंकिता जैन एवं आर्टिस्ट उपस्थित थे। यह प्रदर्शनी मां की उस शाश्वत भावना को समर्पित थी, जो केवल एक शब्द नहीं, बल्कि स्मृतियों, स्नेह और जीवन की मौन

शक्ति का प्रतीक है। प्रदर्शनी में देशभर के विभिन्न कलाकारों द्वारा प्रस्तुत कलाकृतियों के माध्यम से मातृत्व के विविध आयाम प्रेम, त्याग, स्नेह, संरक्षण और संघर्ष को अत्यंत संवेदनशील एवं सजीव रूप में अभिव्यक्त किया गया।

जनपरिषद के 37वें वार्षिक समारोह में आएंगे दीपक बोहरा

भोपाल। अग्रणी सामाजिक संस्था जनपरिषद के 37 वें वार्षिक समारोह में पूर्व राजनायिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर, अंतरराष्ट्रीय विषयों के अग्रणी ज्ञाता दीपक बोहरा 23 जून को शामिल होंगे। जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एन के त्रिपाठी एवं संस्था के महासचिव अजय श्रीवास्तव नीलू के अनुसार, समारोह में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा, एयर मार्शल प्रमोद श्रीवास्तव एवं एडिशनल चीफ सेक्रेटरी अनुपम राजन भी उपस्थित होंगे।

नेवी एनसीसी के एक्स कैडेट्स का चौथा एल्युमिनी फंक्शन आज

'समवन फॉर समवन' थीम पर नेवी ऑफिसर्स और 1975 से अब तक के एक्स कैडेट्स होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नेवी एनसीसी 1 एमपी नेवल यूनिट के एक्स कैडेट्स का चौथा एल्युमिनी फंक्शन रविवार, 17 मई को एमवीएम कॉलेज आडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम शाम 5 बजे से शुरू होगा, जबकि कैडेट्स का आगमन 5 बजे से प्रारंभ हो जाएगा और शाम 6 बजे कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ होगा। इस आयोजन में वर्ष 1975 से लेकर वर्तमान तक के नेवी एनसीसी कैडेट्स देशभर के विभिन्न शहरों से भोपाल पहुंच रहे हैं। कार्यक्रम का आयोजन नेवल यूनिट एनसीसी एल्युमिनी एसोसिएशन द्वारा किया जा रहा है। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम समवन फॉर समवन रखी गई है। एनसीसी का मूल मंत्र एकता और अनुशासन है और यही भावना इस एल्युमिनी फंक्शन में भी देखने को मिलेगी।

यह होंगे शामिल

कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट कमांडर डॉ. वीके पराशर, लेफ्टिनेंट कमांडर डॉ. चंचल भुट्टन, लेफ्टिनेंट कमांडर एडी सिंह और लेफ्टिनेंट अनिल राजपूत सहित बड़ी संख्या में आफिसर्स एवं एक्स कैडेट्स शामिल होंगे। लेफ्टिनेंट कमांडर डॉ. वीके पराशर ने बताया कि कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, परिचय सत्र और विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। खास बात यह रहेगी कि एक्स कैडेट्स पुराने दिनों की याद दिलाते हुए फ्रंट रोल और फ्रॉग जंप करते हुए हॉल में प्रवेश करेंगे, जो प्रशिक्षण के दौरान मिलने वाली अनुशासनात्मक सजा का हिस्सा हुआ करती थी। वहीं युवा कैडेट्स तिलक लगाकर सभी एक्स कैडेट्स का स्वागत करेंगे।

संस्कार भारती की 'निनाद' संगीत संगोष्ठी

शास्त्रीय संगीत और तबले के सुर ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

संस्कार भारती भोपाल महानगर संगीत विधा द्वारा आयोजित मासिक संगीत संगोष्ठी 'निनाद' का आयोजन शनिवार को बाबा योगेंद्र सभागार, तुलसी नगर, भोपाल में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गिरीश जोशी प्रांत सह संपर्क प्रमुख के साथ उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निर्देशक प्रकाश सिंह ठाकुर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संगोष्ठी में युवा शास्त्रीय गायिका यति विश्वकर्मा ने राग शुद्ध कल्याण में बड़ा ख्याल, छोटा ख्याल एवं तराना प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद प्रस्तुत मीरा भजन 'बांसी वारे आजो मारे देश' ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। हारमोनियम पर मुनि मालवीय एवं तबले पर अभिजीत गडेकर ने सुंदर संगत दी।

बाल कला साधकों ने किया सामूहिक तबला वादन

सामूहिक तबला वादन करते विद्यार्थी।

13 बच्चों ने तबले पर ठोकी ताल

ताल अकादमी ऑफ तबला के गुरु मनोज पाटीदार के 13 विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सामूहिक तबला वादन रहा। विद्यार्थियों ने तीनताल में उठान, पेशकार, कायदे, रेले, चक्करदार तिहाइयां, परन एवं सवाल-जवाब की आकर्षक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में हारमोनियम संगत मुनि मालवीय द्वारा की गई।

आईबीजेए भोपाल चैप्टर का एक दिवसीय कॉन्क्लेव आज

भोपाल। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मप्र चैप्टर की ओर से रविवार को आईबीजीए कॉन्क्लेव का आयोजन नीलबड़ स्थित होटल जलसा में होगा। इसमें ज्वेलरी और बुलियन कारोबार से जुड़े उद्योगपतियों, व्यापारी और निवेशक शामिल होंगे। कॉन्क्लेव का आयोजन भोपाल सराफा महासंघ के सहयोग से किया जा रहा है। इसमें सराफा व्यापार, स्वर्ण निवेश, बाजार की बदलती प्रवृत्तियों और बुलियन सेक्टर की नई संभावनाओं पर मंथन होगा। इसका उद्देश्य प्रदेश के व्यापारियों और निवेशकों को राष्ट्रीय स्तर के बाजार से जोड़ना और बुलियन उद्योग में हो रहे तकनीकी बदलावों से अवगत कराना है।

साइंस सेंटर में 'क्रिएटिव मैथेमेटिक्स' कार्यशाला का आयोजन

विद्यार्थियों ने खेल-खेल में सीखे गणित के रोचक प्रयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि विकसित करने और कठिन गणितीय सिद्धांतों को सरल, प्रयोगात्मक एवं रोचक माध्यमों से समझाने के उद्देश्य से 'क्रिएटिव मैथेमेटिक्स' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन साइंस सेंटर में किया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए गणित को केवल सूत्रों तक सीमित न रखकर उसे रचनात्मक गतिविधियों और प्रयोगों के माध्यम से समझा। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न गणितीय अवधारणाओं पर आधारित शैक्षणिक किट एवं आकर्षक मॉडल तैयार किए। गतिविधियों के माध्यम से उन्हें गणित के व्यावहारिक उपयोगों और उसके वैज्ञानिक पक्ष को समझने का अवसर मिला।

टैंग्राम गतिविधि से समझीं विभिन्न आकृतियां एवं ज्यामितीय संरचनाएं

विद्यार्थियों ने टैंग्राम गतिविधि के जरिए विभिन्न आकृतियों एवं ज्यामितीय संरचनाओं को समझा और रचनात्मक ढंग से नई आकृतियों का निर्माण किया। वहीं नेपियर्स बोन्स की सहायता से गुणा एवं भाग की पारंपरिक लेकिन रोचक विधि को सीखा। पोकिंग फन एट मैथ्स गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने इमेज मल्टीप्लिकेशन की दिलचस्प प्रक्रिया को समझते हुए गणित और कला के अद्भुत समन्वय का अनुभव किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930